RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 101
फरीदाबाद, मंगलवार, 18 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

क्या है डिजिटल मार्केटिंग
पेज - 12

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 32.08°C
न्यूनतम 24.00°C

बाजार

सेंसेक्स	49,580	▲	848
निफ्टी	14,923	▲	245
सोना	48,028	▲	352 /10 gm
चांदी	72,067	▲	982/ kg

क्विक न्यूज

मोदी ने चिकित्सकों से किया संवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में योगदान दे रहे चिकित्सकों से संवाद किया और इस महामारी से मिली सीख के बारे में उनके अनुभव सुने और उनसे सुझाव भी मांगा। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोविड केयर केंद्रों में कार्यरत चिकित्सकों के समूह से चर्चा की। इनमें उत्तर भारत और जम्मू एवं कश्मीर सहित अन्य क्षेत्रों के चिकित्सक मौजूद थे।

कांग्रेस एमएलए के बंगले पर पंखे से लटकी मिली महिला

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में कांग्रेस के विधायक और पूर्व मंत्री उमंग सिंघर के बंगले पर एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। मौके से एक सुइसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें सिंघर का नाम लेकर लिखा गया है कि वह विधायक की जिंदगी में स्थान चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एएसपी भोपाल राजेश सिंह भदौरिया ने कहा, कांग्रेस विधायक उमंग सिंघर के आवास पर एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। पोस्टमॉर्टम कराया गया है, रिपोर्ट का इंतजार है।

कृषिमंत्री ने स्वास्थ्य केंद्रों का जायजा लिया

भिवानी। हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने सोमवार को लेघा, कैरू, तोशाम व बवानीखेड़ा के स्वास्थ्य केंद्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। दलाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोरोना संक्रमण के उपचार संबंधी सभी सुविधाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड लक्षण वाले हर व्यक्ति का रैपिड एंटीजन जांच किया जाए और पॉजिटिव आने पर तत्काल उपचार शुरू हो।

बेघरों को अच्छा भोजन देने के लिए अदालत में याचिका

नई दिल्ली। शहर में बेघर लोगों को दिन में तीन बार अच्छा भोजन मुहैया कराने की एक याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय में आई जिसने सोमवार को केंद्र और दिल्ली सरकार से इस बाबत जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने केंद्र, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, दिल्ली सरकार, पुलिस, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और राष्ट्रीय तथा दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को नोटिस जारी कर याचिका पर उनका रुख जानना चाहा। विधि के दो छात्रों और कुछ बेघर लोगों की याचिका में दलील दी गई है कि दिल्ली की सड़कों पर सैकड़ों परिवार बुरी स्थिति में हैं।

पंचायती चुनाव की तैयारी में जुटी मनोहर सरकार, सात हजार

ग्रामीण चौकीदारों को मिलेगी ईपीएफ सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के नंबरदारों के बाद चौकीदारों को बड़ी राहत देते हुए ईपीएफ सुविधा देने का फैसला किया है। एक सप्ताह में यह दूसरा मौका है जब गांवों से जुड़े प्रतिनिधियों को सुविधा दी गई है। सरकार के इन फैसलों को निकट भविष्य में होने वाले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के साथ जोड़ा जा रहा है।

हरियाणा के गांवों में इस समय 7017 पंजीकृत ग्रामीण चौकीदार हैं। गांव में तरह की मुनादी करने के अलावा गांव में होने वाली घटनाओं की सूरत में गवाही, शिनाख्त आदि में चौकीदार की भूमिका अहम रहती है। यही नहीं गांव में होने वाले मौतों का रिकार्ड भी चौकीदारों द्वारा ही रखा जाता है।

नंबरदारों को आयुष्मान में शामिल कर चुकी है प्रदेश सरकार

यह चौकीदार अपने कई मांगों के लिए लंबे समय से जद्दोजहद कर रहे हैं। मनोहर सरकार ने पहले कार्यकाल के दौरान ग्रामीण चौकीदारों को वर्दी और अन्य जरूरत का सामान दिया था। चौकीदारों को मिलने वाले भत्ते को भी नियमित किया गया था।

अब सरकार ने बड़ी राहत देते हुए ग्रामीण चौकीदारों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ देने का निर्णय लिया है ताकि उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस आशय के एक प्रस्ताव को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को मंजूरी प्रदान कर दी है।

अब ग्रामीण चौकीदारों को 12 प्रतिशत की दर से ईपीएफ का लाभ दिया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से राज्य के 7017 ग्रामीण चौकीदार लाभान्वित होंगे और सरकारी खजाने पर लगभग 7.07 करोड़ रुपये वार्षिक का वित्तीय भार पड़ेगा। एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा मौका है जब सरकार ने ग्रामीण प्रतिनिधियों को सुविधा प्रदान की है। इससे पहले राज्य में 23 हजार 375 नंबरदारों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करते हुए उन्हें स्मार्ट फोन देने का ऐलान किया गया है। इस घोषणा को अमली रूप देने के लिए सरकार ने स्मार्ट फोन खरीदने को टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

डीआरडीओ की वैक्सीन खरीदेगा हरियाणा

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने ट्वीट कर दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने डीआरडीओ द्वारा कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए विकसित की गई दवा खरीदने का फैसला किया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सोमवार को ट्वीट के माध्यम से यह जानकारी दी। हरियाणा सरकार प्रदेश में वैक्सीन को तेज करने की दिशा में काम कर रही है। जिसके चलते डीआरडीओ की दवा खरीदने की योजना बनाई गई है।

हरियाणा में पिछले कई दिनों से कोरोना वैक्सीनेशन चल रही है। जिसके चलते अब तक प्रदेश में 48 लाख 96 हजार 395 लोगों की वैक्सीनेशन हो चुकी है। सरकार द्वारा 18 से 44 वर्ष के लोगों को वैक्सीनेशन के दायरे में कवर करने के लिए केंद्र सरकार के पास 50 लाख वैक्सीन का पैसा जमा कराया गया है। जिसकी एवज में अभी तक करीब छह लाख वैक्सीन ही मिली हैं।

ग्लोबल टैंडर का किया था ऐलान

हरियाणा सरकार वैक्सीन खरीद के लिए ग्लोबल टैंडर करने का भी ऐलान कर चुकी है। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार की गई टू-डीजी दवा को भारतीय मार्केट में लांच किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा द्वारा डीआरडीओ द्वारा तैयार की गई टू-डीजी दवा को खरीदा जाएगा। इस संबंध में हरियाणा के अधिकारियों द्वारा जल्द ही डीआरडीओ के अधिकारियों के साथ तालमेल करके कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा।

स्मार्ट सिटी मिशन में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर

जयपुर। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत केंद्र सरकार की 36 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों की ऑनलाइन रैंकिंग में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। यहां जारी एक बयान के अनुसार स्मार्ट सिटी मिशन के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी 36 राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग में राजस्थान दूसरे स्थान पर है। वहीं 100 शहरों की रैंकिंग में उदयपुर 8वें, कोटा 11वें, अजमेर 29वें एवं जयपुर 36 वें स्थान पर है। स्मार्ट सिटी क्रियान्वयन के संबंध में केंद्र की रैंकिंग आधार मुख्यत: परियोजना का क्रियान्वयन, प्रगतिरत कार्य एवं निविदाधीन कार्य, प्राप्त फंड का उपयोग और केंद्र को समय-समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना है।

एक्सपर्ट पैनल की रिपोर्ट का खुलासा : कोविशील्ड टीकाकरण के बाद

खून का थक्का जमने ब्लीडिंग के केस मिल रहे

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, विपरीत असर दिखने पर 20 दिन में रिपोर्ट करें पीड़ित

एजेंसी। नई दिल्ली

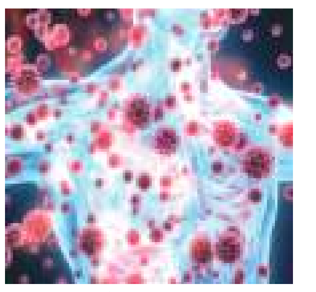

कोरोना वायरस की वैक्सीन कोविशील्ड लेने के बाद देश में खून बहने और थक्के जमने के केस मिलने शुरू हो गए हैं। अब तक इससे संबंधित 26 केस मिलने की बात कही गई है। कोरोना टीकों को लेकर बने एक पैनल की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

कोरोना टीकों के बाद होने वाले साइड इफेक्ट्स के अध्ययन को लेकर बने पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उसने कुल 498 केसों का अध्ययन किया है, जो गंभीर थे। इनमें से उसे 26 ऐसे केस मिले हैं, जिनमें टीके लगने के बाद खून बहने या फिर खून का थक्का जमने की आशंका है। डेटा में कहा गया है कि टीके के बाद बेहद कम रिस्क है, लेकिन आंतरिक तौर पर इसके प्रभाव की आशंका जरूर है। हालांकि को-वैक्सिन लेने के बाद खून के थक्के जमने या बहने जैसी कोई समस्या सामने नहीं आई है।

इसके अलावा खून के थक्के जमने को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि टीके की कुल 10 लाख डोज में ऐसे 0.61 केस मिले हैं। पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल तक 7 करोड़ 54 लाख के करीब टीके लगाए गए हैं। इनमें से देश में कोविशील्ड के 68650819 टीके लगे हैं, जबकि कोवैक्सिन के 6784562 टीके लगे हैं। देश में टीकाकरण की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 753 जिलों में से 684 में वैक्सीन लेने के बाद किसी बड़े दुष्प्रभाव की बात सामने आई है। कुल 23000 ऐसे मामले दर्ज किए गए हैं, जब टीका लेने के बाद कोई समस्या पैदा हुई है। इनमें भी सिर्फ 700 ही ऐसे केस थे, जो गंभीर थे। पैनल ने कहा कि भारत बायोटेक की ओर से बनाई गई कोवैक्सिन के इस्तेमाल से खून के थक्के जमने या रक्त बहने जैसी कोई घटना सामने नहीं आई है। पैनल की रिपोर्ट में हालांकि कहा गया है कि खून में किसी प्रकार की समस्या का खतरा दक्षिण एशिया के लोगों में यूरोपीय लोगों के मुकाबले 70 फीसदी तक कम है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जल्दी ही हेल्थकेयर वर्कर्स और वैक्सीन लगवाने वाले लोगों को प्रेरित किया जाएगा कि टीका लगने के बाद खून का थक्का जमने या ब्लीडिंग जैसी किसी समस्या को लेकर 20 दिन के भीतर ही अवगत कराया जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि टीके के बाद सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, कंधे पर दर्द, लाल चकत्ते पड़ने या फिर अन्य किसी समस्या के होने पर अवगत कराया जाए।

रोज गोमूत्र लेती हूं : प्रज्ञा

भोपाल से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने गोमूत्र से कोरोना संक्रमण रोकने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि वे खुद प्रतिदिन गोमूत्र का अर्क लेती हैं। इसी कारण अब तक इस संक्रमण से बची रहीं और इसके चलते उन्हें आगे भी संक्रमण नहीं होगा। यह बात प्रज्ञा ने रविवार को भोपाल के संतनगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। इसका वीडियो सोशल मीडिया में सोमवार को वायरल हुआ।

मुंबई के बाद गुजरात की तरफ बढ़ा तौकते तूफान

महाराष्ट्र में अब तक 5 लोगों की हुई मौत

एजेंसी। मुंबई

चक्रवाती तूफान तौकते मुंबई को छूता हुआ गुजरात की ओर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने कई घंटों के दौरान यहां भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 120 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अंदेशा है। इस बीच मुंबई से सटे रायगढ़ में इस तूफान की वजह से 2 लोगों और सिंधुदुर्ग जिले में एक शख्स की मौत हुई है। इससे पहले जलगांव में भी दो बहनों की जान चली गई थी। दोपहर 3.31 बजे यहां समुद्र में हाईटाइड की चेतावनी जारी की गई थी। कई जगहों पर वाटर लॉगिंग (पानी भरना) की समस्या देखने को मिल रही है। मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर खुद सड़क पर उतारकर स्थिति का जायजा ले रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम उद्धव ठाकरे से बात की है।

मुंबई में कोरोना वैक्सीनेशन रोका गया है और कोरोना मरीजों को दूसरी जगहों पर शिफ्ट किया गया है। एयरपोर्ट भी शाम 6 बजे तक बंद रहेगा। मुंबई का वर्ली सी लिंक भी बंद किया गया है। समुद्र में हाईटाइड के दौरान 10 से 13 फीट ऊंची लहरें देखने को मिली हैं। मुंबई के अलावा रायगढ़, सिंधुदुर्ग, पालघर और ठाणे में भी वैक्सीनेशन नहीं होगा। यहां भी कोरोना मरीज शिफ्ट किए गए हैं। मौसम विभाग ने मुंबई, रायगढ़, सिंधुदुर्ग, पालघर और ठाणे में अलर्ट जारी किया है। मुंबई में एनडीआरएफ की तीन टीमों को तैनात किया गया है और 5 टीमें अलर्ट पर हैं। 5 जगह अस्थायी शेल्टर होम बनाए गए हैं। शहर के दादर, वर्ली, लोअर परेल, माटुंगा और माहिम सहित मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाकों में भारी बारिश हो रही है। मुंबई में वर्ली सी फेस, शिवाजी पार्क, मरीन ड्राइव पर समुद्र तट पर ऊंची लहरें उठ रही हैं।

तूफान के चलते सोमवार की भोर में 2.23 बजे समुद्र में हाई-टाईड के वक्त करीब 10.99 फीट, फिर सुबह 8.24 बजे लो-टाइड के वक्त 3.28 फीट ऊंची लहरे उठीं। मौसम विभाग के अनुसार दोपहर 3.31 मिनट पर आने वाले हाई-टाइड के वक्त समुद्र में 13.26 फीट ऊंची और रात 9.37 मिनट पर होने वाले ले-टाइड के वक्त 6.79 फीट ऊंची लहरें उठीं।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया कि मुंबई और राज्य के अन्य तटीय जिलों में अस्थाई रूप से स्थापित किए गए फील्ड अस्पताल से मरीजों को सुरक्षित अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है। अस्पतालों में बिजली और ऑक्सीजन बैकअप की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। संभावित तूफान की चपेट में आने वाले जिलों में 12-16 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप सुनिश्चित करने का इंतजाम करने के लिए कहा गया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं कि तटीय इलाकों में ऑक्सीजन का उत्पादन तथा राज्य के बाकी हिस्सों में उसकी ढुलाई प्रभावित न हो।

दिल्ली में दबोचा जैश आतंकी

नई दिल्ली। दिल्ली में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है, जो विवादों में रहने वाले पुजारी स्वामी यति नरसिंहानन्द की हत्या की साजिश रच रहा था।

आरोपी की पहचान जान मोहम्मद डार के रूप में हुई है। वह कश्मीर के पुलवामा का रहने वाला है और दिल्ली के पहाड़गंज स्थित होटल में रुका था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जान मोहम्मद के पास से जो चीजें मिली हैं, उससे संकेत मिलता है कि वह हिंदू पुजारी के रूप में जाकर डासना के देवी मंदिर में पुजारी स्वामी यति नरसिंहानन्द सरस्वती की हत्या करना चाहता था। नरसिंहानन्द ने हाल में पैगंबर मोहम्मद को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दिल्ली पुलिस ने भगवा कुर्ता, सफेद पायजामा, कलावा, मनका, चंदन और कुमकुम बरामद की है। डार के कब्जे से .30 बोर का पिस्टल और दो मैगजीन बरामद की है, जिसमें 15 कारतूस हैं। डार ने खुलासा किया कि उसे आतंकवादी संगठन ने पुजारी की हत्या करने को कहा था। बताया जा रहा है कि बढ़ई का काम करने वाला जान मोहम्मद डार दिसंबर 2020 में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी आबिद के संपर्क में आया था।

मंत्रियों की गिरफ्तारी पर भड़की टीएमसी

सीबीआई दफ्तर पर कार्यकर्ताओं की पत्थरबाजी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार के दो मंत्रियों समेत 4 नेताओं की सीबीआई ओर से गिरफ्तार ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है। इन गिरफ्तारियों को बीजेपी द्वारा प्रायोजित बताते हुए टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया है। यही नहीं तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता सोमवार दोपहर को सीबीआई के दफ्तर के बाहर जा डटे और विरोध प्रदर्शन करते हुए पत्थरबाजी भी की। फिलहाल किसी भी तरह के उपद्रव की आशंका को देखते हुए सीबीआई दफ्तर के मुख्य गेट को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा केंद्रीय बलों की तैनाती सीबीआई दफ्तर के अंदर और मेन गेट के बाहर की गई है।

सीबीआई की ओर से नारदा स्टिंग केस में सोमवार सुबह बंगाल सरकार के मंत्रियों फिरहाद हाकिम, सुब्रत मुखर्जी और विधायक मदन मित्रा को अरेस्ट किया गया है। इन गिरफ्तारियों के विरोध में खुद सीएम ममता बनर्जी सीबीआई के दफ्तर पहुंच गई है। सोमवार सुबह एजेंसी ने इन नेताओं के घर छापेमारी की थी और इन्हें अपने दफ्तर ले आई थी। कोलकाता के पूर्व मेयर सोवन चटर्जी को भी अरेस्ट किया गया है। इस बीच राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर गवर्नर जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है।

धनखड़ ने ट्वीट किया, बिगड़ती स्थिति पर चिंतित हूं। ममता बनर्जी से बात कर संवैधानिक नियमों और कानून के पालन की मांग की है।

विस्तृत खबर पेज-09 पर

भाजपा की तरह बड़ा सोचना होगा हमें : सलमान खुर्शीद

एजेंसी। बेंगलुरु

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने उनकी पार्टी से, भाजपा की तरह बड़ा सोचने की पैरवी करते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस को इस निराशावादी दृष्टिकोण को नहीं मानना चाहिए कि वह बहुत छोटी व कमजोर हो चुकी है तथा अपनी खोई जमीन वापस नहीं पा सकती।

उन्होंने एजेंसी से कहा, मैंने पश्चिम बंगाल और असम से एक चीज सीखी है, आपको यह कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहिए कि आप आप बहुत छोटे हैं, कमजोर हैं और किसी क्षेत्र या राज्य में कुछ बड़ा नहीं कर सकते। खुर्शीद ने यह भी कहा, मेरा मानना है कि भाजपा ने उन जगहों पर भी ऐसा (बड़ा सोचने की रणनीति) किया है, जहां उनका कोई अस्तित्व नहीं था। उन्होंने उन स्थानों पर भी ऐसा करने का प्रयास किया, जहां आज भी उनका कोई अस्तित्व नहीं है।

सेंट्रल विस्टा : निर्माण कार्य रोक की याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी द्वारा सेंट्रल विस्टा एवेन्यू रिडेवलपमेंट प्रोजक्ट पर रोक लगाने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

बता दें कि सुनवाई के दौरान भारत सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस याचिका का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि यह याचिका किसी न किसी की कमी को छिपाने के लिए डाली गई है। सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि उनके तर्क और बहस अप्रैल की अधिसूचना के आधार पर होंगे। तुषार मेहता के बाद शापूरजी पालोनजी ग्रुप की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह भी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को निलंबित करने की मांग करने वाली जनहित याचिका का विरोध किया। उनका कहना है कि यह कोई वास्तविक याचिका नहीं है। वहीं याचिका डालने वाले वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को सेंट्रल विस्टा नहीं कहना चाहिए बल्कि इसे अब 'मौत का केंद्रीय किला' कहा जाएगा। उन्होंने अदालत से इसपर जल्द से जल्द रोक लगाने की मांग की है। बता दें कि दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी द्वारा दायर याचिका में तर्क दिया गया था कि कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

विदेशों से मंगवाई जाएगी ब्लैक फंगस की दवाई : मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि ब्लैक फंगस की बीमारी को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह से सक्रिय है और इसके इलाज के लिए विदेशों से दवाईयां मंगवाई जा रही है। दवा आते ही उसका वितरण कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश में फैल रहे कोरोना संक्रमण और किसान आंदोलन के मुद्दे पर सोमवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले। तीनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक यह बैठक चली। हरियाणा की राजनीति के अनुसार इस बैठक के कई मायने हैं। क्योंकि प्रदेश में ऐलनाबाद और कालका विधानसभा उपचुनाव के अलावा पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव भी होने वाले हैं। हरियाणा में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी कई माह से अटकलें चल रही हैं।

अमित शाह व जेपी नड्डा के साथ मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लंबे समय से दोनों शीर्ष नेताओं से भेंट नहीं हुई थी। आज की बैठक में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की सीमा पर हरियाणा में बैठे किसानों की गतिविधियों के बारे में भी शाह व नड्डा के साथ चर्चा हुई है।

मनोहर लाल ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार प्रदेश को जो भी निर्देश जारी करेगी उसके अनुसार फैसला लिया जाएगा। हिसार में अस्पताल के उद्घाटन का विरोध करने जैसी घटनाओं के बारे में भी गृहमंत्री को रिपोर्ट दी गई है। सीएम ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व इस बात से सहमत है कि किसान संगठनों को महामारी के समय में इस तरह के कार्यक्रमों का विरोध नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री के अनुसार उन्होंने प्रशासन और किसान संगठनों के बीच हुई बैठक और बाद किसान संगठनों द्वारा आज के विरोध प्रदर्शनों को रद्द किए जाने के संबंध में भी रिपोर्ट दी है।

सीएम ने गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष के साथ की बैठक

सरकार सीमा पर बैठे किसानों का टीकाकरण करवाने को तैयार

सीएम ने बताया कि हरियाणा सरकार दिल्ली बार्डर पर बैठे किसानों का टीकाकरण कराने के लिए तैयार है लेकिन किसान संगठनों द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। किसान संगठन कोरोना टेस्ट करवाने को भी तैयार नहीं है। इस बारे में भी गृहमंत्री व भाजपा अध्यक्ष को रिपोर्ट दी गई है। हरियाणा में मंत्रिमंडल विस्तार के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार बेहतर तरीके से जनहित में काम कर रही है। प्रदेश में जब भी मंत्रिमंडल का विस्तार होगा जरूर बता दिया जाएगा।

आस्ट्रेलिया में बैठे हरियाणवियों ने बढ़ाए मदद के हाथ

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कहर से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया में बैठे हरियाणवियों ने भी हरियाणा और एनसीआर के लिए चिकित्सा उपकरण भेजे हैं। ऑस्ट्रेलिया में संचालित एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीस इन ऑस्ट्रेलिया (एएचए) नामक एक सामुदायिक संगठन ने 'ऑपरेशन संजीवनी' अभियान के तहत हरियाणा और एनसीआर के लिए 110 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर (ओसी), तीन हजार पल्स ऑक्सीमीटर और 2500 थर्मल सेंसर का उदार दान दिया है। इन चिकित्सा उपकरणों को दो चरणों में भारत भेज दिया गया है, जिसमें से 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की पहली खेप 13 मई को कुलपति, पीजीआईएमएस, रोहतक द्वारा प्राप्त की गई तथा 1000 ऑक्सीमीटर हरियाणा सरकार और जीआईओ गीता संस्थान को दिए गए। इसी प्रकार, 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 2000 ऑक्सीमीटर और 2500 थर्मल सेंसर की खेप कल प्राप्त हुई है। एएचए के ट्रस्टी अशोक कुंडू ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न राज्यों में रह रहे हरियाणवियों ने इन जीवन रक्षक मशीनों के लिए दिल खोल कर धन दान किया है। संगठन ने 'ऑपरेशन संजीवनी' अभियान के तहत कम से कम 200,000 यूएडी जुटाने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सिडनी शहर में एएचए के एक अभिन्न अंग सेवा सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों के माध्यम से चिकित्सा उपकरणों को हरियाणा और एनसीआर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यकता और तात्कालिकता के आधार पर भेजा जा रहा है।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, मंगलवार, 18 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 32.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 24.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सेक्टर-12 में पत्रकारों के लिए वैक्सीनेशन कैम्प सुबह 11 बजे
- सभी जरूरी दुकानें सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम को 6 से 8 रहेंगी खुली।
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच सुबह 8 बजे से शुरू।
- बीके अस्पताल की ओपीडी सुबह 8 से 11 बजे तक।
- जिले में 49 केन्द्रों पर लगाई जाएगी वैक्सीन सुबह सुबह 10 से

निवेश गुरु

सोने के पिछले हफ्ते की कीमत पर नजर डाले तो कीमत में 723 रुपए तक की तेजी आई। आने वाले दिनों में सोना अभी और महंगा होने वाला है। ऐसे में अगर आपको सोना खरीदना है तो बिना देर किए अभी खरीद लें। बढ़तो कोरोना संक्रमण के मामलों के साथ सोने की कीमत में तेजी आने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में सोने की कीमत में बड़ा उछाल देखते को मिल सकता है।

यूटीलिटी न्यूज

अनाथ बच्चों की जानकारी 1098 पर दें

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अगर कोई बच्चा अनाथ हो जाता है तो उसकी सहायता के लिए तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन पर जानकारी दें। उन्होंने बताया कि कोराना संक्रमण के दौरान अगर कोई 0 से 18 वर्ष की आयु के बच्चा अनाथ हो गया है और उसको किसी भी मदद की आवश्यकता है तो वह तुरंत जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर जानकारी दें। उपायुक्त ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया के तहत ही किसी बच्चे को गोद लिया जा सकता है। यदि कोई बिना कानूनी प्रक्रिया के बच्चे गोद लेता है या देता है तो यह कानूनी अपराध है। जिसमें कानून रूप से सजा का प्रावधान भी है।

क्विक न्यूज

विमल प्रकाश नेहरू कॉलेज में तैनात

फरीदाबाद। राजकीय महाविद्यालय भेंरिया कॉलेज, कुरुक्षेत्र में ट्रांसफर हुए सहायक प्रोफेसर एवं एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट विमल प्रकाश के तबादले को हरियाणा सरकार ने रद्द कर पुन: पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया है। नेहरू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेंद्र गुप्ता ने रविवार को विमल प्रकाश को जॉइन रिपोर्ट दी। पिछले साल नेहरू कॉलेज के पूर्व कार्यवाहक प्राचार्य ओमप्रकाश की झूठी शिकायत पर दिसंबर 2020 में विमल प्रकाश का तबादला राजकीय महाविद्यालय भेंरिया कर दिया गया था। शिकायत के आधार पर जांच की गई। सरकार ने उन्हें निर्दोष पाकर पुन: नेहरू कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया है। कॉलेज के वर्तमान प्राचार्य डॉ. महेंद्र गुप्ता ने जॉइन रिपोर्ट देते हुए उन्हें कॉलेज में बेहतर कार्य करने के लिए कहा, जिस पर विमल प्रकाश ने प्राचार्य को विश्वास दिलाया।

ग्रामीण क्षेत्र में चलाया जागरूकता अभियान

फरीदाबाद। ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण में मामलों को देखते हुए एनएचपीसी सोनू नव चेतना फाउंडेशन अपनी सहयोगी संस्था संभार्य फाउंडेशन व जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में कोविड 19 के प्रति जागरूकता अभियान पूरे जोर शोर के साथ चलाया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना से बहुत से लोग संक्रमित हुए हैं ऐसे में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए उनका जागरूक होना अति आवश्यक है इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए सोनू नव चेतना फाउंडेशन और संभार्य फाउंडेशन , खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय बल्लबगढ़, फरीदाबाद, तिगांव और रेडक्रोस सोसाइटी के साथ मिलर एनएचपीसी के सहयोग से नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर रही हैं। बल्लबगढ़ फरीदाबाद के चंदावली, मछगर, दयालपुर, पन्हेड़ा कला, पन्हेड़ा खुर्द, नरियाला, ककड़ीपुर, मांदकौल, लढौली में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जिसके माध्यम से लोगों को कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए जरूरी हिदायतों के बारे में बताया।

आपदा में अवसर :

कोरोना की आढ़ में जिम्मेदारियों से मुंह छिपा रहा नगर निगम

नालों की सफाई समय रहते नहीं हुई तो बरसात में शहर हो सकता है बदहाल

राजेश दास। फरीदाबाद

कोरोना महामारी की आढ़ में नगर निगम अथवा अन्य सरकारी विभागों की तरफ अपनी अन्य जिम्मेदारियों से मुंह छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। हर साल बरसातों से पहले नगर निगम की तरफ से शहर के सभी छोटे बड़े नालों की सफाई करवाने का काम किया जाता है।

पहले ही जरा सी बरसात आते शहर की सड़के और गलियां जलमग्न हो जाती है। जिसके कारण लोगों को शहर की प्रमुख सड़कों पर भयानक जाम और अन्य कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसके बावजूद नगर निगम की तरफ से इस बार नालों की सफाई और बरसाती पानी की निकासी के लिए समय रहते कोई इंतजाम करवाने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। अभी बरसातों को कुछ समय बाकी है। यदि निगम चाहे तो ठेका देने की बजाए अपने पास मौजूद संसाधनों की मदद से नालों की सफाई आसानी से करवा सकता है। नगर निगम की तरफ से हाल ही में कई स्थानों पर बड़े बड़े अंडर ग्राउंड नालों का निर्माण करवाया गया है। लेकिन करीब एक से दो साल गुजर जाने के बावजूद इन नालों को कनेक्ट करने की जरूरत महसूस नहीं की। ऐसे में सरकार के करोड़ों रुपये व्यर्थ में खर्च हो गए।

व्यर्थ में खर्च हुए करोड़ों रुपये

शहर में पानी की निकासी न हो पाने की वजह से ज्यादातर सड़के बरसात आते ही जलमग्न हो जाती है। सड़कों पर पानी भरने की वजह से अक्सर जाम लगने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। एनआईटी इलाके की सड़कों की सबसे बुरी हालत होती है। जिसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम की तरफ से कई प्रमुख सड़कों के किनारे अंडरग्राउंड बड़े बड़े नालों का निर्माण हाल में एक दो साल के भीतर करवाया गया है। निगम द्वारा रेलवे रोड और नीलम बाटा रोड पर आरएमसी नालों का निर्माण करवाया गया है। नालों का निर्माण तो दोनों सड़कों पर पूरा हो चुका है। लेकिन रेलवे रोड के नाले को नीलम बाटा रोड के नाले से कनेक्ट नहीं किया गया। इस तरह नीलम बाटा रोड का नाला बाटा चौक के बाद बंद बड़ा हुआ है। इसके अलावा निगम ने हार्डवेयर चौक से मुजेसर स्थित गौंछी ड्रेन तक अंडरग्राउड नाले का निर्माण करवाया है। लेकिन इस नाले को भी कनेक्ट नहीं किया गया है। जिसके कारण आने वाले बरसात के दिनों में शहर को इन नालों से कोई फायदा नहीं होने वाला। जिससे सरकार के करोड़ों रुपये व्यर्थ हो गए हैं।

निगम मुख्यालय की नाक के नीचे

नगर निगम मुख्यालय की नाक के नीचे से गुजर रहे नाले सफाई के अभाव में पिछले काफी समय से जाम हो चुके हैं। एनएच पांच और नीलम चौक की तरफ से आने वाले दो बड़े नाले बीके चौक से गुजरते हैं। एक अन्य नाला भी एचडीएफसी बैंक के सामने से होता हुआ इस चौक पर पहुंचता है। इनमें से एक नाला तो निगम मुख्यालय की दीवार के साथ ही गुजर रहा है। इसके बावजूद यह तीनों ही नाले बुरी तरह गाद से भरे हुए है। इन नालों में प्लास्टिक की बोतले और थैलियां बुरी तरह अटी पड़ी हुई है। सुबह से शाम तक बीके चौक से नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी कई बार गुजरते हैं। लेकिन इसके बावजूद उन्हें नालों में अटी गंदगी नजर नहीं आती। बरसात आने पर बीके चौक से हार्डवेयर चौक की ओर जाने वाली सड़क पर पानी जमा हो जाता है। सबसे ज्यादा पानी नगर निगम सभागार के सामने जमा होता है। इसके बावजूद निगम अधिकारी इन नालों की सफाई करवाने की जरूरत महसूस नहीं कर रहे हैं।

गंदगी से अटी गौंछी ड्रेन

एनआईटी इलाके की कालोनियों के बीच से गुजर रही गौंछी ड्रेन को शहर की लाइफ लाइन माना जाता है। गौंछी ड्रेन के माध्यम से एनआईटी, बड़खल और बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के काफी बड़े हिस्से के गंदे पानी की निकासी होती है।

इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों दर्जनों छोटे बड़े नाले गौंछी ड्रेन में गिरते हैं। गौंछी ड्रेन का पानी गुरूग्राम नहर में गिराया जाता है। इस नाले का जीर्णोद्वार हाल ही में दो साल पहले किया गया था। लेकिन इसके बावजूद इस नाले की हालत अभी से बदहाल होनी शुरू हो चुकी है। नियमित सफाई के अभाव में यह नाला गाद और प्लास्टिक से पूरी तरह अटा हुआ है।

नाले से गाद निकालने के लिए नगर निगम द्वारा हाल ही में एक मशीन भी लगाई गई थी। इस मशीन ने दो तीन दिन तो काम किया। जिसके बाद से वह धूल फांक रही है। नगर निगम की तरफ से भी लाखों रुपये की इस मशीन पर कोई ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। यदि जल्दी ही नाले की सफाई नहीं हुई तो बरसात में यह ओवरफ्लो होने लगेगा।

अधिकारी हुए गायब

सेव फरीदाबाद ग्रुप से समाजसेवी किशन कुमार का कहना है कि कोरोना महामारी के बीच सफाई कर्मचारी तो सड़कों पर हैं। लेकिन उन्हें आदेश देने वाले अधिकारी कोरोना के डर से गायब हैं। ऐसे अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जनता की परेशानियों की तरफ ध्यान देना चाहिए। यदि समय रहते शहर के नालों की सफाई नहीं करवाई गई तो कोरोना की तरह अन्य कई तरह की बीमारियों और परेशानियों का शहर के लोगों को सामना करना पड़ सकता है।

उच्च रक्तचाप साइलेंट किलर, जागरूक रहना आवश्यक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन एच तीन फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और गाइड्स ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विश्व हाइपरटेंशन दिवस अर्थात विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर वर्चुअल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि पहली बार विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 2005 में मनाया गया। इस का प्रारंभ वर्ल्ड हाइपरटेंशन लीग द्वारा किया गया। बदलती दिनचर्या के साथ लोगों का रक्तचाप बढ़ रहा है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि इसपर नियंत्रण पाया जाया क्योंकि विश्व का हर चौथा व्यक्ति इस समस्या से जूझ रहा है। एक सामान्य व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120/ 80 होता है। यदि यह 140/90 या उससे ऊपर जाता है तो ऐसी स्थिति को उच्च रक्तचाप कहा जाता है। मोटापा, अव्यवस्थित दिनचर्या व जेनेटिक कारणों से भी लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है। रविंद्र कुमार मनचंदा और गणित प्राध्यापिका जसनीत

कौर ने बताया कि रक्तचाप के बढ़ने पर हार्ट पर दबाव पड़ने लगता है जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हाई ब्लडप्रेशर या हाईपरटेंशन का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं जैसे- फैमिली हिस्ट्री, तनाव, गलत खानपान और लाइफ स्टाइल आदि। लेकिन इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बहुत जरूरी है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि उच्च रक्तचाप वयस्कों, बच्चों, स्त्री व पुरुष सभी को प्रभावित करता है। अधिक भार वाले लोगों को ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन की बीमारी ही नहीं बल्कि हृदय, गुर्दा व रक्त नलिकाओं में इंफेक्शन की बीमारी भी होती है। मोटापे के कारण ही उच्च रक्तचाप ज्यादा फैलता है।

बढ़ता शहरीकरण, जंक व फास्ट फूड का सेवन लोगों को इसका मरीज बना रहा है। यह खतरनाक बीमारी हर वर्ष विश्व के 70 लाख लोगों को मृत्यु के मुंह में धकेल देती है। यह बीमारी विश्व के एक अरब लोगों के लिए मुसीबत का कारण बनी हुई है। मोटापा एक खतरनाक कारक के रूप में उभर रहा है। मोटापे को दूर करके हम हाइपरटेंशन से काफी हद तक बच सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अंतर्संबंध होता है। गणित प्राध्यापिका जसनीत कौर और प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने छात्रा हर्षिता, नेहा, राधा गुप्ता, अंजुम और प्रीति कुमारी का वर्चुअल जागरुकता अभियान में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करने पर उत्साहवर्धन किया।

वैक्सीनेशन कैम्प का किया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के दिशा निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला प्राधिकरण फरीदाबाद की देखरेख में एक वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन जिला न्यायालय सेक्टर 12 फरीदाबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला न्यायालय के अन्य स्टाफ मेंबरों के लिए स्वस्थ विभाग की सहायता से लगाया गया। जिस कैंप में सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए 100 सदस्यों को वैक्सीनेशन लगाई गई।

वैक्सीनेशन लगाने के बाद प्रत्येक मेंबर को आधे घंटे का आराम उसी जगह पर दिया गया। ताकि किसी भी प्रकार की यदि कोई

परेशानी हो तो उसकी देखरेख की जा सके। आधे घंटे बाद ही उस मेंबर को वहां से भेजा गया। जिला न्यायालय फरीदाबाद में लगभग 350 सदस्यों का स्टाफ है, प्रथम चरण में 100 सदस्यों को वैक्सीन लगाई गई है। बाकी सदस्यों को अगले चरणों में वैक्सीन लगाई जाएगी। ताकि न्यायालय का स्टाफ पूर्ण रूप से कोरोना से लड़ने में सक्षम हो सके और इससे अपना और अपने अन्य स्टाफ मेंबरों का बचाव हो सकेगा और न्यायालय का आने वाले समय में काम सुचारु रुप से चल सकेगा।

वूमेंस पावर कर रही राशन वितरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वूमेंस पावर संस्था लगातार जरूरतमंदों में राशन वितरण कर रही है। इस समय पूरा देश करोना महामारी से लड़ रहा है। देश के कोने कोने में लोकडाउन है। फरीदाबाद की संस्था वूमेंस पावर लॉकडाउन के पहले चरण से ही लगातार राशन वितरण कर रही है।

वूमेंस पावर की प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली का कहना है कि कोई भी महामारी इंसानियत से बढ़कर नहीं है। हम सभी को एक दूसरे का साथ देना चाहिए। लगातार जरूरतमंदों की मदद का प्रयास करना चाहिए। सेक्टर 56 में कुछ जरूरतमंद लोगों को राशन वितरण किया गया। ताकि कोई भी भूखा ना

सोए। इस कड़ी में अहम भूमिका निभा रही हैं वूमेंस पावर की मार्केटिंग हेड डाली कपूर।

वह पिछले लंबे समय से लगातार प्रयास कर रही हैं, साथ ही डिप्टी सेक्रेटरी शकुन तोमर, रिद्धिमा पराशर, अन्नू चौधरी, सोनिका शर्मा और बाकी सभी महिला साथी अपना भरपूर योगदान दे रही हैं। प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली का कहना है कि यह प्रयास लंबे समय तक जारी रहेगा। जब तक हमारे देश हमारे विश्व से करोना महामारी खत्म न हो जाए, तब मदद के प्रयास जारी रहेंगे।

सिटी मजिस्ट्रेट ने किया जिले के कई गांवों का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल के कुशल मार्गदर्शन ग्रामीण क्षेत्रो में रह रहे लोगो को में कोविड- 19 से जूड़ी सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो। इस सम्बंध में सिटी मजिस्ट्रेट एवं जिला परिषद के सीईओ पुलकित मल्होत्रा ने विभिन्न गांवो का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने गांवों में पहुंचकर संबंधित अधिकारियों, गांव सरपंचों व कोविड से जुड़े अन्य कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उपायुक्त यशपाल के कुशल मार्गदर्शन में दिन- रात आमजन को स्वास्थ सुविधा देने के लिए दृढ़ता से प्रयासरत है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में

रह रहे लोगों को भी अपने और अपने परिवार की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए सतर्क रहना चाहिए। इस दौरान उन्होंने सीकरी सहित समयपुर, सिकरोना, पाखल, पावटा, पाली गांवो का दौरा किया और वहां पर साफ सफाई व स्वास्थ्य संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना किसी ठोस कारण के घर से बाहर ना निकले और न ही बेवजह भीड़ एकत्रित ना करें साथ ही सरकार द्वारा निर्देशित कॅरोना महामारी से जुड़े सभी आवश्यक दिशा- निर्देशों की पालना सुनिश्चित कर अन्य लोगो को भी इस बारे जागरूक करे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में आने वाली किसी भी परेशानी के संबंध में संबंधित अधिकारियों को समय रहते अवगत कराएं ताकि समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सके।

बच्चों के लिए ऑनलाइन राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित जिला बाल कल्याण परिषद फरीदाबाद द्वारा ऑनलाइन राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन सोमवार को उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला बाल कल्याण परिषद फरीदाबाद यशपाल ने किया। अपने कैंप कार्यालय से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपायुक्त व यशपाल ने कहा कि बाल कल्याण परिषद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस वैश्विक महामारी के चलते सराहनीय कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि परिषद 17 मई से 6 जून तक ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन कर रही है। जिसमें 36 सीखने की गतिविधियां / प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है

और प्रदेशभर के बच्चे इस गतिविधियों/ प्रतियोगिताओं में घर बैठे शिरकत करेंगे। बाल कल्याण परिषद का उद्देश्य बच्चों को उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को निखारना है।

इन प्रतियोगिताओं के आयोजन से न केवल बच्चे उबाऊपन से बचेंगे बल्कि वे सक्रिय बनेंगे व उनका मानसिक विकास भी होगा। श्री एस एल खत्री, कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस शिविर में हिस्सा लेने के लिए आप अपने मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर से ऑनलाइन हिस्सा ले सकते हैं जिसके लिए वेबसाइट childwelfareharyana.com पर जाकर लिंक ओपन करना है और अपनी अभिरुचि के अनुरूप आप इसमें हिस्सा ले। ये प्रतियोगिताएं 17 मई सुबह 11 बजे से शुरू हो चुकी हैं

वैश्विक महामारी के चलते बच्चों के हित के लिए बाल कल्याण परिषद कर रही है सराहनीय कार्य : यशपाल

जो 6 जून तक निरंतर चलेंगी। इन प्रतियोगिताओं को साप्ताहिक तरीके से सूचीबद्ध किया गया है। 3 वर्ष से 18 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चे अपनी अभिरुचि के अनुरूप इसमें हिस्सा ले पाएंगे।

पहला सप्ताह 17 मई से 23 मई, दूसरा सप्ताह 24 मई से 30 मई और तीसरा सप्ताह 31 मई से 6 जून तक चलेगा। दिनांक 29 मई को बेबी शो होगा को कि 6 महीने की आयु से 3वर्ष तक के बच्चों के बीच रहेगा। उन्होने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के लिए बच्चे अपने कार्यक्रम की फोटो यह वीडियो दिए गए पोर्टल पर अपलोड कर पाएंगे और प्रतियोगिताओं का हिस्सा बन पाएंगे। हर सप्ताह होने वाली गतिविधियों, प्रतियोगिताओं में से 4 बच्चों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए चुना जाएगा और इस शिविर में इन 36 प्रकार के प्रतियोगिताओं में बच्चे अपनी प्रतिभा को निकालेंगे और अपनी अभिव्यक्ति अपने व्यक्तित्व को संवार पाएंगे। यही हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद का उद्देश्य है। इस मौके पर नरेन्द्र मालिक जिला बाल कल्याण अधिकारी व एसएल खत्री भी मौजूद थे।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 12-04-21 को मुदई अमित गिरी पुत्र धर्मनाथ निवासी गांव आर्य नगर छोटा तिलपा थाना टाऊन जिला छपरा बिहार हाल किरायेदार शराब के ठेके के पीछे 17 नम्बर चुग्गी डबुआ कालोनी फरीदाबाद ने हाजीर थाना आकर एक मुकदमा न. 160 दिनांक 12.04.2021 धारा 346 भा.द.स. थाना डबुआ फरीदाबाद दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी रेनु देवी उसके बेटे आयुष को अपने साथ लेकर दिनांक 12-4-2021 को बिना किसी को बताए अपनी मर्जी से घर से चली गई है जिसका हुलिया रंग गोरा, गोल चेहरा बाएं हाथ पर अंग्रेजी में AG लिख हुआ है लड़के आयुष ने फुल बाजू की शर्ट व नीले कलर की जींस पहने हुई थी। **रेनु देवी**- चैकदार सूट सलवार व पैरो मे हवाई चप्पल। मिलने पर थाना डबुआ फरीदाबाद को सूचित करें।

पुलिस प्रबंधक, थाना डबुआ फरीदाबाद।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 03-05-21 को मुदई इमतयाज अली पुत्र मुस्ताक अली हाल किरायेदार मकान न. 3708 गली न. 5 नियर काबली गुरुद्धारा एसजीएम नगर फरीदाबाद ने हाजिर थाना आकर उपरोक्त मुकदमा दर्ज कराया कि मेरा भाई बब्लू जिसकी उम्र 31 साल दिनांक 28-04-21 को सुबह 7 बजे घर से लेबर चौक सैक्टर- 21 डी कह कर गया था जोकि वहां पहुंचा ही नहीं। हुलिया रंग सांवला, लम्बूतरा चेहरा, फुर्तिला पतला शरीर कद 5 फीट 6 इंच, **पहनावा** सफेद रंग की शर्ट, काले रंग की लोवर पैरो में हवाई चप्पल पहने हुये है। मुकद्दमा न. 158 दिनांक 03-05-2021 धारा 346 भा.द.स. थाना एसजीएम नगर फरीदाबाद। मिलने पर नीचे लिखे नम्बरों पर सूचित करें।

प्रबंधक अफसर थाना एस.जी.एम. नगर फरीदाबाद - 9582200130, 0129-2432923
अनुसंधान अधिकारी- 9990612555, मुदई - 7227939313

गुमशुदा की तलाश

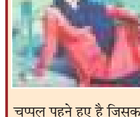

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुदई पूरन पुत्र लटूरी निवासी भारत कालोनी फरीदाबाद हाल पता गाँव जसाना थाना तिगाँव फरीदबाद ने मुकदमा उपरोक्त दर्ज कराया कि मेरी लड़की यशोदा उम्र लगभग 19 वर्ष है जो दिनांक 09-05-2021 को शाम को घर से बिना बताये कही चली गई जो अब तक वापिस नही आई है जिसका रंग साँवला गोल चेहरा, हष्ट-पुष्ट शरीर कद 5 फीट 3 इंच। **पहनावा** - सफेद सूट काली सलवार व सफेद दुपट्टा, पैरों मे चप्पल पहने हुए है जिसका मुकद्दमा न. 98 दिनांक 11.05.2021 धारा 346 आईपीसी थाना तिगाँव फरीदाबाद। जिस किसी को कोई सूचना प्राप्त हो तो प्रबन्धक थाना तिगाँव फरीदाबाद को सूचित करें।

पुलिस प्रबन्धक
थाना तिगाँव फरीदाबाद - 9582200135

कोरोना महामारी : एक साल बाद भी लोग तोड़ रहे बचाव के नियम

डिजिटल से दूर है अनेक शहरवासी, सरकार कर रही एप लॉंच

कविता। फरीदाबाद

सरकार की तरफ से रोजाना डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देते हुए आए दिन ऐप लॉन्च किए जा रहे हैं। लेकिन इन ऐप और डिजिटल माध्यमों से अनेक शहरवासी आज भी दूर है। शहर की सड़कों पर आज भी पहले वाली भीड़ दिख रही है। ऑनलाइन को अपनाने से शहरवासी परहेज कर रहे है। ऐसा ही एयरफोर्स रोड के निकट 60 फीट रोड पर स्थित बिजली दफ्तर के बाहर देखने को मिला। जहां लोग ऑनलाइन के बजाय ऑफ लाइन बिल भरने के लिए भीड़ में लाइन में लगे थे। वहीं दूसरी तरफ शहर की सड़कों पर भी लोगों का जमावड़ा साफ देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबिक जिले में जहां एक तरफ कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। वहीं दूसरी तरफ शहर के लोग कोरोना महामारी की गाइडलाइन को तोड़कर सड़कों पर नजर आ रहे हैं। ऐसा ही नजारा शहर के विभिन्न स्थानों पर सुबह, शाम देखने को मिल रहा है। बाजार हो, मंडी हो या फिर दूध, फल, सब्जी की दुकान या फिर बिजली दफ्तर हर जगह सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। ऐसा ही रविवार की रात और सोमवार की सुबह जगह-जगह देखने को शहर में मिला।

रात को सड़कों पर लोगों की भीड़।

बिजली दफ्तर के बाहर बिल भरने की लाईन में टूटी सोशल डिस्टेंसिंग।

ऑनलाइन दिखावा

डिजीटल इंडिया तो सरकार की तरफ से कर दिया गया है, लेकिन आज भी लोग डिजिटल इंडिया से दूर है, ऐसा ही शहर में देखने को मिल रहा है। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में लोग बिजली दफ्तर पर अंतिम दिन होने के कारण बिल जमा कराने को एकत्रित हो गए। 60 फुट रोड स्थित बिजली दफ्तर पर भीड़ में लगे लोगों को ऑनलाइन बिल के बारे में जानकारी ही नहीं थी। जिस कारण यहां कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ती भीड़ में साफ नजर आई।

साल बाद भी नियम टूटे

जहां रोजाना हजारों मरीज आज भी बिस्तर न मिलने के अभाव में घरों में कैद है। वहीं सैकड़ों मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, लेकिन एक साल बाद भी जिले वासी नियमों को तोड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही रविवार की रात को और सोमवार की सुबह सड़कों पर देखने को मिला। लोग न तो आज भी मास्क की तरफ ध्यान दे रहे हैं और न ही लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं।

कोरोना की चेन को जनभागीदारी से ही तोड़ा जा सकेगा : मनोहरलाल खट्टर

राहत : मेट्रो अस्पताल में कोरोना मरीजों के लिए नए 100 बेड किए स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा है कि कोरोना की चेन के जनभागीदारी से ही तोड़ा जा सकता है। वैश्विक महामारी के इस दौर में कोविड-19 संक्रमण का यह संकट आज केवल हरियाणा ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र पर मंडरा रहा है। यह गनीमत है कि हरियाणा में सरकार व जनता के आपसी प्रयासों से यह ज्यादा फैल नहीं पाया है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सोमवार को सेक्टर-16ए स्थित मेट्रो हार्ट स्पेशियलियटी अस्पताल में स्थापित किए गए नए कोविड यूनिट का लोकार्पण करते हुए उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। मेट्रो अस्पताल की नई बिल्डिंग में सोमवार से कोविड-19 मरीजों के लिए 100 अतिरिक्त बेड्स स्थापित किए गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने मेट्रो समूह के चेयरमैन डा. पुरुषोत्तम लाल को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने डॉ. लाल के इस सराहनीय कदम के लिए उनकी मुक्तकंठ से सराहना भी की। पदम विभूषण एवं डा. बीसी रॉय नेशनल अवॉर्डी डॉ. पुरुषोत्तम लाल ने भी प्रदेश में कोविड-19 मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने और बहुत जल्द संकट पर काबू पाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर का धन्यवाद व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि मेट्रो अस्पताल में शुरू किए गए नए कोविड यूनिट से शहरवासियों को बहुत अधिक राहत पहुंचेगी। हालात यह है कि अब भी कई अस्पतालों में कोरोनो पेशेंट के लिए बेड्स की कमी है। ऐसे में डॉ. पुरुषोत्तम लाल द्वारा नया कोविड यूनिट शुरू किया जाना एक सराहनीय कदम है।

अस्पताल की डायरेक्टर पूनम लाल ने कहा कि कोरोना महामारी के इस संकट में मेट्रो अस्पताल ने हजारों मरीजों को नया जीवनदान दिया है। अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने उस वक्त के बुरे दौर में कोविड मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं देने का कार्य किया, जिस वक्त हर व्यक्ति बेहाल सा नजर आ रहा था। इस अवसर पर अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नीरज जैन ने कहा कि अस्पताल के प्रत्येक कर्मचारी ने कोरोना महामारी की इस लड़ाई में अपना योगदान दिया है।

डॉ. जैन ने कहा कि मेट्रो अस्पताल समूह के चेयरमैन डॉ. पुरुषोत्तम लाल के मार्गदर्शन में सभी अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने कोरोना की जंग में अपनी बेहतरीन सेवाएं दी है, जो इस बीमारी के खात्मे तक रुकने वाली नहीं है। इस विशेष मौके पर अस्पताल के ग्रुप वाइस प्रेजिडेंट सुरेंद्र चौधरी, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. मजिंद्र भट्टी, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक सीमा त्रिखा, नीरज शर्मा, जिला उपायुक्त यशपाल यादव, पुलिस आयुक्त ओपी सिंह, आईएमए प्रेजिडेंट डा. पुनीता हसीजा ने भी डॉ. पुरुषोत्तम लाल के सराहनीय कदम के लिए उन्हें बधाई दी और संक्षित वक्तव्य भी पेश किया।

कोरोना : 506 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 95928

20 का हुआ अंतिम संस्कार, आंकड़े में दर्शाए दस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या कम करने के लिए सरकार की तरफ से प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। सोमवार को जिले में लगाए गए कोरोना जांच कैम्पों के माध्यम से 8138 सैम्पल जांच के किए। वहीं दूसरी तरफ जिले में कोरोना महामारी के मरीजों की संख्या पिछले करीब 12 दिनों से कम हो गई है, लेकिन जिले में कोरोना से मौत के आंकड़ों में जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से छिपाया जा रहा है।

ऐसा ही आए दिन देखने को मिल रहा है। सोमवार को जिले में 20 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम की टीम की तरफ से किया गया। जिसमें 12 मृतक जिले से और शेष आठ अन्य शहरों के निवासी शामिल थे। लेकिन वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से मात्र 10 मृतक ही दर्शाए गए हैं। जिले में 506 कोरोना सक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 95928 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि जिले में 1722 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 92.1 प्रतिशत पर पहुंच गया। जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 6957 बचे हैं। जिसमें होम आईसोलेट 5409 और अस्पतालों में 1548 मरीज भर्ती है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 778761
अब तक पॉजिटिव	: 95928
अब तक नेगेटिव	: 681968
रिपोर्ट आनी शेष	: 865
ऑक्सीजन पर हैं	: 812
वेन्टीलेटर पर हैं	: 88

रहस्यमय हालत में समाजसेवी के बेटे की मौत, हत्या की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद के सैय्यदवाड़ा में रहने वाले समाजसेवी एवं डीएवी स्कूल में कार्यरत पवन खन्ना के बेटे की बीती शाम रहस्यमय हालत में मौत हो गई। मृतक रविवार की दोपहर को घर से निकला था। शाम को बेहोशी हालत में उन्हें कोई बीके अस्पताल छोड़कर फरार हो गया। जांच के बाद डाक्टरों ने कविश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक ओल्ड फरीदाबाद के सैय्यदवाड़ा में पवन खन्ना अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह सेक्टर 14 स्थित डीएवी स्कूल में कार्यरत है। पवन खन्ना शहर में समाजसेवा के कार्यो में भी काफी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते रहते हैं। उनका 24 वर्षीय बेटा कविश खन्ना देहरादून स्थित एक कॉलेज से एमबीए कर रहा था। वह देहरादून में ही एक होस्टल में रह रहा था। बताया गया है कि रविवार सुबह कविश खन्ना देहरादून से फरीदाबाद आया था। कुछ समय तक घर में रूकने के बाद दोपहर को दोस्तों के साथ लंच करने की बात कह कर स्कूटी पर सवार होकर घर से निकला था। शाम करीब साढ़े सात बजे एक व्यक्ति कविश खन्ना को बेहोशी की हालत में उसी की स्कूटी पर लेकर बीके अस्पताल पहुंचा। जांच के बाद डाक्टरों ने कविश को मृत घोषित कर दिया। इस बीच कविश को अस्पताल लाने वाला व्यक्ति मौके से चुपचाप फरार हो गया। अस्पताल की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

कोरोना से बचाव के लिए थाना चौकियों को किया जा रहा सैनिटाइज

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर फरीदाबाद पुलिस के सभी थानों एवं चौकियों को सैनिटाइज किया जा रहा है। जैसा कि विदित है कोरोनावायरस की दूसरी लहर के दौरान करीब 309 पुलिसकर्मी इसकी चपेट में आ चुके हैं।

पुलिस कर्मियों को कोरोनावायरस से बचाने के लिए प्रत्येक प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर प्रत्येक थाना और चौकियों में सैनिटाइजेशन प्रोग्राम शुरू किया हुआ है। थानों चौकियों में पुलिस की बैरक, रसोई, शिकायतकर्ता कक्ष, टॉयलेट सहित सभी जगह को सैनिटाइज किया जा रहा है। सैनिटाइजेशन कार्यक्रम से ना सिर्फ पुलिसकर्मियों को फायदा होगा बल्कि बाहर से आने वाले परिवादियों को भी इसका फायदा मिलेगा। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने थाना एवं चौकियों में साफ सफाई के लिए विशेष रुप से सभी एसएचओ और चौकी प्रभारियों को कहा है। इसके अलावा सभी पुलिस कर्मियों को नियमित रूप से सैनिटाइजर, मास्क, ग्लब्स, फेश शिल्ड, काढ़ा दिया जा रहा है।

पीएम ने की स्वास्थ्य अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत

फरीदाबाद। स्वास्थ्य जगत से जुड़े चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ ने जिस आत्म विश्वास के साथ कॅरोना की लड़ाई को लड़ा है । उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। यह विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश भर के 26 से अधिक राज्यों के चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुख्य चिकित्सा अधिकारियों पदाधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि कॉविड जैसी महामारी को दूर करने में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की अहम भूमिका है। इस बात को किसी भी सूरत में नहीं नकारा नही जा सकता है। जिन्होंने कॅरोना के इस दौर में समय- समय पर उतपन्न विभिन्न परिस्थितियों में बड़े ही सयंम और आत्मविश्वास के साथ इस लड़ाई को लड़ते हुए आमजन के विश्वास को जीतने का प्रयास किया है । प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आज सारा देश करोना महामारी के संकट से जूझ रहा है पर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों का आत्मविश्वास आज भी देखते बनता है। जिन्हें आज भी भगवान के बाद आमजन के बीच दूसरा स्थान प्राप्त है एसे मे चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि करोना महामारी ने जहां आमजन के जीवन को प्रभावित किया है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के आत्मविश्वास को भी पहले से कई गुना बढ़ाया है। जो नित नई परिस्थितियों से उत्पन्न प्रभावों को कम करने में अपने विवेक और बुद्धि के साथ लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी ओर से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के कुशल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए सभी को बधाई दी।

मंत्री ने लिया विकास कार्यों का जायजा

बल्लबगढ़। मेट्रो अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के बाद हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने सोमवार को बल्लबगढ़ विधानसभा में चल रहे विकास कार्यो का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने मोहना रोड के साथ बनाये जा रहे गंदे नाले, सीवर, पीने के पानी और सेक्टर 3 के अंदर चल रहे पार्को के काम का निरक्षण किया। परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने कहा कि जहां एक तरफ आम जनता कोविड 19 महामारी की मार झेल रही है वही उन्हें मूलभूत समस्याएं न आये इसलिए उन्होंने शहर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी से निपटने में सरकार पूरा प्रयास कर रही है। परिवहन मंत्री ने कहा कि आम जनता भी सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि सभी मिलकर इस महामारी से जीत सके। उन्होंने कहा कि सेक्टर 3 में खराब अवस्था में पड़े हुए पार्को का सौन्दरकर्ण कराया जा रहा है। ताकि शुद्ध वातावरण इन पार्को में जनता को मिल सके । इन पार्को के बनने के बाद लोग यहाँ घूम सकेंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

कोरोना संक्रमित रखें दांतों की सफाई का ध्यान : डॉ. मनीषा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डॉ. मनीषा।

कोरोना संक्रमित मरीजों में ठीक होने के बाद म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस इन्फेक्शन) देखने को मिला है, जिसका दांतों पर भी असर देखा जा रहा है। अगर किसी कोरोना मरीज के दांतों में दर्द, दांत ढीले होना, दांत से धीमा या तेज गति से लगातार खून आना, दांतों से पस निकलना, मसूड़ों में सूजन, चेहरे पर सूजन, आंखों के चारों तरफ सूजन, बहुत ज्यादा जुकाम और लगातार सिर में दर्द हो रहा है तो यह ब्लैक फंगस इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है।

यह बात क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी हॉस्पिटल की दांत रोग विभाग अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. मनीषा चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि फ़ोन पर कंसल्टेशन के दौरान कई लोगों ने इस प्रकार के लक्षणों से संबंधित सलाह ली है। यह समस्या अधिकतर मधुमेह से गंभीर रूप से ग्रस्त लोगों में हो रही है। इसके अलावा यह समस्या कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में देखने को मिल रही है।

कोरोना होने के बाद भी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है। शुगर लेवल अधिक होने, दांतों की सफाई न रखने के कारण और कैंसर, ब्लड डिसऑर्डर मरीजों में दांतों में म्यूकर माइकोसिस पहले भी होता था लेकिन अब यह समस्या कोविड मरीजों में होने लगी है। म्यूकर माइकोसिस का समय रहते इलाज न होने पर कोरोना मरीजों में जान को खतरा बढ़ जाता है। इस रोग का इलाज करने के लिए एक टीम होती है जिसमें ईएनटी सर्जन, आंख विशेषज्ञ और दांत रोग विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

बचाव संबंधी बातें

डॉ. मनीषा ने बताया कि कोरोना मरीजों को अपनी ब्रशिंग का खास ख्याल रखना है। कोरोना होने के बाद सबसे पहले अपना ब्रश बदलें क्योंकि यह वायरस मरीज के मुंह के अन्दर भी होता है जिससे वायरस आपके ब्रश पर भी आता है। कोरोना मरीज को ठीक होने के बाद फिर दूसरा नया ब्रश इस्तेमाल करना चाहिए लेकिन मरीज को यह भी देखना चाहिए कि क्या वह सामान्य है। सुबह-शाम ब्रश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना समय के दौरान अगर मरीज ब्रश नहीं कर पा रहा है तो साफ पानी से कुल्ला जरूर करे ताकि मुंह की गंदगी साफ होती रहे। उन्होंने कहा कि अगर मरीज वेंटिलेटर या आईसीयू में है तो कम से कम माउथवॉश जरूर करें। क्लोरहेक्सिडिन माउथवॉश से दिन में 2-3 बार मुंह की सफाई जरूर करें। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि क्लोरहेक्सिडिन माउथवॉश से हमारे मुंह के बैक्टीरिया या वायरस वायरस की मात्रा कुछ प्रतिशत तक कम हो जाती है। गम पेंट से अपनी दांतों या मसूड़ों की मसाज करें। इसके अलावा अपने हाथ पर थोडा सा घी या नारियल तेल की 2-4 बूंदे लेकर साफ़ उंगली से मसूड़ों की मालिश करें। यह आप सुबह के समय ब्रश करने से पहले और रात में सोने से पहले करें। खुद से अपने दांतों में ढीलापन, दांत में दर्द, मसूड़ा फूलना, दांत से पस आना और दांत से खून आना आदि को नियमित रूप से चेक करते रहना है। इस प्रकार की कोई भी समस्या मालूम पड़ने पर तुरंत दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पुलिस ने 35 परिवारों को सूखा राशन बांटा

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर फरीदाबाद पुलिस गरीब लोगों के घरों तक सुखा राशन पहुंचा रही है।

आपको बताते चलें कि प्रभारी पुलिस चौकी सेक्टर 11 को सूचना मिली कि रामनगर कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, संजय नगर व मिलहार्ड कॉलोनी में कुछ ऐसे 30-35 असक्षम परिवार रह रहे हैं। जो लोकडाउन लगने के कारण मजदूरी ना मिलने से राशन की कमी से जूझ रहे हैं जो बहुत ही तंगहाली में अपना जीवन बसर कर रहे हैं।

संबंध में प्रभारी चौकी और उनकी टीम द्वारा वी केयर सामाजिक संस्था की मदद लेकर उन गरीब परिवारों के लिए करीब 30-35 राशन के पैकेट तैयार किए गए। जिनमें आटा, चावल, दालें, चीनी, सरसों का तेल व नमक, हल्दी, मिर्च शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा भारती के शिविर में 700 लोगों की कोरोना जांच

फरीदाबाद। बद्री केदार मंदिर सेक्टर-3 में लोगों का कोविड टेस्ट उत्तराखंड भ्रातृ मंडल संस्था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सेवा भारती के सहयोग से विधिवत और अनुशासित ढंग से हुआ। सेक्टर -3 व आसपास क्षेत्र के सभी लोगों में कोरोना टैस्टिंग के प्रति बहुत उत्साह था। सभी ने अनुशासन का परिचय दिया और अपनी बारी का इंतजार किया। इस अवसर पर बल्लभगढ़ के सीएमओ मान सिंह स्वयं उपस्थित रहे। उत्तराखंड भ्रातृ मंडल संस्था एवम् ट्रस्ट से प्रधान लक्ष्मण राणा, महासचिव राजेन्द्र उपरारी, आरएसएस से नगर कार्यवाह संजय, शाखा कार्यवाह संजय शाह व अन्य कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग मिला। सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने टीकाकरण की व्यवस्था का बहुत ही सुन्दर तरीके से नियोजन किया। वहां पर उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला बल्लभगढ़ के ज़िला कार्यवाह गौरीदत्त ने बताया की यहां 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी महिला, पुरुष का कोरोना टेस्ट किया गया। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों का टेस्ट हो गया है और जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों का ही टीकाकरण होगा। सोमवार को लगभग 700 से अधिक व्यक्तियों ने कोरोना टेस्ट कराया।

स्वयंसेवक समाज की बहुत ही अमूल्य धरोहर हैं : सचदेवा

फरीदाबाद। एक कहावत सुनी होगी आप लोगों ने बिन मांगे मोती मिले मांगे मिले ना भीख जो मिलने वाला होता है वह बिना मांगे भी मिल जाता है। संगठन के संस्थापक प्रवेश मलिक ने बताया कि कुछ दिनों पहले मिशन जागृति के संस्थापक सदस्यों में से एक एलएन सचदेवा का फोन आया कि मिशन जागृति बहुत बढ़िया काम कर रही है एक बार आओ मिलो। जब टीम सचदेवा के घर पहुंची बहुत मान सम्मान मिला कुछ गाइडेंस भी मिली हम किस तरीके से और समाजसेवा बेहतर कर सकते हैं। सचदेवा जी ने कहां की सेवा करते हुए हम सबको शासन और प्रशासन के नियमों का ध्यान रखना है और विशेषकर जो साथी सेवा में लगे हुए हैं उनको अपना बहुत ज्यादा ध्यान रखना है क्योंकि आप सभी स्वयंसेवक बहुत ही अमूल्य धरोहर है इस समाज की। सभी साथी उस वक्त अचंभित रह गए जब सचदेवा ने जाते हुए दो चेक भेंट करें एक चेक मिशन जागृति द्वारा बनने वाला वृद्धाश्रम के लिए और दूसरा इस महामारी में संगठन के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के खर्चों के लिए। मिशन जागृति के संस्थापक प्रवेश मालिक ने बताया कि सचदेवा उनके बॉस भी रह चुके हैं और आज भी उनके मोबाइल में उनका नाम बॉस के नाम से ही सेव किया हुआ है वास्तव में एलएन सचदेवा बहुत ही नेक इंसान है जिनको पूरी मिशन जागृति बारंबार धन्यवाद करती है नमन करती है। प्रवेश मलिक ने कहा कि आज महसूस हो रहा है कि मिशन जाग्रति सही रास्ते पर है क्यूकी जब गणमान्य व्यक्ति खुद आपको बुला कर आपका हौसला बढ़ाते हैं तो सही मायने मे सेवा करने का और शाहस होता है !

युवा आगाज व सतत फाउंडेशन करवा रहा सैनिटाइजेशन

फरीदाबाद। युवा आगाज और सतत फाउंडेशन की तरफ से प्रणव कन्या संघ आश्रम और ग्रामीण इलाकों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए युवा समाजसेवी अजय डागर ने बताया कि सतत फाउंडेशन की तरफ से जहां प्रणव कन्या संघ की कोरोना काल में हर संभव मदद की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने सतत फाउंडेशन की अध्यक्ष सीमा भारद्वाज के संग मिलकर आश्रम को सैनिटाइज किया। आश्रम में छोटे बच्चे है। साधु मां के आश्रम के सभी सदस्यों को भी कोरोना जैसी बीमारी से बचा कर रखने के लिए सैनिटाइजेशन की जरूरत थी। उन्होंने बताया कि सीमा भारद्वाज के सहयोग से यह कार्य पूरा हुआ। इस मौके पर हर्ष डागर, युवा समाज सेवी अजय डागर, युवा आगाज और सतत फाउंडेशन के सहयोग से प्रणब कन्या संघ को सेनेटाइज किया गया।

नशीले इंजेक्शनों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर थाना मुजेसर पुलिस टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उससे भारी मात्रा में नशे के इंजेक्शन बरामद करने में सफलता हासिल हुई है। आरोपी की पहचान राहुल पुत्र राजू निवासी मुजेसर फरीदाबाद के रूप में हुए हैं। थाना प्रभारी मुजेसर ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि एक आरोपी हौंडा सिटी कार में नशीले इंजेक्शन लेकर बाटा फ्लाईओवर की तरफ से मुजेसर आ रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए मुजेसर फाटक पर नाका लगाकर आ रही होंडा सिटी गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो आरोपी गाड़ी रोक कर भागने लगा जिसको पुलिस टीम ने पीछा कर धर दबोचा। गाड़ी की तलाशी के दौरान पुलिस टीम को 432 ब्रूफेन इंजेक्शन और एविल के 250 इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह नशा करने का आदी है खुद नशा करने के लिए और अपने साथियों को इंजेक्शन बेचने की नियत से लेकर आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है आरोपी, जिससे यह इंजेक्शन लेकर आया था उसके संबंध में पूछताछ जारी है। उसको भी जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

दुकान में लगी आग, पुलिस ने सो रहे लोगों को बचाया

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा स्थित सराय मार्केट में एक दुकान में आग लगने पर वहां पर गश्त के दौरान पीसीआर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने दुकान के प्रथम और द्वितीय तल पर सो रहे लोगों को सकुशल बाहर निकालने का सराहनीय कार्य किया है। प्रभारी सराय ख्वाजा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीसीआर सुबह के समय गश्त कर रही थी इस दौरान सराय ख्वाजा एरिया में सराय मार्केट में बेसमेंट में एक दुकान में आग लगी हुई थी। आग लगी हुई देखकर पुलिसकर्मी सिपाही संजीव, एसपीओ उमेद और सुभाष, बचाव करने के लिए तुरंत दुकान की तरफ भागे बेसमेंट के ऊपर प्रथम और द्वितीय तल पर सो रहे लोगों को जगाया और सकुशल उनको दूसरी छत से नीचे उतारा गया। इस संबंध में तुरंत प्रभाव से फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने पीसीआर में तैनात पुलिसकर्मियों सिपाही संजीव, एसपीओ उमेद और सुभाष को शाबाशी दी है और भविष्य में भी इसी तरह निडरता से काम करते रहने के लिए प्रेरित किया है।

अप्रैल 2021 में 73.5 लाख लोगों की गई नौकरी: एचपी यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम। कोरोना के दूसरे फेज में अनेक राज्यों द्वारा लॉकडाउन एवं रात्रि कर्फ्यू लगाने के कारण अनेकों उद्योग बंद होने के कगार पर आ गए हैं। सीएमआईई के अनुसार अनुसार कोरोना के दूसरे दौर में केवल अप्रैल 2021 माह में 73.5 लाख लोगों ने अपनी नौकरी गवाई है। यह कहना है एनसीआर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष एचपी यादव का।

एचपी यादव के मुताबिक बैंकों के सहयोग न मिलने के कारण भी बहुत सी एमएसएमई कंपनियां बंद होने के कगार पर आ गई हैं। बैंकों के ऊपर इन कंपनियों को एनपीए बनाने का बहुत दबाव है। माना जा रहा है कि इसी कारण तथा बैंकों ने मार्च 2021 में मोरटोरियम अवधि का ब्याज जबरदस्ती ले लिया है। श्रीयादव के अनुसार विगत वित्तीय वर्ष में बैंकों द्वारा लाखों करोड़ की सम्पति एनपीए घोषित की है, जो

महामारी में बंद होने के कगार पर हैं अनेक उद्योग

सबसे खराब दौर से गुजर रहा एमएसएमई सेक्टर

कि वित्तीय संस्थानों तथा रोजगार की दृष्टि से बिलकुल प्रतिकूल है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के

उपक्रम भी एमएसएमई कंपनियों को बकाया पैसे का भुगतान नहीं कर रहे। बल्कि इसके विपरीत कानूनी लड़ाई का रास्ता अपना रहे हैं। ये उपक्रम वित्त मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय तथा नीति आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं।

एमएसएमई कंपनियों के लिए अनेकों घोषणाएं की जाती हैं परन्तु वास्तव में जमीनी उन पर कोई अमल नहीं करता जिस कारण लाखों कंपनी तथा करोड़ों लोग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कि गयी घोषणाएं सिर्फ एक दिखावा हैं। उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर को कम ब्याज दर पर ऋण मिले। मोरेटोरियम अवधि बढ़े तथा विभिन्न करो के भुगतान में छूट या जमा करने के लिए और अधिक समय देकर लघु एवं मध्यम उद्योगों का सहयोग करें। बैंकों को कहा जाए कि देश में विपदा की इस स्थिति में खातों को खराब ना करे। बैंक अब भी डिफाल्टर के नाम से लघु उद्योग के खाते खराब कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला को कार में लिफ्ट देकर उससे आभूषण और नगदी लूटी

पलवल। नेशनल हाईवे पर बस स्टैंड से एक महिला को कार में लिफ्ट देकर उससे आभूषण व नगदी लूटकर उसे कार से उतार कर फरार हो गए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया ने बताया कि फरीदाबाद के पाली गांव निवासी कमला देवी ने दी शिकायत में कहा है कि 16 मई को वह अपनी बेटी को देखने के लिए पाली से बामनीखेड़ा गांव जा रही थी। लेकिन जब वह पलवल बस स्टैंड पर पहुंची तो वहां पहले से एक सफेद रंग की कार खड़ी हुई थी, जिसमें दो युवक बैठे हुए थे। कार में सवार युवकों ने पूछा की आपको कहां जाना तो उसने बामनीखेड़ा गांव जाने की बात कही। जिसपर इन युवकों ने कहा कि वे भी आगरा की तरफ जा रहे हैं, उन्हें बामनीखेड़ा गांव छोड़ देंगे, उनकी बातों में आकर पीड़िता कार में बैठ गई। लेकिन कार जब नेशनल हाईवे पर जिला कोर्ट के सामने कुशलीपुर फ्लाई ओवर के पास पहुंची तो उन्होंने पीड़िता को अपनी बातों में लेकर धोखाधड़ी कर उसके कानों से सोने के कुंडल व पर्स से 30 हजार रुपये नगद लूट लिए। उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता जैसे-तैसे पुलिस के पास पहुंची और अपनी शिकायत पुलिस को दी। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ढाबे पर शराब पीते तीन युवक किए गिरफ्तार, दो भागे

पलवल। कोरोना महामारी में नेशनल हाईवे पर सरकार के आदेशों की धज्जियां उडाते हुए ढाबे पर बिठाकर शराब पिलाने व पीने के आरोप में पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो युवक भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि सिपाही प्रदीप गश्त पर असावटा मोड पर था, उसी दौरान मुखबिर ने बताया कि हाईवे पर कुशलीपुर के निकट फौजी ढाबा पर ढाबा मालिक रवि व सुभाष लोगों को इकट्ठा करके शराब पिला रहे है। जिससे महामारी फैलने का अंदेसा है। पुलिस ने टीम के साथ मौके पर दबिश दी तो दो युवक तीन युवकों को शराब परोस रहे थे, जो पुलिस को आता देखकर तीन युवकों ने अपने-अपने हाथों मे लिऐ कांच के गिलास जिनमें शराब थी को पक्के फर्स पर मारकर तोड़ दिया व परोसने वाले दोनों युवकों ने अपने हाथ में लिऐ शराब के अध्धा भी फर्स पर मार कर तोड़ दिए। पुलिस टीम ने उनमें से तीन युवकों को हिरासत में ले लिया, लेकिन दो भागने में कामयाब हो गए। गिरफ्तार युवकों ने अपने नाम पता ओमैक्स सिटी निवासी तरुण, अमित व फूलवाड़ी गांव निवासी सुनील बताए। जिनका जिला नागरिक अस्पताल में मेडिकल कराकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ढाबा मालिक रवि व सुभाष मौके से भागने में कामयाब हो गए, पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

रक्तचाप नियंत्रण को लें संतुलित आहारः रणविजय यादव

फर्रूखनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रणविजय यादव ने बताया कि एक आदमी का सामान्य रक्तचाप 120/80 होता है। इसका 130/90 से ऊपर जाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उच्च रक्तचाप के सामान्य लक्षणों में सिर में दर्द, बेचैनी, छाती में दर्द, बायें कन्धे, बाजू व कमर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ होना, बीमार या उल्टी जैसा महसूस होना, ठंडा पसीना आना व शरीर पीला पड़ना, बेहोशी महसूस होना शामिल है। रक्तचाप के ज्यादा होने में दिल का दौरा, गुर्दे की बीमारी, लकवा व अंधापन आदि शामिल है। रक्तचाप से बचने के लिए संतुलित आहार, खाने में नमक बिल्कुल कम, फल व हरी सब्जियों का सेवन, घी व तेल का कम इस्तेमाल, फास्टफूड से परहेज, शराब व तंबाकू के सेवन से परहेज, नियमित रूप से व्यायाम व वजन नियंत्रित रखें। नियमित अपने रक्तचाप की जांच करवाएं। इसके अलावा डाक्टरी सलाह का अवश्य पालन करें। इस अवसर पर डॉक्टर राजेश, डा. मोहित गुलिया, अजय कुमार खंड शिक्षक, राजेन्द्र कुमार, धर्मबीर स्वास्थ्य निरीक्षक, वासुदेव स्टाफनर्स, राजबाला स्टाफनर्स, श्रीभगवान लेखा सहायक समेत काफी लोग मौजूद रहे।

ऑनलाइन लघुकथा गोष्ठी में साहित्यकारों ने पढ़ी रचनाएं

गुरुग्राम। समाजसेवा, साहित्य और संस्कृति को समर्पित साक्षी संस्था के पेज जश्न-ए-हिन्द के साप्ताहिक आयोजनों की श्रृंखला में लघुकथा गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें देश के जाने माने लघु कथाकारों ने भाग लिया। इस मौके पर वरिष्ठ लघु कथाकार डा. अशोक भाटिया ने कहा कि हर चीज का एक समय होता है। पिछली सदी में लघुकथा ने संघर्ष किया, अपनी पहचान बनाई। 21वीं सदी में वह फैलाव ले रही है और अब लघुकथा का समय चल रहा है। डॉ. भाटिया ने अपनी लघुकथाएं-जिंदगी और स्त्री कुछ नहीं करती सुनाया, जिसमें मजदूरों के जीवन के कठोर सत्य एवं स्त्री की दिनचर्या में छुपी अनेक अनचीन्हीं विसंगतियों को रेखांकित किया गया था। सहभागी रचनाकारों में सर्वप्रथम गुरुग्राम से शोभना श्याम ने अपनी लघुकथाएं बक्शीश, कुतरे हुए नोट का एवं बेटी का पाठ किया। जिसमें रिक्शा वाले के प्रति सवारी की मानवीय भावना, कारपोरेट जगत की वितृष्णा एवं बस में सफर करती लड़की के प्रति कुत्सित भावनाओं को रेखांकित किया गया था। तत्पश्चात भोपाल से कान्ता रॉय ने अपनी लघुकथाएं-बैकग्राउंड, विलुप्तता और कागज का गांव का वाचन किया, जिसमें मानवीय मूल्य, पर्यावरण एवं सरकारी योजनाओं से सम्बंधित विसंगतियों का चित्रण किया गया था।

मुख्यमंत्री ने किया 100 बेड के कोविड सेंटर का उद्घाटन

राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाया गया है यह सेंटर

दो दिन में सीएम ने तीन कोविड सेंटरों का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को यहां सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में हीरो ग्रुप द्वारा बनाए गए 100 बेड के कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन किया।

इस सुविधा को मिलाकर मुख्यमंत्री द्वारा रविवार और सोमवार को दो दिन के दौरान गुरुग्राम में कोविड मरीजों के लिए 500 बेड के कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ किया गया है। गुरुग्राम में कोरोना के मरीजों

गुरुग्राम के राजकीय कन्या महाविद्यालय में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

के लिए विभिन्न सरकारी तथा निजी अस्पतालों में उपलब्ध कुल बेड की क्षमता में 500 अतिरिक्त बेड जुड़ गए हैं।

ये अस्थायी रूप से बनाए गए हैं। कन्या महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में बनाए गए कोविड सेंटर में 100 ऑक्सीजन युक्त बेड की व्यवस्था कोरोना मरीजों के लिए की गई है। यहां पर ऑक्सीजन की आवश्यकता की पूर्ति जिला प्रशासन करेगा, लेकिन हीरो ग्रुप ने इसके अलावा भी 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का प्रबंध कर लिया है। डॉक्टर्स फॉर यू नामक एनजीओ के सहयोग से दवा और डॉक्टर भी हीरो ग्रुप उपलब्ध करवाएगा। सिविल सर्जन कार्यालय का यहां सुपरविजन रहेगा। इस सेंटर पर साफ-सफाई और बायोमेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। सुरक्षा व्यवस्था गुरुग्राम पुलिस देखेगी। गुरुजल सोसाइटी और सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर भी इन सेंटरों के संचालन में सहयोग दे रहे हैं। यदि कोई मरीज गंभीर हो जाता है तो उसे इन सेंटरों से अस्पतालों में शिफ्ट करने की व्यवस्था भी की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ हरियाणा सरकार के पब्लिक सेफ्टी एडवाइजर अनिल राव, मीडिया एडवाइजर अमित आर्य, डीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला, सोहना के विधायक संजय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पार्षद कुलदीप यादव, मंडलायुक्त राजीव रंजन, उपायुक्त डा. यश गर्ग, पुलिस आयुक्त केके राव, डीसीपी दीपक सहारण सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विधायक के परिवार को बंधाया ढांढस : मुख्यमंत्री मनोहर लाल बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद के छोटे भाई संदीप जांघु के आकस्मिक निधन पर उनके निवास पर शोक व्यक्त करने गए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। संदीप जांघु (39) का स्वर्गवास 15 मई को कोरोना के कारण हो गया था। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

डीपी गोयल बने भारत विकास परिषद के जिला सचिव

जिला सचिव बनने पर डीपी गोयल को लोगों ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत विकास परिषद दक्षिण प्रान्त हरियाणा की ओर से रविवार को जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। तीन पदों पर नियुक्ति की गई है, जिसमें सचिव पद पर कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक प्रख्यात समाजसेवी एवं रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य डीपी गोयल को नियुक्त किया गया है। इससे लोगों में खुशी की लहर है।

सचिव डीपी गोयल के अलावा अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल को बनाया गया है और महिला संयोजिका पार्षद सीमा पाहुजा को बनाया है। दक्षिण प्रान्त हरियाणा की सूची में छह जिले गुरुग्राम, मेवात, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, पलवल और रेवाड़ी शामिल हैं। इन जिलों में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अपनी नियुक्ति पर सचिव डीपी गोयल ने कहा कि संस्था ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है, जिसका पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ निवर्हन करेंगे। उन्होंने कहा कि

भारत विकास परिषद सेवा और संस्कारों का समुद्र है। बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में संस्था काम करती है। देश में संस्कृति, समाज, शिक्षा, नीति, अध्यात्मक और राष्ट्रप्रेम अगर देखना, सीखना है तो संस्था से जुड़ें। एक तरह से संस्था देश के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। डीपी गोयल ने कहा कि संस्था की और अधिक मजबूती के साथ कार्यों का प्रचार-प्रसार करके इस परिवार से लोगों को जोड़ना मुख्य उद्देश्य रहेगा। डीपी गोयल ने कहा कि समाज और देश की सेवा के लिए ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़कर बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

सीएम ने किया था उद्घाटन, फिर भी अधूरा देवीलाल स्टेडियम कोविड सेंटर

गुरुग्राम। इसे जनता के साथ भद्दा मजाक ही कहा जाएगा कि जिस कोविड सेंटर का मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार शाम को उद्घाटन किया, वह अभी भी अधूरा है। इसकी पोल तब खुली, जब कोरोना संक्रमित मरीज को वहां दाखिल करने के लिए भेजा गया। मानव आवाज संस्था ने इसकी निंदा भी की है और इसे जल्द शुरू करने को कहा है।

बता दें कि यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में कोरोना के मरीजों के लिए वेदांता समूह की ओर से सभी सुविधाओं से सुसज्जित 100 बेड का अस्थायी कोविड सेंटर बनाया गया है। कई दिनों से इसकी तैयारियां चल रही थीं। विधायक सुधीर सिंगला ने भी सेंटर के निर्माण के दौरान दौरा किया था। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस कोविड सेंटर का उद्घाटन किया। कोरोना महामारी से निपटने के प्रबंधों पर कई दावे किए। इसके बाद रविवार शाम को ही मानव आवाज संस्था द्वारा एमजी रोड स्थित कोरस होटल में बनाए गए कोविड सेंटर से एक कोरोना संक्रमित को ताऊ देवीलाल स्टेडियम के कोविड सेंटर में भर्ती कराने को एम्बुलेंस से भेजा गया। वहां जाने पर पता चला कि यह कोविड सेंटर तो चालू ही नहीं किया गया है। बताया गया कि अभी इसके शुरू होने में 10 दिन और लगेंगे। एम्बुलेंस से मरीज को वापस कोरस में बने सेंटर में लाया गया।

अधूरे कोविड सेंटर के उद्घाटन पर मानव आवाज संस्था ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम की जनता के साथ यह भद्दा मजाक किया है। आखिर अधूरे सेंटर का उद्घाटन करने की उन्हें क्या जल्दी थी। मरीज वहां पर लाये जा रहे हैं, लेकिन सभी को एक ही जवाब दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी संस्था ने मांग की है कि इस तरह का मजाक जनता के साथ करने वालों से जवाब मांगा जाए। संस्था के संस्थापक अभय जैन एडवोकेट ने कहा कि वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल का वे धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने गुरुग्राम की जनता के लिए इतना अच्छा कदम उठाया है, लेकिन सरकार ने सही नहीं किया। कोविड सेंटर के देखरेख कर्ता डा. बद्री शर्मा ने बताया कि सेंटर अभी पूरी तरह से तैयार नहीं है। कुछ समय और लगेगा।

शहीद राजसिंह खटाना की प्रतिमा का किया अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

दमदमा के ग्रामीणों ने स्वयं ही शहीद राजसिंह खटाना की प्रतिमा का उद्घाटन करके सम्मान दिया। शहीद के परिजनों समेत ग्रामीणों ने प्रशासन पर शहीद की शाहदत की अनदेखी करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने राजनेताओं पर दिए गए आश्वासनों पर खरे न उतरने का भी आरोप लगाया है।

दमदमा निवासी लांस नायक राजसिंह खटाना ने 17 मई 2020 को आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए अपने प्राणों की कुर्बानी दे दी थी। शहीद की शहादत की पहली वर्षगांठ पर ग्रामीणों ने गांव के मुख्य बस स्टैंड पर राजसिंह खटाना की प्रतिमा स्थापित की। ग्रामीणों ने लॉकडाउन के नियम की पालना करते हुए स्वयं ही शहीद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतवीर पहलवान, सरपंच संतोष देवी के पति समाज सेवी श्योराज खटाना, जतनवीर राघव, मनोज खटाना, शहीद के भाई सूरज व थानसिंह तथा उसके पुत्र मौजूद थे।

सोहना के गांव दमदमा में शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते ग्रामीण।

प्रशासन पर अनदेखी का आरोप

शहीद राजसिंह खटाना के भाई सूरज ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जो शहीद फंड से राशि दी जाती है। वहीं केवल आज तक पीड़ित परिवार को प्राप्त हुई है। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से शहीद के परिवार को किसी प्रकार की सहायता नहीं मिली है।

नेता नहीं उतरे आश्वासनों पर खरे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व दमदमा के मूल निवासी सतवीर पहलवान ने कहा कि शहीद की शहादत पर शोक व्यक्त करने पहुंचे नेताओं ने जो आश्वासन दिए थे। वे आश्वासन आज एक वर्ष पूरा होने के बाद भी पूरा नहीं हुआ है। गांव के राजकीय मिडिल स्कूल को सीनियर सेकेंडरी बनाने का आश्वासन दिया गया। शहीद के परिजन को सरकारी नौकरी दिलाने का आश्वासन, शहीद के नाम पर स्टेडियम बनाने का आश्वासन आदि शामिल है।

चोरों ने दिया कई घटनाओं को अंजाम, लोगों में दहशत

पलवल। शहर थाना क्षेत्र में दो स्थानों पर चोरों ने चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। चोर एक दुकान का ताला तोड़कर नगदी व अन्य सामान तो दूसरी जगह से कार को चोरी करके ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहर थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि हुडा सेक्टर-दो निवासी प्रवीन गोयल ने दी शिकायत में कहा है कि नगर परिषद कार्यालय के सामने उसकी दाल की होल सेल की दुकान है। बीती शाम वह अपनी दुकान को बंद करने के बाद घर चला गया, लेकिन जब सुबह आकर देखा तो दुकान के ताले टूटे हुए थे। दुकान के अंदर रखे साढ़े सात हजार रुपए व सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर गायब थी। पीड़ित का कहना है कि दूसरी दुकान के ताले भी टूटे हुए थे, लेकिन चोर उसमें से कोई सामान चोरी नहीं कर सके। वहीं, एक अन्य घटना के संबंध में राखौता गांव निवासी रामचंद पूनियां ने दी शिकायत में कहा है कि उसने अपनी कार को सोहना चौक के निकट भोलाराम मिस्त्री की दुकान के पास खड़ा कर दिया।

जियोजित का 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष में कर बाद लाभ 123 करोड रुपए हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 की समान अवधि के 18.83 करोड़ रुपये से 95फीसद बढ़कर 36.76 करोड़ रुपये हुआ. वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में कंपनी का कर पूर्व लाभ गत वर्ष की समान अवधि के 24.86 करोड़ रुपये की तुलना में 92 फीसद बढ़कर 47.31 करोड़ रुपये हुआ। वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में कंपनी की एकीकृत आय 48फीसदी से बढ़कर 122.56 करोड़ रुपये हुई। जो वित्त वर्ष 20 की समान अवधि में 82.68 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 21 के संपूर्ण वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 के 46.93 करोड़ रुपये से 163 फीसद बढ़कर 123.45 करोड़ रुपए हुआ. वित्त वर्ष 21 में कंपनी की एकीकृत आय 39 फीसद बढ़कर 426.81 करोड़ रुपए हुई। जो गत वर्ष की समान अवधि में 306.37 करोड़ रुपए हुई. वित्त वर्ष 21 में कर पूर्व लाभ वित्त वर्ष 20 की समान अवधि के 69.62 करोड़ रुपये से 137फीदस बढ़कर 165.18 करोड़ रुपये हुआ. कंपनी ने 15 मई 2021 को उसके

कर बाद लाभ में वार्षिक आधार पर 163 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 95त्न की वृद्धि

निदेशक मंडल की मीटिंग के बाद 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है.

कंपनी के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सतीश मेनन ने कहा, गत वर्ष महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था लेकिन मार्केट लचीला था. इसलिए हम हमारा ग्राहक आधार और हमारे ऑनलाइन ऑफरिंग को बढ़ाने के लिए सकारात्मक ट्रेंड का लाभ उठाने में समर्थ हुए. हमारे ग्राहक ऑफरिंग को और विविधिकृत करने और हमारी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए बोर्ड ने सभी लागू नियमनों और मंजूरियों के अधीन आईएफएससीए के तहत एआईएफ मैनेजर के रूप में एएमसी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए गिफ्ट सिटी में एक एंटिटी का निर्माण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है.

बोर्ड ने वित्त वर्ष 2020 -21 के लिए एक रुपये के शेयर पर दो रुपया (200 फीसद) प्रति इक्विटी शेयर अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है. बोर्ड ने नवंबर 2020 में 1.5 रुपया प्रति शेयर अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है. इस तरह वित्त वर्ष 2020 -21 के लिए रूपये 1 प्रति इक्विटी शेयर के लिए 3.50 रुपया (350 फीसद) कुल लाभांश हुआ। 31 मार्च, 2021 को कस्टडी और मैनेजमेंट के तहत कंपनी की परिसंपत्तियों 51000 रुपए रही. वित्त वर्ष 2020- 21 के दौरान कंपनी ने 66000 ग्राहक बढ़ाएं और अब कंपनी के पास 11,10,000 ग्राहक है. कंपनी के परिणाम का सार इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष की कामकाज की विशेषताएं-

एकीकृत आय 39त्न वार्षिक बढ़कर 426.81 करोड़ रुपए हुई। कर पूर्व लाभ 137फीसद वार्षिक बढ़कर 165.18 करोड़ रुपए हुआ। कर बाद लाभ 163त्न वार्षिक बढ़कर 123.45 करोड़ रुपए हुआ। 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही की एकीकृत वित्तीय विशेषताएं-एकीकृत आय 48त्न वार्षिक बढ़कर 122.56 करोड़ रुपए हुई। कर पूर्व लाभ 92त्न वार्षिक बढ़कर 47.73 करोड़ रुपए हुआ। कर बाद लाभ 95त्न वार्षिक बढ़कर 36.76 करोड़ रुपए हुआ।

ग्रामीण घरों में रहकर तोड़ रहे कोरोना की चेन

सोहना। सोहना का गांव दमदमा के निवासी कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के उद्देश्य से लॉकडाउन के नियम करते हुए अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। गांव में 12 लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं। जिनमें से दो की मौत हो गई तथा 10 संक्रमितों ने कोरोना को मात दी है।

करीब साढ़े छह हजार की आबादी वाले गांव दमदमा के ग्रामीण कोरोना को मात देने के लिए अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ग्रामीण घरों में रहकर ही कोरोना की चेन को तोड़ना चाहते हैं। ग्रामीण अपने पशुओं का पेट भरने के लिए खेतों पर जरूरत जाते हैं।

कोविड टेस्ट के शिविर हुई खानापूर्ति : गांव में बीते एक माह में करीब 12 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। जिनमें से दो कोरोना से जिन्दगी की हार मान गए। जबकि 10 ग्रामीणों ने कोरोना को मात दी है। ग्राम पंचायत सरपंच पति समाज सेवी श्योराज खटाना ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दो-दो बार वैक्सीनेशन और कोविड टेस्ट के शिविर लगाकर मात्र खानापूर्ति कर दी गई। अब भी गांव की 60 फीसदी आबादी को कोविड की जांच तथा वैक्सीनेशन करानी है, लेकिन घंघौला का

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 15 किलोमीटर होने के कारण वहा पर ग्रामीण नहीं पहुंच पा रहे है।

आइसोलेशन सेंटर स्थापित : गांव में स्थित राजकीय मिडिल स्कूल परिसर में प्रदेश सरकार की तरफ से दो बेड का आइसोलेशन सेंटर की स्थापना कर दी गई है। सभी ग्रामीणों के स्वास्थ की सर्वे का कार्य अभी तक शुरू नहीं किया है।

क्या कहना है सरपंच का : सरपंच संतोष खटाना का कहना है कि पंचायत विभाग की तरफ से गांव को सेनेटाइज किया जा रहा है। मुनादी कराके ग्रामीणों को लॉकडाउन के नियम की पालना करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को वैक्सीनेशन तथा कोविड टेस्ट अभियान चलाने के लिए घंघौला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के एसएमओ को कई बार चिठ्ठी लिखी गई है।

कोविड-19 राहत प्रयासों को मजबूत करेगा बजाज फाउंडेशन

एनसीआर में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की निःशुक्ल डोरस्टेप डिलीवरी का विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/गुरूग्राम

देशभर में लगातार बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के मद्देनज़र एक गैर-लाभकारी संगठन बजाज फाउंडेशन ने दिल्ली-एनसीआर में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की नि:शुल्क डोरस्टेप डिलीवरी का एक आपातकालीन कार्यक्रम शुरू किया है और ऑक्सीजन की कमी से जूझते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों के जीवन को लाभ पहुंचाया है।

ऑक्सीजन की जरूरत वाले अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और ऑक्सीजन की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के प्रयास में फाउंडेशन देश के अन्य शहरों में अपने इस कार्यक्रम को बढ़ा रहा है जिससे कि देशभर में जरूरतमंद लोगों को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करते हुए उनकी समस्या और जरूरत के समय का दायर कम करने

का प्रयास कर रही है। इस कार्यक्रम के लिए, आपातस्थिति में, जहां एसपीओ2 का स्तर 90 से नीचे होने पर ऑक्सीजन सेवा को 72 घंटे के लिए एक रिफंडेबल सुरक्षा राशि के तहत आपके दरवाजे पर पहुंचाया जायेगा। इस सेवा में ऑक्सीजन कांसेंट्रेटर की डिलीवरी और इंस्टॉलेशन करने के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं के ठीक होने के बाद, मशीनों को वापस एकत्र करने के लिए प्रोफेशनल सेवा शामिल रहेगी। फाउंडेशन द्वारा एक सप्ताह पहले शुरू किये गये इस कार्यक्रम के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 1800-5728-345, ईमेल help@bajaj.foundation या बजाज फाउंडेशन की वेबसाइट www.bajaj.foundation के माध्यम से ओ2 ऑर्डर करने में आसानी हुई है।

अपने कार्यक्रम के बारे में बजाज फाउंडेशन के निदेशक पंकज बजाज ने कहा, भारत तबाही मचा रहे म्यूटेंट स्ट्रेन के लक्षण अनिश्चित हैं और आपको यह भी पता नहीं चलता कि आपका ऑक्सीजन स्तर कितनी जल्दी गिर जाता है। हम नहीं चाहते कि कोई और संक्रमित मरीज सिलेंडर की तलाश में जाए, जिसे ध्यान में रखते हुए हमें लगा कि एक आपातकालीन ऑक्सीजन कार्यक्रम समय की जरूरत है।

इस पहल के माध्यम से, हम न केवल प्रभावित लोगों की मदद करने का भरोसा रखते हैं, बल्कि उन लोगों के घर पर ओ2 कांसेंट्रेटर की नि:शुल्क पहुंचाते हैं, और उनके बाहर जाने पर होने वाले वायरस के प्रसार को भी रोकते हैं। यह मानवीय स्तर पर एक साथ खड़े होने और हर संभव मदद करने का समय है। इसके अलावा, बजाज फाउंडेशन ने खोया के साथ साझेदारी में कोविड-19 फूड ड्राइव के माध्यम से लाखों लोगों को भोजन सेवा मुहैया की है।

कोरोना टेस्टों के निर्धारित रेट से ज्यादा न वसूलें लैब संचालक: डीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

उपायुक्त ने क्लीनिकल एस्टाब्लिशमेंट एक्ट में कार्रवाई की दी चेतावनी

जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि कुछ प्राइवेट लैब कोरोना से जुडे टेस्ट के ज्यादा रेट ले रहे हैं, जो कि एक गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्राइवेट लैब संचालक कोरोना टेस्ट से जुडे टेस्टों के ज्यादा पैसे लेता है तो उसके खिलाफ क्लीनिकल एस्टाब्लिशमेंट एक्ट के तहत जिला प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि एनएबीएल, एनएबीएच लैब से आरटीपीसीआर टेस्टिंग, सैम्पल कैलक्शन के जीएसटी टैक्स के लिए 500 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब से आरटीपीसीआर टेस्टिंग के लिए भी 500 रुपये, एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा अस्पताल में या अस्पताल से बहार घर पर रह रहें मरीजों से 700 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब 700 रुपये, टूरू नेट टेस्टिंग 1250 रुपये, रेपिट एंटीजैन टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 500 रुपये तथा नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा भी 500 रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में प्रोकैल्सीटोनिन टेस्ट के लिए 2125 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 1900 रुपये, सीआरपी टेस्ट के लिए एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 350 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब 250 रुपये निर्धारित किए गए है।

सीरम फेरिटीन टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 465 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 450 रुपये में टेस्ट किया जा जाएगा। डी-डिम्र टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 890 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 850 रुपये वहन किए जाएंगे। सेकेंड-6 टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 2550 रुपये तथा नॉन टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 2400 रुपये में टेस्ट किया जाएगा।

एक्सरे टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 300 रुपये नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा भी 300 रुपये, प्लेन सीटी चैस्ट 1950 सरकारी रेट तथा नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 1950 सरकारी अनुसार ही वहन किया जाएगा। एचआरसीटी चैस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 2440 सरकारी रेट व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 2440 रुपये है। एलएफटी-केएफटी टेस्ट एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 1230 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा टेस्ट के लिए 700 रुपये ही वहन किए जाएंगे। एलडीएच एनएबीएल, एनएबीएच लैब जीएसटी रेट सहित 360 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब से टेस्ट के लिए 300 रुपये लिए जाएंगे।

एंटीबॉडी के लिए एनएबीएल, एनएबीएच लैब से एलीसा टेस्ट के लिए 250 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब से भी 250 रुपये ही लिए जाएंगे। कोविड एंटीबॉडी एलीजा एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा 450 रुपये तथा नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा भी 450 रुपये में टेस्ट किया जाएगा। कोविड एंजीबॉडी वाय सीएलआईए एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा टेस्ट के लिए 800 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब से 700 रुपये में कोविड एंजीबॉडी वाय सीएलआईए टेस्ट किया जाएगा। एनएबीएल, एनएबीएच लैब द्वारा कोविड स्पीक प्रोटीन टेस्ट के लिए 900 रुपये व नॉन एनएबीएल, एनएबीएच लैब से टेस्ट के लिए 800 रुपये जिला प्रशासन निर्धारित किए गए हैं।

लॉकडाउन: शादी में 11 से अधिक लोग होने पर होगी कार्रवाई

दीपक कुमार। नूंह

जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने नूंह जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर सोमवार को रिव्यू मीटिंग की। जिसके बाद उपायुक्त ने ग्राम स्तर तक सभी एसडीएम को फील्ड टीम की स्क्रीनिंग की मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपा है।

सभी एसडीएम को फील्ड टीम की स्क्रीनिंग की मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपा

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान उपायुक्त ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम सर पर फील्ड टीम घर-घर जाकर जो हेल्थ चेकअप कर रही हैं, उसकी मॉनिटरिंग खुद एसडीएम करें। ताकि घर-घर स्क्रीनिंग से कोरोना को खत्म करने का जो लक्ष्य बनाया गया है। उसको जल्दी से जल्दी प्राप्त किया जा सके। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि हर गांव में आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए रुपये 50000 की राशि सभी गांव को दे दी गई है। जल्दी से जल्दी ये आइसोलेशन सेंटर बना दिए जाएंगे, ताकि कोरोना के संक्रमण को और फैलने से रोक दिया जाए। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में शादी में केवल 11 ही लोग इकट्ठे हो। यह 11 लोग भी घर पर ही इकट्ठे हो पाएंगे। यदि कोई भी इन नियमों की अवहेलना करता है तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में भी नए बेड बढ़ाने को लेकर उपायुक्त ने आज की इस बैठक में चर्चा की उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन कोशिश कर रहा है कि 15 बेड मांडीखेड़ा में सीएसआर के माध्यम से इकट्ठे किए जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि धीरे-धीरे प्रदेश में और जिले में केस कम हो रहे हैं। लेकिन प्रशासन को अभी भी सतर्क रहने की जरूरत है। जिससे कि हम अपने आसपास के इलाके में कोरोना के संक्रमण को कम से कम कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन: घर बैठे बच्चे 36 प्रतियोगिताओं में कर सकेंगे शिरकत

नूंह। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद और जिला बाल कल्याण परिषद के द्वारा ऑनलाइन राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ सोमवार को बटन दबाकर मुख्यातिथि उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद नूंह के अध्यक्ष धीरेंद्र खड़गटा ने किया। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण परिषद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस वैश्विक महामारी के चलते सराहनीय कार्य कर रहा है। इस मौके पर जिला बाल कल्याण अधिकारी नूंह कमलेश शास्त्री व जिला राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक नूंह अशरफ मेवाती ने कहा कि परिषद 17 मई से 6 जून तक ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन कर रही है। जिसमें 36 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रदेशभर के बच्चे प्रतियोगिताओं में घर बैठे शिरकत करेंगे। बाल कल्याण परिषद का उद्देश्य बच्चों को उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को निखारना है। इन प्रतियोगिताओं प्रतिभागी वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडाटचाइल्डवेल्फेयरहरियाणाडॉटकॉम पर लिंक कर प्रतिभागिता सुनिश्चित करें। इस आयोजन से न केवल बच्चे उबाऊपन से बचेंगे बल्कि उनका सक्रिय व मानसिक विकास होगा।

गांवों शहरों में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी

नूंह। जिलाधीश धीरेन्द्र खड़गटा ने पंजाब विलेज एंड स्माल टाउन पेट्रोल एक्ट के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला नूंह के सभी गांवों व शहरों में ठीकरी पहरा लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश ने बताया कि सरकार द्वारा कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए जिले सरकार ने 24 मई तक के लिए लॉकडाउन के आदेश जारी किए गए है। जिसके दृष्टिगत किसी भी व्यक्ति को केवल विशेष परिस्थिति को छोड़कर घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है, क्योंकि एक दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से इस महामारी के फैलने का अंदेशा बना रहता है। जारी आदेशों की पालना में जिला नूंह के सभी गांवों/शहरों में लागू ठीकरी पहरा के आदेश जारी किए गए हैं। जिलाधीश ने कहा है इन आदेशों की पालना करवाने की जिम्मेवारी जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी संबंधित तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, ग्राम पंचायत, स्थानीय निकाय की होगी। सभी थाना प्रबंधन भी इस मामले में संबंधित नगरपालिकाओं, ग्राम पंचायत से सम्पर्क बनाए रखेंगे। इन आदेशों की उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पंजाब विलेज एण्ड स्माल टाउन एण्ड पेट्रोल एक्ट 1918 की धारा 9 व 11 के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।

रेडक्रॉस द्वारा संचालित कोविड केयर सेंटर में दिए फेसशील्ड

फरीदाबाद। कोविड 19 के बढ़ते प्रोकोप को काबू में करने के लिए देश का मेडिकल स्टाफ अपनी जान की परवाह न करते हुए दिन रात लोगों की सेवा करने में जुटा हुआ है, ऐसे में जरूरी है कि हम उनकी हर संभव मदद करे और सहयोग दें ताकि वे और जोह के साथ काम कर सके। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शहर की संस्था सोनू नव चेतना फाउंडेशन और संभार्य फाउंडेशन द्वारा शहर में सेक्टर 14 स्थित कोविड केअर सेंटर में फ्रंट लाइन वर्कर की हिफाज़त के लिए फेस शील्ड डोनेट किए। इस मौके पर रेडक्रॉस सोसाइटी के सहायक सचिव बिजेंदर सौरोत ने बताया कि दोनों संस्थाएं समय समय पर रेडक्रास की मदद करती आई हैं और पिछले 4 दिन से जिले के ग्रामीण क्षेत्र में भी जागरूकता अभियान चलाया हुआ है। सोनू नव चेतना फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ दुर्गेश ने बताया कि पिछले वर्ष भी दोनों संस्थाओं ने जिले में हजारों मास्क और सैनिटाइजर वितरित किये थे और इस मुश्किल की घड़ी में भी हम हर संभव प्रयास करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा मदद कर सके। इस मौके पर संभार्य फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक देशवाल और भारत विकास परिषद से राजकुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

पुलिस बुजुर्गों का भी रख रही ख्याल

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देशानुसार एवं डॉ. अर्पित जैन पुलिस उपायुक्त मुख्यालय के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिक सेल कोविड-19 महामारी में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य हित में लगातार कार्य कर रहा है। जरूरतमंदों को ऑक्सीजन, दवाइयों और भोजन आदि की यथासंभव मदद की जा रही हैं। इसी प्रयास में वरिष्ठ नागरिक सेल, सीनियर सिटीजन सर्वोच्च कमेटी और दक्ष फाउंडेशन के सदस्यों के साथ ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम का दौरा किया गया। वरिष्ठ नागरिक सेल की टीम ने दौरे के दौरान वहां रह रहे वृद्धजनों से बातचीत करके उनका हालचाल जाना। इस दौरान टीम ने सभी वृद्धजनों के लिए हैंड सैनिटाइजर, मास्क और 700 विटामिन सी की टेबलेट वृद्धाश्रम संचालक को सौंपी गई। इस दौरान वरिष्ठ नागरिक सेल की तरफ से निरीक्षक जयवीर सिंह, अशोक नेहरा सदस्य वरिष्ठ नागरिक कमेटी, सुरेंद्र सिंह और प्रवेश कंसल शामिल रहे।

मंडियों में गेहू, जौ और सरसों की खरीद जारी : उपायुक्त

फरीदाबाद/बल्लभगढ़। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला की अनाज मण्डियों तथा खरीद केंद्र पर सरकार द्वारा हिदायतों के अनुसार खरीद गेहूं की सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीद की गई। उन्होंने बताया कि सरकारी एजेंसियों द्वारा सरसों 4650 रुपये प्रति किंवटल गेहूं की 1975 रुपये प्रति किंवटल की दर से खरीद की गई थी। सरकार द्वारा गेहूं की खरीद के लिए चार एजेंसियां और जौ व सरसों की खरीद के लिए एक-एक सरकारी एजेंसी घोषित की गई थी। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के नियमों की पालना भी सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार मण्डियों में खरीद की गई। बल्लभगढ, मोहना ,फतेहपुर बिल्लौच, फरीदाबाद ओल्ड, डबुआ व तिगांव अनाज मंडियों में भी गेहूं की खरीद एमएसपी पर की गई। गेहूं की खरीद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन सरकारी एजेंसी द्वारा एमएसपी पर खरीद की गई। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की खरीद की निरंतर अदायगी की धनराशि सीधे निर्बाध रूप से किसानों के खातों में की जा रही है।

कोरोना में जरुरतमंदों की मदद करें भाजपा कार्यकर्ता: समय सिंह भाटी

वर्चुअल मीटिंग कर कोविड-19 की रोकथाम को समीक्षा बैठक की

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

सोमवार को प्रदेश भाजपा मंत्री एवं मेवात जिले के नवनियुक्त प्रभारी समय सिंह भाटी ने नूंह के कार्यकर्ताओं संग एक वर्चुअल मीटिंग कर जिले में कोविड-19 की रोकथाम को लेकर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे अभियान को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए कहा कोविड-19 महामारी की रोकथाम में हम सभी को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी है। एक-एक लोग की जान बचानी है तथा उन्हें महामारी के प्रति अलर्ट और सावधान करना हम सभी का कर्तव्य और पालन होना चाहिए।

वर्चुअल मीटिंग के दौरान कार्यकर्ताओं से समीक्षा करते जिला प्रभारी समय सिंह भाटी।

जिला प्रभारी ने किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, युवा मोर्चा सहित तमाम कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए जिले के लोगों को नि:शुल्क बांटे जा रहे मास्क, सैनेटाइजर, प्लाज्मा डोनेशन, आक्सीजन वितरण, सेवा रसोई कार्यक्रम सहित इत्यादि के बारे में भी गहनता से विचार विमर्श किया। उन्होंने निर्देश दिया कि पार्टी के इन कामों में कार्यकर्ता तेजी लाकर हर जरुरतमंद की मदद करें। उन्होंने कहा भाजपा का उद्देश्य है कि समय पर सभी जरुरी चीजों का वितरण हो, और लोग ज्यादा से ज्यादा पार्टी की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कोरोना काल में जरुरतमंदों की मदद का लक्ष्य लेकर चलना ही भाजपा कार्यकर्ताओं का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने खासतौर पर कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे वैक्सीनेशन करवाने व शारीरिक दूरी और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने वाले लोगों को जागरुक करें। वर्चुअल मीटिंग के दौरान उन्होंने जिलाध्यक्ष नरेंद्र पटेल से भी सभी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी लेकर योजनाओं को युद्धस्तर पर चलाने की बात कही। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से आह्वान करते हुए कहा सभी लोग अपना टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। टीकाकरण करवाने से कोरोना महामारी की रोकथाम संभव है।

उन्होंने प्रदेश में लाकडाउन और इस दौरान सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रबंधों की तारीफ करते हुए कहा सरकार की बेहतर सूझबूझ से सूबे में कोरोना संक्रमण के मामलों में काफी हद तक कमी आई है। उन्होंने कोरोना महामारी में राजनीति करने वाले दलों व उनके नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा यह वक्त राजनीति का नहीं बल्कि महामारी के संकट से लोगों को बचाने का है। उपरोक्त वर्चुअल मीटिंग के बारे में जिला मीडिया प्रभारी मनीष जैन ने बताया कि जिला प्रभारी ने समीक्षा बैठक कर तमाम गतिविधियों का आंकलन कर पार्टी की जनहितैषी नीतियों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

आगामी दिनों में जिला प्रभारी द्वारा पुन: समीक्षा बैठक कर पार्टी की योजनाओं पर विचार विमर्श किया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष नरेंद्र पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप आर्य, पूर्व विधायक जाकिर हुसैन, विधानसभा प्रत्याशी नौक्षम चौधरी, जाहिद हुसैन चेयरमैन, खुर्शीद राजाका, जिला महामंत्री दलबीर सिंह, शिव कुमार बंटी, भाजपा नेता डा. महेंद्र गर्ग, उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रमेश मानूवास, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अंजूबाला, अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष गंगादान डागर, आइटी सेल के जिला संयोजक गौरव जैन, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष केशव पंडित, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष रहीश अलावलपुर, जाहिद रेहना, भाजपा नेत्री निशा सैनी, कमल सैनी, महावीर सैनी, चेयरमैन सुनील जैन, सुभाष भारद्वाज, युवा नेता यावर आलम, सहित काफी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम स्तर तक सभी एसडीएम खुद देखेंगे फील्ड टीम का काम

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने नूंह जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर सोमवार को रिव्यू मीटिंग की। जिसके बाद उपायुक्त ने ग्राम स्तर तक सभी एसडीएम को फील्ड टीम की स्क्रीनिंग की मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपा है।

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान उपायुक्त ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम सर पर फील्ड टीम घर-घर जाकर जो हेल्थ चेकअप कर रही है। उसकी मॉनिटरिंग खुद एसडीएम करें। ताकि घर-घर स्क्रीनिंग से करो ना को खत्म करने का जो लक्ष्य बनाया गया है। उसको जल्दी से जल्दी प्राप्त किया जा सके। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि हर गांव में आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए धनराशि सभी गांव को दे दी गई है। जल्दी से जल्दी ये आइसोलेशन सेंटर बना दिए जाएंगे, ताकि कोरोना के संक्रमण को और फैलने से रोक दिया जाए इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में शादी में केवल 11 ही लोग इकट्ठे हो।

हर गांव में आइसोलेशन सेंटर जल्द बनकर होंगे तैयार

24 मई तक बढ़ा महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा: डीसी

नूंह। कोरोना वायरस की खतरनाक रफ्तार को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में 17 से 24 मई तक महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा को बढ़ाते हुए दिशा निर्देश जारी किए है। इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने 17 से 24 मई की सुबह 5 बजे तक सरकार के आदेशों की पालना में जिला नूंह में महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा के तहत जारी आदेशों की पालना सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब 24 मई तक पहले की तरह गाइडलाइन/पाबंदिया जारी रहेंगी। संबंधित क्षेत्रों में जारी दिशा-निर्देशों की पालन न करने वालों के खिलाफ सेक्शन 51 से 60 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अलावा आईपीसी की धारा 188 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तावडू बिजली विभाग में कार्यरत जेई का कोराना से निधन

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

एक हफ्ते के अंतराल में कोराना से हुई तीन बिजली कर्मचारियों की मौत, मचा हड़कंप

नगर के बिजली दफ्तर में कार्यरत जेई का कोराना से निधन हो गया है। तावडू बिजली दफ्तर में कार्यरत कर्मचारियों की कोराना से निधन के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। तावडू बिजली विभाग में एक हफ्ते के अंतराल में कोराना से सोमवार को तीसरे कर्मचारी की मौत हुई है। बिजली दफ्तर में कार्यरत कर्मचारी राजेश, प्रवीन, इरशाद और हासिम आदि ने बताया कि दूसरे दौर के कोविड ने देश प्रदेश में भारी तबाही मचा दी है। इससे तावडू बिजली दफ्तर भी अछूता नहीं है।

उन्होंने बताया कि 9 मई को विभाग के कर्मचारी शिवकुमार,10 मई को जमशेद 16 मई शाम को जेई लालचंद का कोराना से निधन हुआ है। उन्होंने बताया कि यह मृतक कर्मचारियों के परिवारों के लिए तो दुख की घड़ी है ही, लेकिन बिजली दफ्तर के लिए भी एक बड़ा नुकसान हुआ है। दफ्तर में सभी प्रकार के पब्लिक डीलिंग के कार्य बंद हैं सिर्फ बिजली बिल भरने के लिए काउंटर खुला हुआ है।

जेई की मौत से दफ्तर में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों के मुताबिक करीब एक हफ्ता पहले उन्हें हल्का बुखार महसूस हुआ था। जिसके बाद उन्होंने अपना उपचार शुरू कराया था, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उनके परिजनों ने करीब एक हफ्ता पहले उन्हें गुरुग्राम के पार्क अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां पर सोमवार को देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। जेई के निधन पर बिजली विभाग के कर्मचारियों व तावडू शहर के गणमान्य लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

अगर मानें अधूरी सी ये तैयारी सबक़ तो है
दवा की हर जगह ये आज दुश्वारी सबक़ तो है
हमेशा ख़ामियों को ख़ूबियाँ ही बोलने वाली
व्यवस्था सीखना चाहे, महामारी सबक़ तो है

लॉकडाउन का पालन कराने को डीएसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए लॉकडाउन की पालना करें

ललित गर्ग। पुन्हाना

कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिहाज से प्रदेश में महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा लॉकडाउन को सोमवार से एक बार फिर बढ़ाये जाने के बाद डीएसपी पुन्हाना शमशेर सिंह ने शहर के बाजारों में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च कर आम नागरिकों को लॉकडाउन की हिदायतों का पालन करने का संदेश दिया। डीएसपी पुन्हाना कड़े निर्देश देते हुए बिना परमीशन दुकानों को खोलने वाले दुकानदारों व फिजूल में सड़कों पर घूमने वाले लोगों को बाज आने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन अब ऐसे लोगों से सख्ती से निपटेगा।

फ्लैग मार्च निकालते हुए डीएसपी शमशेर सिंह और पुलिस बल।

डीएसपी शमशेर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 24 मई तक महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा लॉकडाउन का समय बढ़ाते हुए लोगो को घरों में रहकर इस कोरोना बीमारी से बचाव करने का आह्वान किया है। बढ़ते कोरोना की संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए लॉकडाउन की पालना करें। यह लॉकडाउन आपकी कोरोना से सुरक्षा के लिए है। आपकी सुरक्षा के लिए ही पुलिस दिनरात सड़कों पर घूम रही है। लॉकडाउन की पालना सुनिश्चित करने में पुलिस का सहयोग कर स्वयं, परिवार व क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें। इसमें हम सभी का फर्ज बनता है कि ऐसी महामारी से बचने के लिए हमें बचाव की जरूरत है।

डीएसपी शमशेर सिंह की अगुवाई में शहर के बस स्टैंड, मैन बाजार, पंजाबी कॉलोनी, सब्जी मंडी, जैन मंदिर मार्ग, जमालगढ़ रोड, पुराना थाना रोड इत्यादि मार्गो से फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान बाजारों में गाड़ियों या बाइकों से बिना काम घूम रहे लोगों को चेतावनी देकर छोड़ा व चोरी छिपे दुकानों को खोलने वाले दुकानदारों को भी कड़े शब्दों में कहा कि सरकार व प्रशासन की लॉकडाउन की हिदायतों को सभी पूरा करें, केवल आवश्यक सामानों की दुकानें खोली जाएं, वे भी सरकार व प्रशासन की हिदायतों के आधार पर। आवश्यक सामानों की खुलने वाली दुकानों पर भी किसी तरह भीड़ ना हो, मास्क व सैनेटाइजर का प्रयोग हो अन्यथा पुलिस प्रशासन पूरी सख्ती से कार्रवाई करेगा।

डीएसपी पुन्हाना शमशेर सिंह ने कहा कि देश और प्रदेश में फैली कोरोना महामारी से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन इससे सभी को बचने की जरूरत है। वह तभी सम्भव है जब हम लोग सामाजिक दूरी, मास्क, सैनेटाइजर प्रयोग व बिना काम घरों से ना निकलने जैसे नियमो का पालन करेंगे। इसलिए सभी इस बीमारी से बचने के लॉकडाउन का पालन करें। इस दौरान पुन्हाना थाना प्रभारी बिलासा राम, सिटी चौकी प्रभारी हरदेव सिंह, सीएस स्टाफ प्रभारी सहित काफी संख्या पुलिस प्रभारी साथ थे।

पायनियर क्लासीफाइड

◆नाम परिवर्तन◆

We, Satbir S/o Sh. Ram Kishan & Anita Devi W/o Sh. Satbir both R/o H.No. 1280, VPO Wazirabad, Sector 52, Gurugram are parents of Vaibhav Yadav. Our names are wrongly mentioned as Satbir Yadav & Anita Yadav in his school records. Our correct names are Satbir and Anita Devi.

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

स्वस्थ रहने का लक्ष्य

जारी है संघर्ष

समस्याओं के बावजूद देश को भविष्य का लक्ष्य याद रखना है कि हमें स्वयं को स्वस्थ रखना है। 19 अप्रैल को आल इंडिया मैनेजमेंट असोसियेशन द्वारा जारी एक वर्चुअल आयोजन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योगपति सुनील मुंजाल के एक सवाल का जवाब दिया कि भारत ने बिना घरेलू मांग पूरी किए वैक्सीनों का निर्यात क्यों किया तथा उनको दान में क्यों दिया। मंत्री ने कहा, 'यह सवाल स्वयं से पूछें कि क्या में विदेशों में जाकर कह सकता हूं कि मुझ तक पहुंचने वाली सप्लाई लाइनें खुली रखें। मैं वैक्सीन के लिए कच्चा माल चाहता हूं, लेकिन मैं आपको कोई वैक्सीन नहीं दूंगा। यदि आप ऐसा तर्क दें तो मुझे बिल्कुल निर्यात नहीं करना चाहिए। लेकिन कोई दूसरा पूछेगा कि मैं भारत को निर्यात क्यों करूं। यह इतना संकुचित दृष्टिकोण है कि वास्तव में कोई गैर-जिम्मेदार और अगंभीर व्यक्ति ही ऐसा तर्क साकने रखेगा। हालांकि, हमारे आसपास कुछ लोग हैं जिन पर आपने गौर किया होगा।' लेकिन उन्होंने मुंजाल को यह नहीं बताया कि भारत द्वारा दान की गई वैक्सीनों मे कुछ देशों को दान में दी गई वैक्सीनें केवल 10.75 मिलियन थीं जो विदेश मंत्रालय की वेबसाइट में दिखाई गई 'मेड इन इंडिया वैक्सीन सप्लाई' की 66.37 मिलियन खूराकों में शामिल थीं। कुल खूराकों का बड़ा हिस्सा, यानी 35.79 मिलियन खूराकें वाणिज्यिक थीं और दो वैक्सीन निर्माता कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट आफइंडिया व भारत बायोटेक की लाइसेंसिंग क्षमताओं पर आधारित थीं। वैक्सीन की 19.86 मिलियन खूराकें विदेशों में निर्माताओं द्वारा किए गए समझौतों के आधार पर भेजी गईं जिन पर वैक्सीन निर्माण हेतु कच्चा माल पाने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे।

अंतिम दो प्रकार की सप्लाई को मुफ्त खूराकों के साथ जोड़ दिया जाता है। नई दिल्ली की वैक्सीन राजनय को 'वैक्सीन मैत्री' कहा जाता है जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को हुई थी और यह 16 अप्रैल तक जारी रही। इस कालखंड में भारत ने विदेशों को वैक्सीन सप्लाई की और इसे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ठहराया। 13 अप्रैल को रायसीना डायलाग के उद्घाटन में उन्होंने कहा था, 'इस साल अनेक सीमाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को वैक्सीन सप्लाई की। हम जानते हैं कि यह सप्लाई बहुत अधिक नहीं थी। हम जानते थे कि मांग बहुत ज्यादा है। हम जानते थे कि पूरी मानवता का टीकाकरण करने में लंबा समय लगेगा। लेकिन इसके साथ ही हम यह भी जानते थे कि आशा का महत्व है।' इस कालखंड में दुनिया के 95 देशों को खूराकें भेजी गईं। अब इस बात पर चर्चा करें कि सरकार को 'मैत्री' के इस कालखंड में क्या नहीं करना चाहिए था। 11 मई को भारतीयों को कुल मिला कर 17.51 खूराकें दी गईं तथा कमियों की खबरें आने के बावजूद कोई आर्डर नहीं दिए गए। मई की शुरुआत में सरकार ने कहा कि उसे अभी पुराने आर्डर की 23 मिलियन खूराकें नहीं मिली हैं और उसने 160 मिलियन खूराकों के नए आर्डर दिए हैं। मई, जून और जुलाई के इन आर्डरों की पूर्ति जुलाई तक हो जाएगी। लेकिन समय पर आर्डर पूरे करने में निर्माताओं की अपनी मजबूरियां हैं और इस बीच टीकाकरण अभियान को टीकों की प्रतीक्षा है, फ्रि चाहे वह मुफ्त हो या भुगतान पर।

जैविक क्रांति को अपनाने का समय

यह एक अपरिहार्य एवं अपरिवर्तनीय तथ्य है, साथ ही यह अपने भीतर जैविक अनुसंधान की क्षमता और मानवता के लिए कई अनूठे अवसरों को छिपाए हुए है।

बीकेपी सिन्हा
लेखक एक स्तम्भकार हैं)

जैविक क्रांति के युग की शुरुआत करते समय, कोई यह संज्ञान लेने में विफल नहीं हो सकता है कि जीव विज्ञान में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रोगाणु, जो पृथ्वी पर सबसे पुराने आत्म-प्रतिकृति वाले जीव हैं और जो खोजे जाने वाले अंतिम में थे, को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है। यह कोरोनावायरस के वर्तमान संकट से स्पष्ट है, जिसने आधी दुनिया को तबाह कर दिया है और इसे लगभग आपदा के कगार पर ला दिया है, आंशिक रूप से रोगाणुओं की देर से खोज और जीनोम अनुक्रमण की तकनीकों के कारण।

सूक्ष्म जीवों पर ध्यान की कमी काफी हद तक हमारे अवलोकन संबंधी पूर्वाग्रह के कारण है। जो हम देख नहीं सकते उसे हम नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस प्रवृत्ति ने हमें इस ग्रह पर बैक्टीरिया और वायरस की भूमिका की सराहना करने से बहुत पहले, हमसे अरबों मील दूर दृश्यमान वस्तुओं को देखकर खगोल विज्ञान में बड़ी प्रगति करने की अनुमति दी।

पृथ्वी पर जीवन पौधों की तुलना में बहुत अधिक है। वायरस और सूक्ष्मजीवों के बारे में हमारे अंतर्निहित ज्ञान अंतराल ने हमें वर्तमान संकट में ला दिया है। इसलिए, जैविक क्रांति अपरिहार्य है। निम्नलिखित तथ्य हमें चल रहे क्रांतिकारी और अभूतपूर्व जैविक अनुसंधान और इसके अनूठे अवसरों के बारे में बताते हैं। सूक्ष्मजीव एक जटिल नैनोमशीन के रूप में विकसित हो गए हैं, यहां तक कि स्थलीय पौधों की तुलना में, अरबों साल आगे, सूर्य से ऊर्जा के माध्यम से पानी को विभाजित करने में सक्षम हैं। केवल एक मौजूदा प्रोकैरियोटिक प्रकार का बैक्टीरिया है जो सूर्य के बिना ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सक्षम है - साइनो बैक्टीरिया। हमें अभी इसके तंत्र की खोज करनी है। यदि कोई पिछले दशक में महान पुरस्कार विजेताओं की सूची को देखता है तो कोई यह नोटिस करने में असफल नहीं हो सकता है कि भौतिकी और रसायन शास्त्र के लिए भी अधिकांश महान पुरस्कार जैविक पहेली को सुलझाने पर उनके अध्ययन के लिए गए हैं। जीव विज्ञान के रहस्य के कई पहलू अभी भी सुलझने बाकी हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के डॉ सिद्धार्थ मुखर्जी ने देखा कि हालांकि कैंसर अनुसंधान अंतरिक्ष यात्रा से पहले शुरू हो गया था, फिर भी कैंसर एक अजेय %विकारों का सम्राट है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए जानी जाने वाली संस्था स्छ्ुञ्ज ने अपना ध्यान आणविक जीव विज्ञान पर बदल दिया है और इसके कुछ संकाय सदस्यों ने कोशिका जीव विज्ञान पर अपने शोध के लिए महान पुरस्कार भी जीते हैं।

विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के डॉ ब्रूस एच लिप्टन और बाद में अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में, अपने अभूतपूर्व काम में, यह पता लगाया है कि कोशिका तंत्र महत्वपूर्ण कोशिका झिल्ली के माध्यम से कोशिका में सूचना कैसे प्राप्त करते हैं और संसाधित करते हैं। कोशिका झिल्ली अपने रिसेप्टर और इंटीग्रल प्रोटीन के माध्यम से जो एंटीना के रूप में कार्य करती है, बाहरी वातावरण से संकेत भेजती है। इस शोध के निहितार्थ जीवन की हमारी समझ को मौलिक रूप से बदल देंगे। यह दर्शाता है कि कोशिका झिल्ली के माध्यम से बाहर से संकेतों द्वारा जीन और डीएनए को नियंत्रित किया जाता है। कोशिका जीव विज्ञान और क्वांटम भौतिकी में इस शोध को एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि व्यवहार को बदला जा सकता है क्योंकि हम अपनी सोच को प्रशिक्षित करते हैं। विचार और दिमाग की ऊर्जा सीधे प्रभावित करती है कि भौतिक मस्तिष्क शरीर के शरीर क्रिया विज्ञान को कैसे नियंत्रित करता है। मानसिक ऊर्जा प्रोटीन उत्पन्न करने के लिए कोशिकाओं के कार्य को सक्रिय या बाधित कर सकती है। जैव रसायनविद, जैवभौतिकीविदों के सहयोग से जीवविज्ञानी बढ़ती हुई आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए ज्वलंत मुद्दों के अधिकांश क्षेत्रों पर अत्याधुनिक शोध के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो संग्रहित ऊर्जा के अधिक से अधिक परिवहन योग्य रूपों का उपभोग करते हैं। वैज्ञानिक अक्षय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर, जल, पवन और ज्वार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन हमारी ऊर्जा की जरूरतें अभी भी उनकी रुक-रुक कर आपूर्ति और उनके उत्पादन और मांग के बीच समय के अंतर के कारण पूरी नहीं हो पा रही हैं। वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा हर समय सस्ती, बेहतर होती जा रही है। हालांकि, हमें अभी तक इन ऊर्जाओं को अप्रभावी, सस्ते, विश्वसनीय तरीके से स्टोर करने का कोई तरीका नहीं मिला है, बिना कचरे के अधिक निर्माण के। यदि जीवविज्ञानी ऐसी बैटरी तैयार कर सकते हैं जो सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों में निहित आंतरायिक समस्याओं पर काबू पाने की अनुमति देती है, तो हम अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वच्छ और प्रचुर स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। बैटरी एक धातु से दूसरी धातु में इलेक्ट्रॉनों को स्थानांतरित करके रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है। इलेक्ट्रॉन छोटे ऋणात्मक आवेशित कण होते हैं। कॉपर-जिंक प्लेट्स धनात्मक और ऋणात्मक ध्रुव बनाती हैं। यह विद्युत प्रवाह का संचालन करता है। यह तब तक चल सकता है जब तक सभी इलेक्ट्रॉन स्थानांतरित हो जाते हैं। इस प्रकार, बैटरी एक ऊर्जा परिवहन उपकरण है। जब बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है, तो हम चार्ज करने के लिए बिजली का उपयोग करते हैं।

एमआईटी में सामग्री वैज्ञानिक डॉ एंजेला बेल्चर वायरस को ऐसे रूपों में विकसित कर रहे हैं जो अर्धचालकों के लिए गैलियम आर्सेनाइड और सिलिकॉन जैसे गैर-जैविक सामग्री को व्यवस्थित कर सकते हैं। उसके प्रयोग ने उसे बैटरी बनाने के लिए नए उपकरण बनाने का विश्वास दिलाया। उसने पाया कि धातु और धातु के आक्साइड विशेष रूप से अच्छा काम करते हैं। वायरस में कोशिका भित्ति या कोई संरचनात्मक तत्व नहीं होते हैं। यह डीएनए/आरएनए के साथ एक प्रोटीन कैप्सूल है। उसने पाया कि वायरस बनाने वाले तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रोड बनाने के लिए किया जा सकता है जो बैटरी बनाने के लिए स्वच्छ और कुशल, नया तरीका खोल सकता है। उसका अगला कदम एक वायरस-आधारित अत्याधुनिक बैटरी है, लेकिन क्या यह बैटरी डैशबोर्ड, सीट कवर, डोर पैनल का रूप ले सकती है? कोई नहीं जानता। कुछ समय पहले तक, यह निर्विवाद था कि कोशिका झिल्ली स्वयं कोशिकाओं और बाहर से पानी के आदान-प्रदान का एक माध्यम है। जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट के आणविक जीवविज्ञानी डॉ पीटर एग्रे ने 1980 में लाल रक्त कोशिका झिल्ली से आरएच प्रोटीन को शुद्ध करने के लिए इसे पहचानने के लिए एक खोज की थी कि झिल्ली में आरएच प्रोटीन होता है जो एक गेट के रूप में काम करता है और एक विशेष पदार्थ वाहन को एक पास के साथ बदल देता है। सेल में प्रवेश। इन प्रोटीनों को एक्वापोरिन के रूप में जाना जाता है।

लाल रक्त कोशिकाओं की एक बड़ी मात्रा से शुरू करते हुए, उन्होंने कोशिका झिल्ली को उसकी बाकी सामग्री से अलग कर दिया। इसके बाद, उन्होंने अन्य उपस्थित प्रोटीनों से सावधानीपूर्वक आरएच प्रोटीन को अलग किया। हम सभी को जीवित रहने के लिए ताजे पानी की आवश्यकता होती है लेकिन यह पृथ्वी के कुल पानी की मात्रा का केवल पांच प्रतिशत है। इसका अधिकांश भाग बर्फ की चादरों और मिट्टी में होता है।

इसलिए, मानव अस्तित्व के लिए जल शोधन महत्वपूर्ण है। यह खोज पानी को शुद्ध करने के लिए कोशिका झिल्ली के सेल प्रोटीन का उपयोग करेगी। अब हम पृथ्वी पर लगभग सभी जीवों में पाए जाने वाले एक्वापोरिन के पूरे परिवार को जानते हैं। एक विशेष अमीनो एसिड स्थान और पैटर्न के एक विशेष पैटर्न पर कब्जा कर लेता है।

एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, थॉमस रॉबर्ट माल्थस के सिद्धांत के विपरीत, दुनिया युद्ध, अकाल और महामारी से घिर जाएगी, लेकिन जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग का अभिसरण हमें बहुत उम्मीद दे रहा है कि हम निराशाजनक भविष्य से बच सकते हैं। मौलिक अनुसंधान में राष्ट्रीय निवेश को प्रोत्साहित करके बायोइंजीनियरिंग में सहयोगात्मक प्रयास के लिए विज्ञान के क्षेत्र के शोधकर्ताओं को एक साथ कैसे लाया जाए जो वैज्ञानिकों को अंत:विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

यह सब होने के लिए हमारे पास जीव विज्ञान के क्षेत्र में अभिसरण-दिमाग वाली नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग होना चाहिए, जहां वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद होलोसीन या एंथ्रोपोसीन के छठे सामूहिक विलुप्त होने को टालने के लिए एक मंच पर काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में गंभीर होती स्थितियां

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

काबुल में 8 मई को एक सहशिक्षा स्कूल के सामने हुए तीन धमाकों में मारे गए अधिकांश लोगों की उपलब्ध नवीनतम संख्या बीबीसी के अनुसार कम से कम 60 व सीएनएन के अनुसार 85 से अधिक है। इनमें अधिकांशत: स्कूल जाने वाली लड़कियां हैं। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इसके पीछे स्पष्ट इरादा अधिकाधिक लोगों को मारना था क्योंकि पहले एक कार बम विस्फोट किया गया और इसके बाद जब लड़कियां घबरा कर स्कूल से भागने लगीं तो दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव धमाके और किए गए। इस घटना से दो सवाल उठते हैं। इस जघन्य अपराध के पीछे किसका हाथ है? तथा, इसके प्रभाव क्या होंगे?

जहां तक पहले सवाल का संबंध है, किसी ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगान सरकार ने इसका आरोप तालिबान पर लगाया है, लेकिन उन्होंने अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए घटना की निन्दा की है। इससे संदेह इस्लामिक स्टेट पर जाता है जिसने काबुल तथा अफ्गानिस्तान में अन्य स्थानों पर आतंकी हमले किए हैं। पिछले महीनों में उसका अधिकांश क्षेत्र छिन जाने के बावजूद उसमें हमले करने की क्षमता बनी हुई है।

संभवत: इस विस्फोट के पीछे तालिबान का ही हाथ है। तालिबानों के बयान पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। इसका कारण यह है कि 8 मई को हुए धमाके तथा आतंकी हमलों की संख्या में वृद्धि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की इस घोषणा के बाद हो रहे हैं कि 11 सितंबर तक अमेरिकी सैनिक अफ्गानिस्तान छोड़ देंगे। तालिबान जानते हैं कि वे चुनाव में नहीं जीतेंगे और न उनका लोकतंत्र में विश्वास है। वे ताकत से अफ्गानिस्तार पर नियंत्रण कर शरीया शासन की स्थापना करना चाहते हैं। क्या वे इसमें सफल होंगे?

यदि वे सफल होते हैं तो क्या होगा? पहले सवाल का जवाब अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा व रक्षा बलों-एएनडीएसएफ की लड़ाकू क्षमता तथा अमेरिका और नाटो सहयोगियों से स्वयं को मिलने वाले समर्थन पर निर्भर होगा। रक्षा बल छोड़ कर भाग जाने तथा सैनिक सेवा में शामिल होने की अनिच्छा के बावजूद एएनडीएसएफकी थल सेना शाखा अफ्गान नेशनल आर्मी-एएनए तालिबान से मुकाबला करने वाली युद्धकौशल में निपुण सेना बन गई है। वह अन्य आतंकी संगठनों से भी मुकाबला कर रही है। इसके कमांडो व विशेष बल खासतौर से सफ्ल रहे हैं।

लेकिन इसके साथ ही यह भी कटु सत्य है कि तालिबानों ने अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों के विशाल भूभाग तथा कुछ शहरों पर अपने नियंत्रण का विस्तार किया है। इसके अलावा वे अफ्गान सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कम से कम 2020 की शुरुआत से कुछ पराजयों का कारण ट्रंप प्रशासन की गलत नीतियां हैं। इनमें तालिबान के साथ चल रही शांति वार्ताओं के कारण सरकारी बलों को 2020 के आरम्भ में केवल रक्षात्मक भूमिका निभाने तथा वार्ता की पूर्व शर्त के रूप में तालिबानों द्वारा अफ्गान जेलों में बंद अपने 5000 लड़ाकुओं को रिहा कराने के लिए अफ्गान सरकार पर दबाव डालने के लिए मजबूर करना शामिल है। रिहा किए गए अनेक लड़ाकू फ्रि लड़ाई के मैदान में पहुंच गए, जबकि उन्होंने ऐसा न करने का वादा किया था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीतियां तथा एएनडीएसएफ के आपरेशनों पर लगाम लगाने के पहले ही अपनी स्थिति मजबूत करने लगे थे। हालांकि, अफ्गान सैनिकों की क्षमता में काफी सुधार हुआ है, पर एक बड़ा सवाल भविष्य में उनको मिलने वाला प्रभावी हवाई समर्थन है। इसने एएनए के अनेक सफ्ल आपरेशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अनुमान के अनुसार, अब इसे 80 से 90 प्रतिशत समर्थन कमजोर मानी जाने वाली अफगान वायुसेना-एएएफ से मिलता है।

लेकिन एएएफ को अमेरिका की व्यापक वायु शक्ति से समर्थन मिलता रहा है। इसके साथ ही अब उसके विमानों व हेलीकाप्टरों का ज्यादातर रखरखाव अंतरराष्ट्रीय ठेकेदार करते हैं जो अमेरिकन सैनिकों के साथ वापस चले जाएंगे। इससे अफ्गान वायुसेना की संगठनात्मक क्षमताओं पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे जारी रहने वाली अमेरिकन सहायता का महत्व रेखांकित होता है। 7 जुलाई, 2012 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश सचिव हिलेरी क्लिंटन ने काबुल में यह घोषणा की थी कि राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अफ्गानिस्तान को अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा दिया है। लेकिन सवाल है कि यह दर्जा कहां तक और किस प्रकार का है? सेना को हथियारों के साथ पैसे की भी जरूरत है। आतंकवाद तथा विद्रोह से मुकाबला करना बहुत खर्चीला काम है। अमेरिका ने 2002 से 2019 वित्त वर्ष तक अफ्गानिस्तान को 86 बिलियन डालर सुरक्षा सहायता दी है। 2014 के बाद से वह एएनडीएसएफ को प्रति वर्ष 5 से 6 बिलियन डालर देता रहा है। लेकिन अपने सैनिकों की वापसी के बाद वाशिंगटन अफ्गानिस्तान को कितनी और किस प्रकार की सहायता देता रहेगा। स्पष्ट रूप से अफगानिस्तान में सैनिक परिदृश्य अधर में है और यही स्थिति अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर है। इस बात के सारे संकेत हैं कि तालिबानों का देश पर फिर से मध्ययुगीन, तानाशाही, धर्मतांत्रिक व्यवस्था थोपने का पक्का इरादा है जिसने अफगानिस्तान को धर्मगुरुओं द्वारा संचालित जेल में बदल दिया था। अहमद रशीद ने 'तालिबान: इस्लाम, आयल एंद द न्यू ग्रेट गेम इन सेंट्रल एशिया' में लिखा है कि तालिबानों द्वारा प्रोत्साहित मूल्यों तथा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 'काबुल में लोगों की जीवनशैली बदल गई है। एक समय सहज भाव से जनता में रहने वाली अफगान महिलाओं को अब सार्वजनिक रूप से नजरों से दूर रहने पर मजबूर होना पड़ा है।' भारत को इस स्थिति पर नजर रखनी होगी। दिसंबर, 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के अपहृत विमान आईसी-814 को जबरन कंधार ले जाने की घटना ने स्पष्ट कर दिया था कि तालिबान सक्रिय रूप से भारत के खिलाफ जैशे मुहम्मद और लश्करे तैयबा को प्रोत्साहित कर रहे थे। क्या इस चुनौती से निपटने के लिए हमारे पास सुसंगत नीति है?

आप की बात

कब बाज आएगा चीन?

देश पहले ही कोरोना संक्रमण महामारी के संकटकालीन दौर से गुजर रहा है। महामारी से जनजीवन बुरी तरह से त्रस्त है। वहीं दूसरी ओर चीन अपनी फितरतों से बाज आने का नाम नही ले रहा है। कोरोना को देश दुनिया मे फैलाकर विश्व पटल पर तो छवि धूमिल कर ही ली। परन्तु भारत चीन की सैनिकों को हटाने की समझौते नीति को भी अनदेखी कर भारत मे अशांति फैलाने का दिवा स्वप्न देखने की फितरत में लगा है। सूत्रों द्वारा ज्ञात है कि चीन ने फिर पैंगोंग के पास भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा, सैनिकों का जमावड़ा शुरू कर दिया है। सैनिक अड्डों के आधुनिकीकरण में जुटकर नए हेलीपोर्ट और बैरक बना रहा है। उधर चीन ने अक्साई चिन के इलाकों में बैरक बनाकर हथियारों को छिपाकर रखा है। यही नहीं सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार चीन ने रूटोंग में युद्धक वाहन, हथियारों का जखीरा, जवानों को गरम रखने के टेंट बनाकर रखे। समझ से परे लगता है चीन का बर्ताव आखिर इस तरह की फ़ितरतों से भारत को क्या जताना चाहता है? समझौता नीति को दरकिनार कर चीन समझौते के बाद भी देपसांग प्लेन, गलवान घाटी, पैंगोंग झील के पास बड़ी तादाद में सैनिकों का जमावड़ा कर अपनी ओछी मानसिकता का परिचय नहीं दे रहा?

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

छात्रों की उलझन

पिछले साल लॉक डाउन के बाद से, शिक्षा व्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं लौट सकी। ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा को ना से हां करने का सिलसिला जारी हैं। ऐसे में यह सोचना किसी अतिशयोक्ति से कम नहीं होगा कि जो बच्चे बारहवीं के बोर्ड विद्यार्थि हैं, और शिक्षा में उतने ओजस्वी भी नहीं, क्या वे परीक्षा में सफल हो पाएंगे? इतना ही नहीं, जब सामान्य तरीके से कक्षाएं चलती थी तो स्थितियां गडबड रहती थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।महामारी के बढ़ते आकड़े और राज्यों के द्वारा लगाया जा रहा लॉक डाउन, परीक्षाओं को बाधित किया है। सीबीएसई, आईसीएसई समेत कई राज्य बोर्ड ने भी दसवीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के, आंतरिक एवं पिछले परिणाम के आधार पर, नियम बनाकर मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। जो कि प्रशंसा करने योग्य हैं। वहीं बारहवीं की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। ऐसे में ये निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है कि आखिरकार परीक्षाएं होंगी भी या नहीं। चूंकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी करनी पड़ती है। इस विषम परिस्थिति में, छात्र उलझन में है। क्या वे अभी भी बोर्ड की तैयारी में जुटे रहे या फिर आगामी भविष्य को लेकर पढ़ाई शुरू करें।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

अमेरिकी दखलंदाज़ी

एक तरफ अमेरिका भारत से हमदर्दी जताता रहा है और संकट के समय मदद भी करता है मगर अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उसे हमारे आंदोलन ही मामलों में दखलंदाजी का भी शौक है। भारत में अल्पसंख्यक मामलों पर चिंता और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर उसे एतराज भी है। दिल्ली दंगों का भी उसे दर्द है। कुल मिलाकर वह भारत की उन समस्याओं को लेकर दिलचस्प है जो हमारे यहां विवादास्पद रही है। वैसे हमारे आंतरिक मामलों में दखल की यह कोई अमेरिका की कोई नई पहल नहीं है पर भारत सरकार के सुस्त रवैए के कारण वह समय पर अपना दुख जाहिर करता रहता है। अपनी एक रिपोर्ट में इन दर्दों को अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने जाहिर करते हुए दिल्ली दंगों, तबलीगी जमात, सीएए जैसे मुद्दों को हवा देने का काम किया है। प्रवक्ता ने जमकर भारत को कोसा और अमेरिकी सलाह मानने की बात कही। अब सवाल यह उठता है कि अमेरिका हमारे आंतरिक मामलों में दखल देने वाला होता कौन है?

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

प्रदेश में अब आक्सीजन की कमी नहीं है। मैं किसान नेताओं से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने की पुन: अपील करता हूं।

– **एमएल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री

हरियाणा में स्थिति पड़ोसी राज्य दिल्ली से भी बुरी है। स्वास्थ्य मंत्री को स्थिति संभालने में विफलता के चलते त्यागपत्र दे देना चाहिए।

– **अभय सिंह चौटाला**
इनेलोद नेता

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना देगी कोरोना से मृत्यु पर दो लाख की राशि: राज्यमंत्री

मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना में भी परिजनों को मिलेगा मुआवजा

पीएल वर्मा। कैथल

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि कोरोना से जूझते हुए किसी व्यक्ति की जान चली जाती है तो प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत उसके परिजनों को भी मुआवजा मिलेगा। इसके लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत पंजीकरण करवाना जरूरी है।

हरियाणा सरकार एक तरफ जहां कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए तमाम प्रयास कर रही है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि इस महामारी की चपेट में आए लोगों और उनके परिजनों को किस तरह से राहत देकर उनकी पीड़ा को कम किया जाए।

जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ मिल सके

राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने जारी ब्यान में कहा कि कोविड महामारी के बीच बीपीएल परिवारों के लिए बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का प्रीमियम सरकार की ओर से देने का निर्णय लिया है। गरीब परिवार बैंक में जाकर फार्म भरें ताकि उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ मिल सके। बीपीएल या एक लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवार के 18 से 50 वर्ष तक के नागरिक इस योजना के लिए पात्र है। पंजीकरण करवाने वाले नागरिक के परिवार को कोरोना समेत किसी भी कारण से 31 मई के बाद प्राकृतिक मृत्यु होने पर दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। बीपीएल परिवार के 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति की 1 मार्च से 31 मई 2021 तक कोरोना के कारण मृत्यु हो गई है तो उन्हें भी 2 लाख रुपए का एक्स-ग्रेशिया अनुदान दिया जाएगा।

योजना के लिए 25 मई तक बैंक में फार्म भरा जा सकता है

राज्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बीपीएल या एक लाख 80 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाला परिवार सीएमपीएसवाईडाटहरियाणाडाटजीओवीडाटईन पर पंजीकरण करवा सकता है या फिर सीएससी से भी सम्पर्क किया जा सकता है। इसके बाद प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए 25 मई तक बैंक में फार्म भरा जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को 330 रुपये की बीमा प्रीमियम राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके लिए प्रीमियम की पहली किस्त खाताधारक के खाते में होनी जरूरी है। जैसे ही उसके खाते से किश्त का प्रीमियम कटेगा तो सरकार की ओर से उसके खाते में प्रीमियम की राशि जमा करवा दी जाएगी। यह योजना 18 से 50 वर्ष तक की आयु के लोगों के लिए है, जिसका सालाना प्रीमियम 330 रुपये है। बीपीएल के पात्र परिवारों के लिए इस योजना का प्रीमियम उनके खाते से कटने के बाद भविष्य में भी हर वर्ष उनके खाते में जमा करवाया जाता रहेगा। इस योजना के तहत प्रदेश के पात्र व्यक्ति की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर परिवार को दो लाख रुपये का बीमा लाभ मिलता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को संक्रमण से बचाने को करें जागरुक: मंत्री

मंत्री जेपी दलाल बोले, दो-तीन दिनों में सभी गांवों को किया जाए सैनेटाइज

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

प्रदेश के कृषि एवं पशु पालन मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि कोविड संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों का पुख्ता प्रबंध किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी एवं चिकित्सक आपसी तालमेल बनाकर कार्य करें ताकि किसी भी व्यक्ति की संक्रमण के कारण जान न जाएं।

कृषि एवं पशु पालन मंत्री दलाल कोविड-19 को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के दृष्टिगत प्रदेशभर में ऑक्सीजन, वेंटीलेटर, बेड तथा मेडिसिन सहित सभी प्रकार के सामान की समुचित व्यवस्था की गई है। संक्रमण के दृष्टिगत दो-तीन दिनों में जिला के सभी गांवों में सैनेटाइजर का छिड़काव किया जाए। गांवों में आईसोलेशन सेंटर स्थापित किए जाए ताकि लोगों को ग्राम स्तर पर ही सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि आईसोलेशन सेंटरों में संक्रमित लोगों की निगरानी रखने के लिए टीमें गठित की जाए।

अगर किसी व्यक्ति को आईसोलेशन सेंटर से अस्पताल में ले जाना पड़े तो उसे एबुंलेस की सुविधा मुहैया करवाई जाएं। कृषि मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जागरूक किया जाए। संक्रमण की जांच के साथ-साथ वैक्सीनेशन की टीमों में बढ़ोतरी की जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा सकें।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं चिकित्सक टीम भावना के साथ कार्य करें ताकि जिला में कोविड के कारण होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सकें।

उन्होंने कहा कि स्थानीय सिविल अस्पताल में कोविड से संक्रमित आने वाला कोई भी रोगी वापस नहीं जाना चाहिए। उन्होंने लघु सचिवालय परिसर में स्वदेशी जागरण मंच सेवा भारती द्वारा आक्सीजन सेवा आपके द्वार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शहर को सैनेटाइज करने के लिए नप चेयरमैन रणसिंह ने 10 ट्रैक्टर किए रवाना

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

कोरोना महामारी संक्रमण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्याप्क प्रबंध किए जा रहे हैं। एक तरफ जहां प्रशासनिक अधिकारी लोगों को मास्क, सैनेटाइजर वितरित कर कर रहे है तो वही दूसरी तरफ नागरिकों को सोशल डिस्टेंसिंग व वैक्सीन लगवाने बारे भी जागरूक किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में आज सोमवार को जननायक जनता पार्टी व नगर परिषद द्वारा संयुक्त अभियान के तहत शहर को सैनेटाईज करने का अभियान चलाया।

इस अभियान के तहत नगर परिषद द्वारा 10 ट्रैक्टरों को शहर में सैनेटाइजेशन के लिए रवाना किया गया। इस दौरान नगर परिषद चेयमैन रणसिंह यादव, नप उपाध्यक्ष एवं जजपा शहरी प्रधान मामनचंद्र, कार्यकारी अधिकारी संजय यादव, सफाई निरीक्षक विकास देशवाल ने ट्रैक्टर के काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर चेयरमैन रणसिंह यादव ने कहा कि कोरोन संक्रमण महामारी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा एक तरफ जहां प्रचार वाहनों के द्वारा नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है तो वही दूसरी तरफ मास्क, सैनेटाइजर वितरित कर सोशल डिस्टेंसिंग के पाठ भी पढ़ाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में सोमवार को नगर परिषद द्वारा 10 ट्रैक्टरों को रवाना किया गया है, जो शहर को सैनेटाइज करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सैनेटाइजेशन करने का मकसद यही है कि लोग कोरोना महामारी से बचे रहें

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास की घटना में शामिल गिरफ्तार

सोनीपत। थाना शहर गोहाना की पुलिस ने हत्या प्रयास की घटना में शामिल युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहित उर्फ लेफ्टी, गुरमीत व नाबालिग साथी आरोपी गौतम नगर गोहाना जिला सोनीपत के रहने वाले हैं। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि 14 मई को साहिल निवासी गौतम नगर गोहाना ने थाना शहर गोहाना में शिकायत दी थी कि नसीब, अमन निवासी गौतम नगर गोहाना व इनके साथियों ने मुझे जान से मारने की नीयत से फायर किया है। अनुसंधान टीम ने घटना में शामिल मोहित उर्फ लेफ्टी, गुरमीत व नाबालिग साथी आरोपी गौतम नगर गोहाना को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए युवकों से प्रारंभिक पूछताछ करने पर बताया कि पहले हुई कहासुनी की रंजिश को लेकर इस घटना को अंजाम दिया था। युवकों को न्यायालय में पेशकर नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह व मोहित तथा गुरमीत को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है। शीघ्र ही घटना में शामिल अन्य को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लॉकडाउन के चलते अवैध शराब के जखीरे का भंडाफोड़

सोनीपत। थाना राई की पुलिस ने लॉकडाउन के चलते भारी मात्रा में अवैध शराब से भरे ट्रक को बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि थाना राई टीम जीटी रोड की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें सूत्रों से पता चला कि शिव शक्ति ढाबा के नजदीक ट्रक नंबर एमपी-09एचजी-5160 में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए ट्रक को काबू कर तलाशी लेने पर इसके अन्दर 460 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब मिली। जिस पर चंडीगढ़ डिस्टलरी व सिरमौर हिमाचल प्रदेश का मार्का लगा हुआ है। अवैध शराब को हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ से लाकर अरूणाचल प्रदेश में सप्लाई करना था। शीघ्र ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मंत्रोच्चारण के साथ शिवा चौक पर किया हवन-यज्ञ

सोनीपत। करोना वायरस से बचाव एवं वातावरण की शुद्धि के लिए देव नगर स्थित शिवा चौक पर सोमवार को नागरिकों की तरफ से मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। नागरिकों ने यज्ञ के माध्यम से प्रभु के चरणों में जल्द से जल्द कोरोना का कहर खत्म करने के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश प्रभारी राजीव जैन ने कहा कि कोरोना के वायरस को वैदिक एवं स्नातक पद्धति से घर-घर में हवन यज्ञ एवं गूगल-लोबाण की धूमनी करके नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सुरक्षा ही बचाव के सिद्धांत का पालन करते हुए हमें करोना से लड़ना है। पूर्व मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कविता जैन द्वारा शुरू की गई धूमनी यात्रा जटवाड़ा, हनुमान नगर, सैनीपुरा, कोट मोहल्ला, बड़ा बाजार, लाल दरवाजा, महावीर कॉलोनी, वाल्मीकि कॉलोनी, फैज बाजार, राम बाजार, प्रेम नगर, टीचर कॉलोनी, इंद्रा कॉलोनी, न्यू कॉलोनी, राजिंदर नगर, अशोक नगर, कच्चे कवाटर, ब्रह्म कॉलोनी,4 मरला, आनंद नगर, नदवानी नगर, शिवाजी कॉलोनी आदि क्षेत्रों से निकली और नागरिकों ने रथ को रोक रोक कर हवन कुंडों में आहुति डाली।

कहरोड महासभा ने कोविड बचाव के चिकित्सा उपकरण दिए

भिवानी। कहरोड पक्का महासभा के कहरोड रतन रहे हरि नारायण चौधरी की याद में उनके सुपुत्र लव चौधरी व कैलाश चौधरी द्वारा चलाई जा रही चौधरी हरी नारायण मेमोरियल ट्रस्ट वह उनकी सहयोगी आरोहण दिल्ली नोएडा से संचालक सोनाली द्वारा केहरोड पक्का महासभा चैरिटेबल हॉस्पिटल में कोविड-19 के चलते कुछ चिकित्सा उपकरण हॉस्पिटल के लिए दान में दिए गए। इसमें एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर 50 पीपी किट, 1000 फेस मास्क, एक नेउबुलाइजर, 5 पल्स ऑक्सीमीटर दिए गए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में इस बीमारी के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए गांव सुई ओर गुजरानी के पीएचसी सेंटर में 10 पीपी किट, 1000 फेस मास्क, 2000 टेबलेट पैरासिटामोल, 5 ऑक्सिमेटर, एक नेउबुलायजर, एक स्टीमर दिए गए। इसके लिए कहरोड महासभा दिल्ली के प्रधान नरेश जुनेजा, भिवानी से प्रधान अशोक सरदाना, हॉस्पिटल डिप्टी चेयरमैन पार्षद हर्षदीप डुडेजा, एल्डरमैन शुशील सरदाना मैनेजिंग कमेटी के सदस्य संजय दुआ और अंचल अरोड़ा द्वारा दोनों संस्थाओं का हार्दिक आभार जताया। इन संस्थाओं द्वारा इस कोरोना महामारी में गरीब लोगों के लिए जो सहायता की जा रही है वह कार्य बहुत सहरानीय है।

सालोचना पोटलिया बनी दोबारा महिला जिलाध्यक्ष

भिवानी। सालोचना पोटलिया को दोबारा से जननायक जनता पार्टी ने महिला जिला अध्यक्ष बनाया। इस मौके पर सालोचना पोटलिया ने अपनी नियुक्ति पर जजपा के संरक्षक अजय चौटाला, विधायक नैना चौटाला, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, इनसो राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, महीला प्रदेश अध्यक्ष शीला भ्यान व जिला अध्यक्ष विजय गोठड़ा का आभार प्रकट किया हैं। पोटलिया ने कहा कि शीर्ष नेताओं ने उन्हे जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसका वे बड़ी ईमानदारी व लग्न से निर्वहन करेंगी। पार्टी के कार्यकर्ताओं की नेताओं के सक्षम पैरवी भी करेंगी। उन्होंने कहा कि वे भाजपा-जजपा द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगी। कार्यकर्ताओं से अपील भी करेंगी कि भाजपा-जजपा द्वारा चलाई जा रही नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएं।

दो दिवसीय कैम्प में 191 पत्रकारों को लगे वैक्सीन के टीके

भिवानी। मीडिया सेंटर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आज सोमवार को मीडिया कर्मियों एवं उनके परिजनों को कोविड-19 की वैक्सीन दी गई। ये जानकारी देते हुए जिला में टीकाकरण अभियान के इंचार्ज डाक्टर आशीष सांगवान ने बताया कि उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य के निर्देशानुसार रविवार व सोमवार को मीडिया कर्मियों एवं उनके परिजनों का टीकाकरण किया गया। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा संतभ बताते हुए उन्होंने कहा कि रिपोर्टर फ्रंट लाइन में आते हैं।

सीबीएलयू ने ऑनलाइन परामर्श को जारी किए हेल्पलाइन नंबर

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

वैश्विक महामारी में जिला प्रशासन के साथ सामाजिक एवं शिक्षण संस्थान कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। इसमें चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय द्वारा कोविड महामारी के खिलाफ जंग में अनेक कारगर कदम उठाये जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल के कुशल नेतृत्व एवं कुलसचिव जितेन्द्र भारद्वाज के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा एनएसएस वालंटियर्स की टीमों का गठन किया है। ये टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में ताश नहीं खेलने, सामूहिक हुक्का प्रयोग एवं सामूहिक बैठक नहीं करने, मास्क लगाने, हाथ साबुन से धोने एवं सैनेटाइज करने, उचित शारीरिक दूरी अपनाने के साथ साथ टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित करने में लगे हैं। इसके समन्वय एवं संचालन के लिए डीन विद्यार्थी कल्याण डाक्टर सुरेश मलिक के कॉर्डीनेशन में की समिति बनाई गई है।

क्रिकेटर सुमित नरवाल ने दिए 85 हाई प्रेशर फ्लो मीटर और तीन ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कोरोना महामारी से बचाव को लेकर संसाधन जुटाने में सरकार दिनरात जुटी हुई है। इसी कड़ी में करनाल के रहने वाले क्रिकेटर सुमित नरवाल ने भी आज फिर से जिला प्रशासन की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है।

सुमित नरवाल ने सोमवार को लघु सचिवालय पहुंचकर उपायुक्त निशांत कुमार यादव को कोरोना मरीजों की मदद के लिए 85 हाई प्रेशर फ्लो मीटर तथा 10-10 लीटर के तीन ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर दिए हैं। जिसमें से दो पुलिसकर्मियों एवं एक मीडिया कर्मियों के लिए दिया है। इससे पहले भी चार ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर दे चुके हैं। इस मौके पर उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने क्रिकेट सुमित नरवाल द्वारा कोरोना महामारी से बचाव के संबंध में संसाधन जुटाने पर हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन की ओर से धन्यवाद किया।

आणविक प्रयोगशाला से 24 घंटे में मिलेगी कोविड रिपोर्ट : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

रेवाडी लैब में अब तक हुए एक लाख 35 हजार 788 लोगों के टेस्ट,

कोविड संक्रमण की रिपोर्ट मिलने में अब देरी नहीं होगी, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग रेवाडी की आणविक प्रयोगशाला में अब 16 से 24 घंटे में कोविड रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। रिपोर्ट एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी। यदि किसी नागरिक को बाहर जाने के लिए हार्ड कॉपी की जरूरत हो तो वे नागरिक अस्पताल रेवाडी के कमरा नंबर 117 से कॉपी ले सकते है। जिला के पीएचसी सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर से भी रिपोर्ट की कॉपी ली जा सकती है।

यह जानकारी देते हुए डीसी यशेन्द्र सिंह ने बताया कि कोविड टैस्ट कराने वालों को अब 16 से 24 घंटे में रिपोर्ट मिल जाएगी, इससे पॉजिटिव केस का जल्दी पता चल जाएगा तथा कोरोना की चैन को तोड़ने में अब मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देर से रिपोर्ट मिलने के कारण टेस्ट कराने वाले नागरिक इधर-उधर घूमते रहते थे। रिपोर्ट का इंतजार करते थे, लेकिन अब रिपोर्ट जल्द मिल जाएगी। पॉजिटिव केसों पर फोकस रहेगा।

सीएमओ डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि रोजाना लगभग 1500 नागरिकों के टेस्ट किए जा रहे है। अब कोई रिपोर्ट लम्बित नहीं है। उन्होंने कहा कि कोविड टेस्ट के लिए डॉ गजेन्द्र द्वारा आरटीपीसीआर मशीन देने से टेस्टिंग की क्षमता बढ़ी है। आणविक प्रयोगशाला रेवाड़ी के नोडल अधिकारी डॉ जोगेन्द्र तंवर ने बताया कि 16 मई को प्रात: 8 बजे से शाम 8 बजे तक 1522 नागरिकों के टेस्ट किए गए। जिनमें से 205 पॉजिटिव पाए गए है। उन्होंने बताया कि लैब में अब 24 घंटे काम किया जा रहा है ताकि कोविड की कोई रिपोर्ट लम्बित न रहे। उन्होंने बताया कि रेवाडी आणविक प्रयोगशाला में अब तक एक लाख 35 हजार 788 लोगों का टेस्ट किया गया।

ऑनलाइन राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ करते डीसी पूनिया।

ऑनलाइन होने वाली प्रतियोगिताओं से बच्चों को मिलेगी तनाव से मुक्तिः डीसी

उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष श्याम लाल पूनिया ने हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा 17 मई से 06 जून तक आयोजित ऑनलाइन राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर का ऑनलाइन शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस सिविल में बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ाने के लिए 36 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिसमें बच्चे घर बैठे ऑनलाइन इस प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे।

उपायुक्त पूनिया ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान काफी समय से प्रदेश के सभी विद्यालय में सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन छुट्टियों की घोषणा की गई है, जिसके कारण काफी समय से बच्चे स्कूलों में नहीं जा पाए। बच्चे काफी दिनों से किसी गतिविधियों में शामिल नहीं हो पाए, जिसके कारण बच्चों पर मानसिक तनाव बना हुआ है। जिसको देखते हुए बाल कल्याण परिषद ने बच्चों को तनाव से मुक्त करने के लिए एक अनोखी पहल की शुरूआत की है। बाल कल्याण विभाग विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर के आयोजन से बच्चों को तनाव से तो मुक्ति मिलेगी ही इसके साथ-साथ उनका मानसिक विकास भी होगा। उपायुक्त ने कहा कि इस ग्रीष्मकालीन शिविर में प्रतियोगिताओं के लिए बच्चों को 04 आयुवर्गों में बांटा गया है। इस शिविर के माध्यम से विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा हुड्डा ने कहा कि राज्यस्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए बच्चों को ऑनलाइन परिषद की वेबसाईट पर दिए क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए जिला बाल भवन में संपर्क कर सकते हैं।

बिना मास्क 356 व्यक्तियों और 164 वाहन चालकों के चालान

बगैर मास्क के युवक का चालान करता पुलिसकर्मी।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाने के लिए बिना मास्क घूमने वालों के चालान किए गऐ हैं। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि लॉकडाउन के चलते सोनीपत पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर बिना मास्क घूमने वाले 356 व्यक्तियों तथा 164 वाहन चालकों के चालान किए गए हैं, सात वाहनों को जब्त किया गया। इसी के साथ उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूल किया गया। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क पहनना व सामाजिक दूरी का पालन करना जरूरी है। इसी के साथ दुकानदारों को भी निर्देश दिये गये कि अपनी दुकान पर ग्राहकों की भीड़ एकत्रित ने होने दें और उचित दूरी बनाये रखें।

हिसार में किसानों पर लाठीचार्ज करना कायरतापूर्ण हमला: विजय

भिवानी। इनेलो जिला अध्यक्ष दादरी विजय पंचगांव ने कल रविवार को हिसार में किसानों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निन्दा की। बताया किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ना सरकार की विफलता दर्शाती है। आज प्रदेश में कानून नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रदेश में चारों तरफ जंगलराज है। पंचगांव ने बताया एक तरफ पूरे देश एवं प्रदेश में कोराना महामारी के कारण सब अस्त व्यस्त है, वहीं प्रदेश का मुख्यमंत्री रिबन काटकर तालियां बजवा रहा है। जबकि लाकडाउन के नियम के अनुसार शादी समारोह, अंतिम संस्कार यात्रा में 11 व्यक्तियों से ज्यादा नहीं होने चाहिए। पर वहीं हिसार में मुख्यमंत्री रिबन काटते समय सभी नियमों की धज्जियां उड़ा रहे थे। क्या इस प्रदेश एवं देश में आम जनता और सत्तापक्ष के लिए अलग अलग नियम है। पंचगांव ने आगे बताया एक तरफ तो भाजपा जजपा गठबंधन सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लगाती है।

महिंद्रा ने एम-प्रोटेक्ट कोविड प्लान के साथ किसानों का समर्थन किया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

महिंद्रा ट्रैक्टर खरीदने पर किसान पाएं एक लाख रुपये का कोविड हेल्थ इंश्योरेंस और पूर्व-स्वीकृत आपातकालीन वित्तीय सहायता

महिंद्रा एंड महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर, जो 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले महिंद्रा ग्रुप का एक घटक है, ने एम-प्रोजेक्ट कोविड प्लान लॉन्च किया है। यह महिंद्रा द्वारा शुरू की गयी एक नयी ग्राहकोन्मुखी पहल है, जो इस चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय किसानों को समर्थन देने के लिए संकल्पित है।

प्रगति के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एम एंड एम लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के प्रेसिडेंट, हेमंत सिक्का ने कहा, महिंद्रा में हम अपने ग्राहकों और समुदाय की बेहद परवाह करते हैं और कोविड से संबंधित चुनौतियों को दूर करने के लिए सबसे जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमने कई पहल की है। हमारा नया एम-प्रोटेक्ट कोविड प्लान उस दिशा में किसानों को लक्षित एक नई पहल है, क्योंकि हम इस कठिन समय में भी सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उनके साथ खड़े हैं। एम-प्रोटेक्ट के साथ हमें एक कोविड संबंधित घटना के प्रभाव को कम करने के लिए उनकी सेवा और समर्थन करने का सौभाग्य मिला है। एम-प्रोटेक्ट के साथ हम आशा करते हैं कि हमारे किसान स्वस्थ जीवन जीते रहेंगे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म डिविजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, शुभब्रत साहा ने कहा, मई और जून किसान समुदाय की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण महीने हैं और कोविड-19 कई चुनौतियां लेकर आया है। हमारी नई एम-प्रोटेक्ट कोविड योजना का उद्देश्य किसानों की चिंताओं को कम करना है क्योंकि हम इन महत्वपूर्ण कृषि संबंधी महीनों में उनका समर्थन करते हैं। एम-प्रोटेक्ट के माध्यम से हम इन चुनौतीपूर्ण समय के दौरान किसान को राहत देने के लिए स्वास्थ्य, वित्तीय और बीमा से संबंधित सुरक्षा प्रदान करेंगे, उनकी और उनके परिवारों की सुरक्षा करेंगे। मैं अपने चैनल भागीदारों को हमारे किसान ग्राहकों को दिए गए अपार समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। महिंद्रा के एम-प्रोजेक्ट कोविड प्लान का उद्देश्य महिंद्रा ट्रैक्टर के नये ग्राहकों और उनके परिवारों को कोविड-19 संक्रमण के संपर्क में आने के संभावित परिणाम से बचाना है।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

शब्द हैं जो सहारा देते हैं,
शब्द हैं जो इशारा देते हैं,
जब जिंदगी मंझधार में फसती है,
शब्द हैं जो किनारा देते हैं।

कोरोना के प्रति फैलाएं जागरुकता और लोगों की करें मदद: दुष्यंत

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने 90 विधानसभा क्षेत्रों का जाना हाल, पदाधिकारियों को चौटाला ने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में कोरोना महामारी की स्थिति का जायजा लेते हुए जननायक जनता पार्टी के सभी हलका स्तर के पदाधिकारियों से आह्वान किया है कि जब तक प्रदेश कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पूरी तरह से नहीं निपट लेता है, तब तक वे हर समय मदद के लिए तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि जिसमें चाहे लोगों को कोरोना बचाव व वैक्सीनेशन करवाने के प्रति जागरूक करना हों, गांवों में आइसोलेशन वार्ड स्थापित करने हो, सैनेटाइजर, मास्क आदि उपलब्ध करवाना हो या फिर जरूरमंदों तक सहायता पहुंचानी हो। हम सबको मिलकर इन सभी दिशाओं में मजबूत कदम आगे बढ़ाकर जल्द महामारी पर काबू पाना है। वे पार्टी के सभी हलका प्रधानों, जोन व ब्लॉक प्रभारियों के साथ वर्चुअल मीटिंग कर रहे थे।

बावल हल्का प्रधान राजबीर तिहाडा ने भी रखी क्षेत्र की बात

इस अवसर पर बावल से हल्का प्रधान राजबीर तिहाडा ने भी बात रखते हुए कहा कि बावल क्षेत्र के गांव में आइसोलेशन सेंटर बनाए जाए और साथ ही टेस्टिंग बढ़ाई जाए, उन्होंने कहा कि रीको द्वारा बनाए जा रहे 100 बेड हॉस्पिटल को जल्द शुरू किया जाए जिससे कि जल्द इस महामारी पर काबू पाया जा सके और लोगों को सुविधा मिले।

डिप्टी सीएम ने कहा कि राज्य सरकार इस महामारी के रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार होम आइसोलेट कोरोना संक्रमित को उनके घर पर ही ऑक्सीजन मुहैया करवा रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जरूरतमंद रोगी पोर्टल पर अपना पंजीकरण करके ऑक्सीजन प्राप्त कर सकते है। वहीं सभी प्रदेशवासी कोरोना वैक्सीनेशन के लिए पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर टीकाकरण करवाएं।

उपमुख्यमंत्री ने पार्टी पदाधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वैक्सीनेशन करवाने और आइसोलेट कोरोना संक्रमित को ऑक्सीजन मुहैया करवाने के लिए सरकार द्वारा जारी दोनों पोर्टल के बारे में लोगों को जागरूक करें ताकि किसी को ऑक्सीजन लेने और वैक्सीनेशन करवाने में कोई परेशानी न हो। इसके अलावा पार्टी पदाधिकारी गांवों में बन रहे आइसोलेशन वार्डों की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाले ताकि कोरोना संक्रमितों को गांवों स्तर पर ही आइसोलेट करके उनका बेहतर उपचार किया जा सके। इससे गांवों में संक्रमण के फैलाव पर काबू पाया जा सकेगा।

अब स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं देंगे नॉन हेल्थ विभागों के कर्मचारी

प्रदेश सरकार ने तीस हजार कर्मचारियों को दिया आपात प्रशिक्षण

एजुसेट के माध्यम से घर बैठे ट्रेंड होंगे बच्चे

प्रशिक्षण में सिखाया जा रहा प्राथमिक उपचार देना

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में नॉन हेल्थ विभागों के करीब तीस हजार कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग में सहयोगी के रूप में सेवाएं देंगे। इसके लिए ट्रेनिंग का पहला चरण समाप्त हो चुका है। दूसरे विभागों से डयूटी देने वाले कर्मचारियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात कर दिया गया है।

हरियाणा में कोरोना की दूसरी लहर तेजी से बढ़ रही है। सरकार को आशंका है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है। ऐसे में सबसे ज्यादा मुश्किल ग्रामीण क्षेत्रों में आ रही है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं का ढांचा अधिक मजबूत नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना अपनी दस्तक दे चुका है। जिसके चलते सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के डाक्टरों, एएनएम तथा अन्य हेल्थ वर्करों के सहयोग के दूसरे विभागों के कर्मचारियों को भी तैनात करना शुरू कर दिया है।

स्टेट इंस्टीट्यूट हेल्थ एंड फैमिली वैलफेयर के माध्यम से पिछले एक सप्ताह के दौरान शिक्षा विभाग के साढे सात हजार,पंचायती राज विभाग के 15 हजार तथा पशु पालन विभाग के सात हजार चिकित्सकों व हेल्परों तथा तीन हजार के करीब आंगनवाड़ी वर्करों को हेल्थ ट्रेनिंग दी जा चुकी है। आने वाले दिनों में अन्य विभागों से भी ऐसे कर्मचारियों को लिया जाएगा जिनकी वर्तमान में कम जरूरत है। इन सभी कर्मचारियों को ट्रेनिंग देकर स्वास्थ्य विभाग की मदद के लिए तैनात किया जा रहा है।

बच्चों में कोरोना संक्रमण न फैले इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग अभी से अलर्ट हो गया है। जिसके चलते बच्चों को कोरोना से बचाव के लिए ट्रेनिंग का कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक लिंक एजुसेट के माध्यम से जारी किया गया है। जिसे प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा स्कूली विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को दिखाया जाएगा। एजुसेट के माध्यम से बच्चों तथा अध्यापकों को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें प्राथमिक उपचार देने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग द्वारा नॉन हेल्थ विभागों के जिन कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है उन्हें होम आइसोलेशन मरीजों को प्राथमिक उपचार देने की विधि बताई जा रही है।

जिसके तहत बीपी की जांच करना, शरीर का तापमान देखना, स्टीम देने, आक्सीजन मापना, आक्सीजन पंप लगाना आदि के बारे में बताया जाता है। इसके अलावा सबसे अहम कोरोना के संदिग्ध रोगी के साथ व्यवहार करने के बारे में सिखाया जा रहा है। इस बारे में दो-दो मिनट के वीडियो उनके मोबाइल पर भेजे जा रहे हैं। जिसके माध्यम से वह घर बैठे ही प्रैक्टिस कर सकते हैं।

बच्चों को भी जागरुक किया जाएगा

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग कोरोना से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अन्य विभागों के करीब तीस हजार कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर फील्ड में उतारा जा चुका है। इसके अलावा एजुसेट के माध्यम से बच्चों को भी जागरूक किया जाएगा। सभी जिलों के उपायुक्तों तथा सिविल सर्जनों को सरकार द्वारा गाइडलाइन भेजी जा चुकी है। प्रदेश के करीब सात हजार गांवों में स्वास्थ्य उपकरण भेजे जा चुके हैं। इसके अलावा ग्रामीणों का भी सहयोग लिया जा रहा है।

उषा गुप्ता, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा।

गुरुग्राम, फरीदाबाद और रोहतक से आए सर्वाधिक ब्लैक फंगस मरीज

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अब तक प्रदेश के अस्पतालों में आ चुके हैं 80 मरीज

स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यालय पर बनाई स्टेट टास्क फोर्स

हरियाणा में एक तरफ जहां कोरोना संक्रमण जोरों पर है वहीं ब्लैक फंगस भी तेजी से पांव पसार रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अब तक 80 मरीज सामने आ चुके हैं। इस बीमारी से अछूता चल रहे पंचकूला जिला में भी सोमवार को ब्लैक फंगस का पहला रोगी सामने आ चुका है।

ब्लैक फंगस को देखते हुए सरकार ने प्रदेश स्तर पर पंचकूला मुख्यालय में जहां स्टेट टास्क फोर्स के गठन के निर्देश जारी कर दिए हैं वहीं प्रदेश वासियों के लिए एडवाइजरी भी जारी कर दी है। हरियाणा में पिछले दो सप्ताह से ब्लैक फंगस के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश के करीब 12 जिलों से ब्लैक फंगस के मामले सामने आ चुके हैं लेकिन सर्वाधिक केस गुरुग्राम, फरीदाबाद और रोहतक से आ रहे हैं। इसके अलावा हिसार, फतेहाबाद, करनाल व पंचकूला आदि में अभी स्थिति नियंत्रण में हैं। अभी तक फंगल इंफेक्शन के जो मामले सामने आए हैं उनमें ज्यादातर वह रोगी हैं जिनका कोरोना संक्रमण के दौरान शुगर बढ़ा हो और उन्हें आक्सीजन स्पोर्ट पर रखा गया हो। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इसे पोस्ट कोविड बीमारी की संज्ञा दी है। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की निदेशक डाक्टर उषा गुप्ता के अनुसार यह बीमारी आंख, नाक, गले के तलवे में पाई जा रही है।

जिसमें रोगी के शरीर का एक हिस्सा काला पड़ रहा है। डाक्टर गुप्ता ने बताया कि मुख्यालय पर इसके लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिसमें ईएनटी, जबड़े, आंखों तथा मेडिसिन के डाक्टर को शामिल किया गया है। यह टास्क फोर्स पीजीआई रोहतक के डाक्टरों के साथ तालमेल करके प्रदेश में ब्लैक फंगस के उपचार को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि स्टेट टास्क फोर्स द्वारा ब्लैक फंगस के अब तक आए केसों पर स्टडी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से निपटने के लिए दवाईयों का भी प्रबंध कर लिया गया है।

डायबिटीज रोगियों के लिए वरदान है ग्रीन टी: डा. नेहा

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

आज के भागदौड़ भरे व तनावपूर्ण जीवन में ग्रीन टी डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। शोध में पाया गया है कि ग्रीन टी ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में सबसे कारगर साबित हो रहा है।

पारूल विश्वविद्यालय वड़ोदरा में पीएचडी शोधकर्ता कुरुक्षेत्र निवासी डा. नेहा शर्मा का कहना है कि डायबिटीज एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर है। इसमें शरीर में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। डायबिटीज होने पर शरीर में बनने वाले इंसुलिन का उत्पादन ठीक प्रकार से नहीं हो पाता। इससे हृदय रोग, स्ट्रॉक जैसी बीमारियों का खतरा मानव शरीर को बना रहा है। ऐसे में ग्रीन टी का लगातार सेवन काफी फायदेमंद साबित हुआ है। डा. नेहा शर्मा द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि ग्रीन टी के लगातार सेवन से डायबिटीज टाइप-2 के जोखिम को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने दाव किया कि यदि रोजाना सुबह 25 एमएल ग्रीन टी का सेवन किया जाए तो डायबिटीज की चिकित्सा में बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

रोहित सरदाना की याद में हर वर्ष मंच सम्मानित करेगा एक पत्रकार को सम्मानित

कुरुक्षेत्र। भारतीय पत्रकार कल्याण मंच रजिस्टर्ड आज तक न्यूज चैनल के वरिष्ठ एंकर रहे स्व. रोहित सरदाना की याद में हर वर्ष एक निर्भीक वरिष्ठ पत्रकार को विशेष अवार्ड से सम्मानित करेगा।

यह फैसला मंच के राष्ट्रीय मुख्यालय कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक विनोद जिंदल और राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन आश्री ने लिया है। यह घोषणा करते हुए दोनों पदाधिकारियों ने कहा कि स्व. सरदाना ने सदैव ही निर्भीक पत्रकारिता करते हुए धर्मनगरी कुरुक्षेत्र का नाम रोशन किया है। मंच के राष्ट्रीय महासचिव मेवा सिंह राणा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाल वधावन, राष्ट्रीय सचिव नरेश वधवा व जसबीर सिंह दुग्गल, प्रचार सचिव संजीव बंसल आदि ने निर्णय लिया हैं।

विधायक चिरंजीव राव ने शुरू की कांग्रेस सेवा रसोई

पायनियर समाचार सेवा। रेवाडी।

कहा, हमारी कोशिश कि ऐसे संकट में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए

कोरोना संक्रमण के दौर में पीड़ित मरीजों, उनके परिजनों और जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए विधायक चिरंजीव राव ने रेवाडी में कांग्रेस सेवा रसोई शुरू की है।

कैप्टेन अजय सिंह यादव के निवास स्थान मॉडल टाउन में रोजाना भोजन के पैकेट्स बनाकर टीम चिरंजीव राव द्वारा कोरोना पीडितों, मरीजों और उनके परिजनों के लिए भेजने का काम शुरू कर दिया है। सोमवार को भी टीम चिरंजीव राव द्वारा रेवाडी के विभिन्न स्थानों पर भोजन के पैकेटस वितरित किए गए।

विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि कांग्रेस सेवा रसोई में तैयार भोजन के पैकेट कोविड सेंटर्स, विभिन्न अस्पतालों के बाहर परिजनों और जरूरतमंद लोगों को दिया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न कालोनियों व गांवों में भी लोगों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के समय में हर जरूरतमंद की सेवा करना पूण्य का कार्य है। कांग्रेस पार्टी व टीम चिरंजीव राव द्वारा रेवाडी में मास्क व सैनेटाइजर वितरण का कार्य निरंतर जारी है। अब कांग्रेस सेवा रसाई भी शुरू हो चुकी है। हमारी सोच यह है कि ऐसे संकट के समय में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए।

विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि ये आपदा किसी धर्म या जाति पर नहीं है पूरे देश पर है। इसलिए हम सबको एकजुट होकर इसको हराना होगा।

होम आइसोलेट मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर बांट रही रेडक्रॉस टीम

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जिला प्रशासन तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से कोरोना महामारी के चलते इस संकट की घड़ी में तोशाम कस्बे में होम आइसोलेट जरूरतमंद मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवा रही है। इसी कड़ी में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी भिवानी व आरसीआईटी तोशाम की टीम ने तोशाम निवासी कृष्णा देवी के घर ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाया।

जिस पर कृष्णा देवी के परिजनों ने मुसीबत के समय में उनका सहयोग करने पर हरियाणा सरकार, जिला प्रशासन व रेडक्रॉस टीम का आभार व्यक्त किया। ये जानकारी देते हुए जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के उपअधीक्षक जयभगवान शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन के निर्देशानुसार रेडक्रॉस की टीम विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से होम आइसोलेट जरूरतमंद मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर वितरित कर रही हैं।

कुरुक्षेत्र में पांच कोरोना मरीजों की मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में कोरोना के मरीज तेजी के साथ ठीक होकर घर जा रहे है, इस जिले में कोरोना के मरीजों का रिकवरी आकंड़ा 89.65 प्रतिशत पर पहुंच चुका है और सोमवार को एक ही दिन में 264 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके है।

इस जिले में अब तक 18220 मरीज कोरोना की जंग जीत चुके हैं। इस समय जिले में महज 1849 मरीज ही एक्टिव है। जिला सिविल सर्जन डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में कोरोना की जंग जीतने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इससे कोरोना से रिकवरी केसों में सुधार में बढ़ोतरी हो रही है। इस समय कुरुक्षेत्र में 89.65 फीसदी मरीज ठीक होकर घर जा चुके है।

कोरोना को हराने के लिए वैक्सीन जरूर लगवाएं: वीना गर्ग

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल दबखेड़ी की शिक्षिका वीना गर्ग ने कहा कि इस समय देश मे फैली कोविड-19 कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जरूरी सावधानियां अपनाकर, हम खुद को और अपने आस-पास के लोगों को सुरक्षित रख सकते हैं। हम सभी को चाहिए कि जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई गाइडलाइन का पालन करें और वैक्सीन लगवाएं।

लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल कुरुक्षेत्र में वैक्सीन की पहली डोज लगवाई लगवाने के बाद वीना गर्ग ने कहा कि वैक्सीन लगाने के बाद लापरवाही न बरतें। माास्क का उपयोग करते रहें, बीमारियों से बचने के लिए बार-बार हाथ धोएं। वीना गर्ग ने कहा कि हमे घर से निकलते समय मास्क जरूर लगाना चाहिए, क्योंकि मास्क लगाने वाले व्यक्ति से दूसरे लोगों में वायरस फैलने से रोकने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

रुबल ने गोवंश चिकित्सालय में दिया 30 क्विंटल सूखा चारा

कुरुक्षेत्र। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूबल शर्मा ने कहा कि गाय, गीता और सरस्वती समाज की उन्नित और कल्याण की सबसे बड़ी कारक है। रुबल ने कहा कि गाय की सेवा और पूजन करने वाला मनुष्य भवसागर से पार हो जाता है। भाजपा युवा मोर्चा प्रधान रुबल शर्मा ने जीटी रोड स्थित गो वंश चिकित्सालय में लगभग 30 क्विंटल सूखा पशु चारा भेंट किया। रुबल ने कहा कि गोशाला एंव चिकित्सालय के संरक्षक गोपाल दास और प्रधान नेम कुमार जैन के नेतृत्व में चिकित्सालय असहाय गायों की सेवा और देखभाल कर रहा है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि वेद पुराणों और प्राचीन ग्रन्थों में भी गाय की महिमा ओर महत्व का बखान है। हिन्दू धर्म में गाय की पूजा का विशेष महत्व है। हरियाणा सरकार ने गायों के संरक्षण और सेवा के उद्देश्य से गऊ सेवा आयोग का गठन भी किया है। इस अवसर गोशाला व चिकित्सालय प्रधान नेम कुमार जैन ने रुबल शर्मा द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और रुबल के उज्वल भविष्य की कामना की।

रक्तदान शिविर को आगे आये सामाजिक व धार्मिक संगठन

भिवानी। कोरोना काल में रक्त की कमी के चलते किसी जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी जान न गंवानी पड़े, इसी उद्देश्य को लेकर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि अचानक से रक्त की जरूरत पड़ने पर रक्तदाताओं द्वारा दिया गया रक्त काम आ सकें। किसी जरूरतमंद की बाच बच सकें। इसी के तहत भिवानी रेडक्रॉस सोसायटी ने जिला के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से रतदान शिविर लगाने की अपील की हैं। आरसीआईटी कंप्यूटर सेंटर प्रबन्धक संजय कामरा ने कहा कि इस संकट की घड़ी में रक्तदान के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना चाहिए। उन्होंने जिला के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से रक्तदान शिविर लगाने की अपील की हैं। कामरा ने बताया कि रक्त दान समाज की एक बड़ी सेवा है, इससे लोगों की जान बचाई जा सकती हैं। खासकर ऐसे लोगों की जोकि किसी गंभीर बीमारी या दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। वर्मा ने कहा कि रक्तदान से व्यक्ति किसी का बहुमुल्य जीवन बचा सकते हैं। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।

जरूरतमंदों को पहुंचा रहे ऑक्सीजन सिलेंडर

कुरुक्षेत्र। कोरोना महामारी ने जहां समाज में दहशत फैलाई हुई है व गंभीर मरीज ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं, नगर की अग्रणी समाजसेवी संस्था स्वतंत्रता सेनानी राजा अजीत सिंह लाडवा मेमोरियल ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र ने जरूरतमंद गंभीर रोगियों के घर-घर तक ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। ट्रस्ट के चेयरमैन लखविंदर पाल सिंह ग्रेवाल ने बताया कि जब प्रशासन ने समाजसेवी संस्थाओं से मदद के लिए अनुरोध किया तो ट्रस्ट ने सरकारी पोर्टल पर सहायता के लिए स्वयं को रजिस्टर्ड कर दिया। ट्रस्ट द्वारा प्रशासन को 10 ऑक्सीजन सिलेंडर जरूरतमंद रोगियों के लिए उपलब्ध करवाए गए हैं, जिन्हें रेडक्रॉस समिति के माध्यम से लोगों के घरों तक पहुंचाया जा रहा है। इस कार्य में जिला रेडक्रास समिति के सचिव रणदीप सिंह श्योकंद, सहायक सचिव रमेश चौधरी, उनका पूरा स्टाफ व कई रेडक्रास वॉलिंटियर्स पूरी सहायता कर रहे हैं। ट्रस्ट के चेयरमैन लखविंदर पाल सिंह ग्रेवाल ने बताया कि पिछले वर्ष लोकडाउन-1 में भी ट्रस्ट द्वारा अनेकों सेवा कार्य किए गए थे। रेडक्रॉस समिति के माध्यम से सैकड़ों घरों में पका भोजन व कच्चा राशन पहुंचाया गया। रक्तदान के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया ताकि कोई भी मरीज रक्त से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा अभियान भी चलाया गया।

टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने आयोजित की वेबिनार

कैथल। टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन कैथल द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता राजीव अरोड़ा सीए व मुख्य अतिथि नरेंद्र गुप्ता सीए व सामान्य अतिथि राजेन्द्र अहुजा एडवोकेट एवं मुकेश गोयल एडवोकेट तथा मंच संचालन कर्ता कविश ग्रोवर सीए ने किया। मुख्य वक्ता राजीव अरोड़ा सीए ने आयकर कानूनों में हुए संशोधनों के बारे में बताया कि वित्त वर्ष 2020-2021 की इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने व रिवाईज रिटर्न भरने की सीमा 31 मार्च 2021 से कम करके 31 दिसंबर 2021 कर दी गई है। 31 दिसंबर 2021 के बाद इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं होगी। वित्त वर्ष 2020-21 से डिविडेंड इनकम प्राप्त करता के हाथों में कर योग्य हो गई है। इसके साथ डिविडेड की रकम 5000 से अधिक है तो ऐसी रकम पर टीडीएस भी कटेगा। यूलिप पॉलिसी की मैच्योरिटी कर योग्य। यदि कोई यूलिप प्लान 1 फरवरी 2021 के बाद शुरू किया गया है मे यदि सलाना प्रीमियम ढाई लाख से अधिक होता है तो इसकी मैच्योरिटी पर रियायती दर से 10 फीसदी इनकम टैक्स अदा करना होगा। ऐसे मामलों में इंडेक्स का लाभ नहीं मिलेगा। राजीव अरोड़ा ने टीडीएस व टीसीएस में हुए बदलावों के बारे में भी बताया। वेबिनार का आयोजन प्रधान जितेंद्र भटनागर एडवोकेट व सचिव कविश ग्रोवर सीए तथा उनकी कार्यकारणी टीम की अध्यक्षता में हुआ। अशोक गोयल एडवोकेट ने सभी वैबिनार मे उपस्थित एडवोकेटस व सीए का धन्यवाद किया। उपस्थित सदस्यों में रतन बंसल, अनिल बतरा, राजीव चौधरी,नीरज गुप्ता, आतीष भटनागर, दलबीर सिंह, अशोक आर्य, एसएल गुलाटी, सुशील गर्ग, संदीप शर्मा, धर्मेश ग्रोवर, जितेश दुआ आदि उपस्थित थे।

खेत मजदूर संगठन ने हिसार में किसानों पर हुए लाठीचार्ज का किया विरोध

समाज के अन्य लोगों ने भी लाठीचार्ज पर जताया कड़ा विरोध

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हिसार में किसानों पर हुए लाठीचार्ज का आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने कड़ा विरोध व तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। गांव सारसा के बस स्टैंड पर किसान-मजदूरों ने हिसार में किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर विरोध जताया। सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारे लगाए। यह जानकारी आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव कामरेड राजकुमार सारसा ने दी।

उन्होंने कहा कि किसान छह महीने से मोदी सरकार के काले कृषि कानूनों का देशभर में विरोध कर रहे हैं परन्तु हरियाणा सरकार, खासकर इसके मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री किसानों के खिलाफ रोज जहर उगलते हैं। कोरोना संक्रमण के बारे अपने अपराधों व विफलता पर पर्दा डालने के लिए किसानों पर कोरोना फैलाने का बेहूदा बयान देते जरा भी नहीं शरमाते। राजकुमार ने कहा कि

किसानों को अकेला समझने की भूल न करे सरकार: सुनीता नेहरा

कुरुक्षेत्र। जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि किसानों को अकेला समझने की भूल सरकार बिल्कुल भी न करें। जिस प्रकार हिसार में सरकार ने घटना को अंजाम दिया है, ऐसी गलती दुबारा न करें। सरकार का ध्यान पिछले 7 सालों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की अपेक्षा लोगों को भ्रमित और गुमराह करने की ओर लगा रहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जिस प्रकार से ऑक्सीजन, दवाइयों और वेंटिलेटर के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। किसानों के आंदोलन को सरकार लाठीचार्ज से, झूठे मुकदमों से और तरह-तरह आरोप लगाकर दबाना चाहती है जो घोर निंदनीय है। इससे

किसानों पर पड़ी लाठी का गठबंधन सरकार को देना होगा हिसाब: रीना वाल्मीकि

कुरुक्षेत्र। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्षा रीना वाल्मीकि ने हिसार में किसानों पर पुलिस की ओर से किए गए बर्बरतापूर्ण गोलीबारी और लाठीचार्ज पर प्रदेश सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह सब घोर निंदनीय है। किसानों पर पड़ी एक-एक लाठी का हिसाब भाजपा-जजपा को देना होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना को फैलने में सरकार की अकर्मण्यता और लापरवाही ही मुख्य रूप से जिम्मेदार है। हरियाणा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चरमरा गई हैं। ये आंदोलन दबने वाला नहीं है। सरकार किसान संगठनों से बातचीत कर किसानों की मांगों को पूरा करे। किसानों को आंदोलन चलाते हुए

असफलताओं को छिपाने के लिए किए जा रहे ऐसे जघन्य कार्य : सुरेंद्र

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में निहत्थे किसानों पर पुलिस की ओर से गोलीबारी, आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ-साथ उन पर बर्बरतापूर्ण लाठियां भांजी गईं। ऐसा जघन्य कार्य सरकार अपनी अकर्मण्यता और असफलताओं को छिपाने के लिए ही कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे मुख्यमंत्री का किसान विरोधी चेहरा सामने आ गया है।

छह महीने पूरे होने वाले हैं ये आंदोलन तब तक जारी रहेगा।

डीआरडीओ द्वारा विकसित कोविड-19 रोधी दवा 2-डीजी की पहले खेप जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

कोविड-19 की दूसरी लहर से देश में जारी संघर्ष के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित की गई कोविड-19 रोधी दवा 2-डीजी की पहली खेप सोमवार को जारी की गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के साथ इसे जारी करते हुए कहा कि 2-डीजी दवा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। कोविड-19 के मध्यम लक्षण वाले तथा गंभीर लक्षण वाले मरीजों पर 2-डीऑक्सी-डी-ग्लुकोज (2-डीजी) दवा के आपातकालीन इस्तेमाल को भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह दवा कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए उम्मीद की किरण ले कर आई है। उन्होंने कहा, यह देश के वैज्ञानिक कौशल का अनुपम उदाहरण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह समय थकने और आराम करने का नहीं है क्योंकि इस महामारी के स्वरूप को लेकर कुछ भी निश्चित जानकारी नहीं है।

डीआरडीओ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हमें ना तो थकना है और ना ही आराम करना है। क्योंकि यह लहर दूसरी बार आई है और इसे लेकर कुछ निश्चित जानकारी नहीं है। हमें बहुत सावधानी से कदम आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि चाहे ऑक्सीजन की आपूर्ति का मामला हो या आईसीयू बिस्तरों या तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए क्रायोजेनिक टैंकरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात हो, सरकार ने पूरी स्थिति को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हो चुके चिकित्सकों को स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए मोर्चे पर लगाया गया है। सेवा के बाद भी इस अभियान में जुड़े चिकित्सकों की मैं दिल से सराहना करता हूं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर सशस्त्र बलों की ओर से कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई में किए जा रहे योगदानों की चर्चा की और कहा कि इसके बावजूद सीमाओं पर उनके क्रियाकलापों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

उन्होंने कहा, इन सब मुसीबतों के बीच हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सीमाओं पर हमारी तैयारियों पर कोई असर ना पड़े। हमारे बलों के जज्बे में कहीं भी कोई कमी नहीं आई है। हम इसे अच्छी तरह जानते हैं। मुसीबत कितनी भी बड़ी क्यों ना हो, जीत हमारी होगी। रक्षा मंत्रालय ने आठ मई को एक बयान में कहा था कि 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) के क्लीनिकल परीक्षण में पता चला है कि इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों की ऑक्सीजन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही इस दवा से मरीज जल्दी ठीक होते हैं।

कंधे से कंधा मिलाकर करें काम : रक्षामंत्री

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री ने सभी संबंधित संस्थानों से कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि यदि सभी मिलकर काम करेंगे तो देश विजई होकर रहेगा। इस दवा को ऐसे समय में मंजूरी मिली है जब भारत कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के चपेट में है और देश के स्वास्थ्य ढांचे पर इसका गहरा असर पड़ा है। कोविड-19 रोधी इस दवा को डीआरडीओ की अग्रणी प्रयोगशाला नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) ने हैदराबाद के डॉक्टर रेड्डीज प्रयोगशाला के साथ मिलकर विकसित किया है। यह दवा एक सैशे में पाउडर के रूप में उपलब्ध रहेगी जिसे पानी में मिलाकर मरीजों को पीना है।

सीबीआई ने तृणमूल के तीन विधायक और पूर्व नेता को गिरफ्तार किया

नारद स्टिंग मामले में कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर धन लिए जाने के मामले का खुलासा हुआ था

एजेंसी। कोलकाता/नई दिल्ली

नारद स्टिंग मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के तीन विधायकों और पार्टी के एक पूर्व नेता को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी इन नेताओं और एक अन्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेगी। अधिकारियों ने इस बारे में बताया।

नारद स्टिंग मामले में कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर धन लिए जाने के मामले का खुलासा हुआ था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मामले के संबंध में तृणमूल कांग्रेस के नेता फरहाद हकीम, सुब्रत मुखर्जी और मदन मित्रा के साथ पार्टी के पूर्व नेता शोभन चटर्जी को कोलकाता में सोमवार सुबह गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि ये सभी चार नेता 2014 में कथित अपराध के दौरान मंत्री थे। आईपीएस अधिकारी एसएमएच मिर्जा मामले में पांचवे आरोपी हैं और फिलहाल वह जमानत पर हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के दफ्तर पहुंचीं और तृणमूल नेताओं को रिहा करने की मांग की, जो 2019 में तत्कालीन कोलकाता पुलिस के तत्कालीन आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ करने के सीबीआई के कदम के खिलाफ उनके विरोध की याद ताजा करती है।

सीबीआई सूत्रों ने बताया कि बनर्जी की कार्वाई जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले में दखल के समान है। दिल्ली में सीबीआई के प्रवक्ता आर सी जोशी ने कहा, सीबीआई ने आज पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रहे चार (पूर्व) नेताओं को नारद स्टिंग ऑपरेशन मामले में गिरफ्तार किया...। आरोप है कि इन लोकसेवकों को स्टिंग ऑपरेशन के दौरान कैमरे पर गैरकानूनी रूप से धन लेते हुए पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि अभियोजन के लिए मंजूरी मिलने के बाद पांचों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा रहा है। सीबीआई ने हकीम, मुखर्जी, मित्रा और चटर्जी के अभियोजन की मंजूरी के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ से संपर्क किया था।

उन्होंने बताया कि धनखड़ ने सात मई को सभी चारों नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी जिसके बाद सीबीआई ने अपने आरोप पत्र को अंतिम रूप दिया और उन्हें गिरफ्तार किया। हकीम, मुखर्जी और मित्रा हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में विधायक चुने गए हैं जबकि चटर्जी ने भाजपा में शामिल होने के लिए तृणमूल को छोड़ा और उनके दोनों पार्टियों से संबंध हैं। नारद टीवी न्यूज चैनल के मैथ्यू सैमुअल ने 2014 में कथित स्टिंग ऑपरेशन किया था जिसमें तृणमूल कांगेस के मंत्री, सांसद और विधायक लाभ के बदले में कंपनी के प्रतिनिधियों से कथित तौर पर धन लेते नजर आए।

हकीम ने पांच लाख रुपये लेने की बात स्वाकारी

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि हकीम ने स्टिंग ऑपरेटर से पांच लाख रुपये रिश्वत लेने की बात स्वीकारी जबकि मित्रा और मुखर्जी को कैमरे पर पांच-पांच लाख रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। चटर्जी को स्टिंग ऑपरेटर से चार लाख रुपए लेते हुए देखा गया। सीबीआई के अनुसार मिर्जा को भी कैमरे पर पांच लाख रुपए लेते हुए पकड़ा गया। यह टेप पश्चिम बंगाल में 2016 के विधानसभा चुनाव के ठीक पहले सार्वजनिक हुआ था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने स्टिंग ऑपरेशन के संबंध में मार्च 2017 में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

केंद्र राज्यों को टीके के आवंटन पर आंकड़ा सार्वजनिक करे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

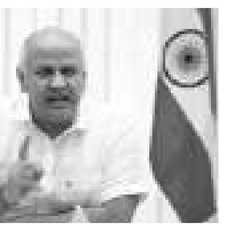

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को केंद्र से राज्यों को उसके द्वारा आपूर्ति किए गए टीकों पर आंकड़ा सार्वजनिक करने की अपील की और यहां 18 से 44 साल के उम्र वर्ग के लोगों के लिए टीके की 3.82 लाख खुराकें देने की मांग की। उन्होंने कहा कि फिलहाल दिल्ली के पास 45 साल एवं उसके ऊपर के लोगों के लिए टीकों का चार दिनों का भंडार है जबकि 18-44 साल के उम्र वर्ग के लिए टीकों का भंडार तीन दिनों में खत्म हो जाएगा।

सिसोदिया ने कहा कि तीन अनुरोधों का हवाला देते हुए उन्होंने केंद्र को पत्र लिखा है। आम आदमी पार्टी के नेता ने ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में कहा, केंद्र ने हमें पत्र लिखकर बताया कि हमें 45 से ऊपर वालों के लिए 3.83 लाख खुराक मिलेंगी तथा यह कि हमें मई में 18-44 साल के उम्र वर्ग के लोगों के लिए टीके नहीं मिलेंगे।

उन्होंने कहा, हमें 18-44 साल उम्र वर्ग के लोगों के लिए और टीके की जरूरत है। हम उन्हें खरीदने के लिए तैयार हैं लेकिन कम से कम उपलब्ध तो करवाइए। हमें तीन दिनों बाद 18-44 साल उम्र वर्ग के लोगों के टीकाकरण केंद्रों को बंद करना पड़ेगा। सिसोदिया ने केंद्र से राज्यों को आपूर्ति किए गए टीकों पर आंकड़ा सार्वजनिक करने की अपील की। उन्होंने कहा, आंकड़ों में पारदर्शिता होनी चाहिए। दिल्ली के लिए हमें यह जानना है कि सरकार को कितना दिया जा रहा है, और निजी क्षेत्र को कितना तथा अन्य राज्यों को कितना, हमें आंकड़े जानने की जरूरत है।

केकेआर लेंसकार्ट में 9.5 करोड़ अमरीकी डालर का निवेश करेगी

नई दिल्ली। लेंसकार्ट ने सोमवार को कहा कि वैश्विक निवेश फर्म केकेआर कंपनी में 9.5 करोड़ अमरीकी डालर (लगभग 695.8 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। बयान में कहा गया कि यह निवेश द्वितीयक हिस्सेदारी अधिग्रहण के जरिए किया गया है। इस सौदे के तहत मौजूदा निवेशक - टीपीजी ग्रोथ और टीआर कैपिटल, लेंसकार्ट में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचेंगे। इन संस्थाओं ने 2014 के अंत में लेंसकार्ट में निवेश किया था। केकेआर ने कहा कि वह अपने एशियाई निजी इक्विटी फंड से निवेश कर रही है।

एएमयू के एक और शिक्षक की कोरोना संक्रमण से मौत

एजेंसी। अलीगढ़ (उप्र)

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में कोरोना संक्रमण से रविवार को एक वरिष्ठ शिक्षक की मौत हो गई। विश्वविद्यालय के एक पाचार्य ने इसकी जानकारी दी।

एएमयू के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो शाहिद अली सिद्दीकी ने बताया कि कोरोना संक्रमण की चपेट में आकर फार्माकोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर मोहम्मद नासिरूद्दीन (55) का निधन हो गया। उन्होंने बताया कि वह पिछले दो सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। एएमयू के कुलपति प्रो तारिक मंसूर ने कहा कि प्रो नासिरूद्दीन के निधन से शिक्षक समुदाय को बहुत नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि नासिरूद्दीन के निधन के साथ ही एएमयू में कोरोना संक्रमण से मरने वाले शिक्षकों की संख्या (सेवानिवृत्त और कार्यरत दोनों को मिलाकर) 39 पहुंच गई है।

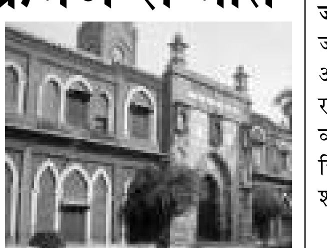

इनमें 18 वर्तमान शिक्षक थे जबकि 21 सेवानिवृत्त। यह सभी शिक्षक कोरोना या कोरोना संक्रमण से मिलते जुलते लक्षणों से पीड़ित थे।

रविवार देर शाम एएमयू के छात्रों ने परिसर में कोरोना के कारण निधन हुए शिक्षको को श्रद्धांजलि देने के लिए मोमबत्ती जला कर शांति जुलूस निकाला। छात्र नेता जेद शेरवानी ने एएमयू के कुलपति तारिक मंसूर को एक ज्ञापन देकर मांग की कि परिसर में शिक्षको, कर्मचारियों और छात्रों के लिए अलग से विशेष टीकाकरण शिविर लगवाया जाए। उन्होंने कहा कि हम टीकाकरण अभियान का समर्थन करते है।

जयपुर : विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 ऑक्सीजन सांद्रक दिए

जयपुर। विश्व स्वास्थ्य संगठन की जयपुर इकाई ने सोमवार को 100 ऑक्सीजन सांद्रक (कंसंट्रेटर) यहां राज्य सरकार को भेंट किए। संगठन की ओर से ऑक्सीजन सांद्रक चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा को सौंपे गए।

शर्मा ने बताया कि राज्य में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। निजी व अन्य संस्थाओं के द्वारा निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के जरिए मिल रहे ऑक्सीजन सांद्रक से भी काफी मदद मिल रही है। उन्होंने महामारी के इस दौर में सहयोग के लिए डब्ल्यूएचओ का आभार जताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि लगभग 15 करोड़ रुपए मूल्य के ए सांद्रक जर्मनी निर्मित हैं। उन्होंने बताया कि 8 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन बनाने वाले सांद्रक को जरूरत के अनुसार 10 लीटर प्रति मिनट तक तक बढ़ाया जा सकता है।

मुस्लिम देशों ने अमेरिका से इजराइल पर दबाव बढ़ाने का किया अनुरोध

एजेंसी। यरुशलम

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के राजनयिक और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इजराइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष को रोकने के लिए एक आपात बैठक की।

दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में कई लोगों की मौत हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कुछ डेमोक्रेट्स के बार-बार आह्वान करने के बाद भी इजराइल पर सार्वजनिक रूप से दबाव बढ़ाने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय आपात बैठक में बताया कि अमेरिका यह लड़ाई रोकने के लिए राजनयिक माध्यमों के जरिए लगातार काम कर रहा है। इजराइल और गाजा विद्रोहियों के बीच संघर्ष 2014 के बाद से सबसे खराब स्तर पर है और बाइडन प्रशासन ने इस लड़ाई में इजराइल की कार्रवाई की आलोचना करने या इलाके में शीर्ष स्तर के दूत को भेजने से इनकार कर दिया है। दूसरे देशों के अनुरोधों पर भी उसने कोई गौर नहीं किया। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने आगाह किया कि सशस्त्र संघर्ष से इजराइल और फलस्तीन के बीच बातचीत का विकल्प एकदम समाप्त हो जाएगा। अमेरिका का करीबी सहयोगी इजराइल मामले पर सुरक्षा परिषद से बयान जारी कराने के चीन, नॉर्वे और ट्यूनीशिया के सभी प्रयास विफल कर चुका है।

इजराइल ने गाजा की तरफ सैकड़ों हवाई हमले किए हैं जहां करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। इसने गाजा सिटी की सबसे ऊंची इमारत को गिरा दिया और कहा कि इसमें हमास की सेना से जुड़े दफ्तर थे। वहीं, शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत को ध्वस्त कर दिया जिसमें द असोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे।

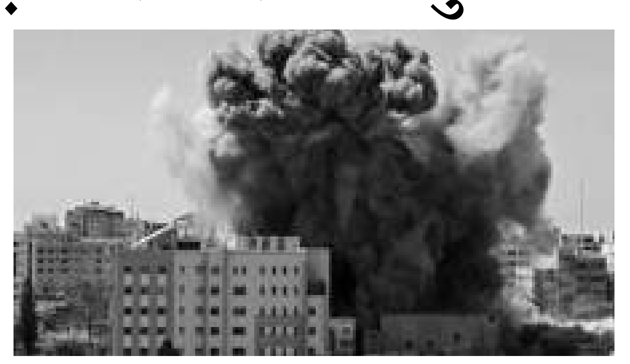

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में तीन गिरफ्तार

इंदौर। कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शनों की कालाबाजारी के आरोप में यहां तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध निरोधक शाखा) गुरुप्रसाद पाराशर ने बताया कि कनाडिया रोड पर जाल बिछाकर पकड़े गए आरोपियों की पहचान अभिषेक कैथवास (21), गौरव पाटीदार (21) और रवि वैष्णव (24) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तलाशी पर कैथवास और पाटीदार के कब्जे से एक-एक रेमडेसिविर इंजेक्शन पाया गया, लेकिन पूछताछ में वे इस बारे में पुलिस को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके कि उन्हें ये इंजेक्शन कैसे मिले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा, आरोपियों ने रेमडेसिविर इंजेक्शन अवैध रूप से हासिल किए थे और वे इन्हें जरूरतमंद मरीजों के परिजनों को ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे। पाराशर ने बताया कि आरोपियों का एक स्कूटर और एक मोटरसाइकिल पुलिस ने जब्त कर ली है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विस्तृत जांच जारी है। गौरतलब है कि इंदौर, मध्य प्रदेश में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 35 लाख की आबादी वाले जिले में 24 मार्च 2020 से लेकर अब तक महामारी के कुल 1,39,185 मरीज मिले हैं। इनमें से 1,269 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

खराब वेंटिलेटर राजनीति का विषय नहीं होना चाहिए

औरंगाबाद। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर मिले हैं और उनमें जो खराब हैं, उन्हें बिना कोई राजनीति किए बदला जाना चाहिए। वह संभागीय आयक्त सुनील केंद्रेकर के साथ समीक्षा बैठक में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महाराष्ट्र को पीएमकेयर्स फंड से करीब 5000 वेंटिलेटर मिले हैं। उनमें से कई चार महीनों तक पैकिंग में रहे थे इसलिए जो खराब हैं, उन्हें शीघ्र ही बदल लिया जाना चाहिए। यह कोई राजनीति करने का विषय नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 14 मई की पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया था कि औरंगाबाद में कुछ मेड इन इंडिया वेंटिलेटरों के सही से काम नहीं करने की जो खबर मीडिया में आई है, वह बेबुनियाद एवं असत्य है तथा उसमें पूरी जानकारी का अभाव है। क्षेत्र में कोविड-19 की स्थिति पर फड़णवीस ने कहा, लातूर और औरंगाबाद में मामले घटे हैं लेकिन संक्रमण दर अब भी 21 फीसदी है। बीड़ की स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में ऑक्सीजन भंडारण टैंकों की स्थापना एक अच्छा संकेत है और इससे भविष्य में मदद मिलेगी क्योंकि तीसरी लहर के लिए तैयारी करना अहम है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक लाख बिक्री का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसके स्कूटर ब्रांड एनटॉर्क 125 ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक लाख बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी इस समय दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और आसियान के 19 देशों में इस स्कूटर को बेचती है, जो ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फीचर जैसी तकनीकों से लैस है। टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक और सीईओ के एन राधाकृष्णन ने एक बयान में कहा, यह उपलब्धि नवाचार में प्रतिमान स्थापित करने और ग्राहकों में चाहत पैदा करके टीवीएस एनटीओआरक्यू ब्रांड को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। बीएस-6 125 सीसी स्कूटर तीन संस्करणों - डिस्क, ड्रम और रेस में उपलब्ध है।

एमएंडएम ने तोरू सैटो को एमएएम का सीईओ बनाया

नई दिल्ली। उपयोगिता वाहन और कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सोमवार को कहा कि उसने तोरू सैटो को मित्सुबिशी महिंद्रा एग्रीकल्चर मशीनरी कंपनी लिमिटेड, जापान (एमएएम) का अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा अपनी नई भूमिका में सैटो एमएएम के बोर्ड में एक प्रतिनिधि निदेशक भी होंगे। उन्हें निसान मोटर्स और ऑडी जापान के साथ 33 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

श्रीनगर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच सोमवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के बाहरी क्षेत्र के खोनमोह इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी की तथा तलाश अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान तथा वे किस आतंकवादी समूह से जुड़े हैं, का पता लगाया जा रहा है।

कम यात्री भार के कारण कई और रेलसेवाएं रद्द

जयपुर। राजस्थान में लॉकडाउन के बीच रेलवे ने यात्री भार में कमी को देखते हुए कई और रेल सेवाओं को रद्द करने या उनके फेरों में कमी की घोषणा सोमवार को की।उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार कम यात्री भार के कारण दस और रेल सेवाओं को रद्द किया जा रहा है। इनमें जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन, जोधपुर-इंदौर स्पेशल ट्रेन, जोधपुर-बाड़मेर स्पेशल, जोधपुर-बिलाड़ा स्पेशल व श्रीगंगानगर-अंबाला स्पेशल ट्रेन शामिल हैं जो 19 मई से आगामी आदेश तक रद्द रहेंगी। इसके अलावा चार ट्रेन के फेरों में कमी करने की घोषणा की गई है। इसके तहत अजमेर-अमृतसर स्पेशल 19 मई से आगामी आदेश तक सप्ताह में 2 दिन के स्थान पर बुधवार को संचालित होगी। रेलवे पहले भी अनेक ट्रेन रद्द कर चुका है।

बन्नालाल राजस्थान वित्त आयोग के सदस्य सचिव नियुक्त

जयपुर। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के सदस्य सचिव के रूप में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बन्नालाल को नियुक्ति दी गई है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को इस बारे में आदेश जारी किया। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राज्य वित्त आयोग का गठन किया गया था। पूर्व वित्त मंत्री प्रद्युम्न सिंह को इसका अध्यक्ष तथा लक्ष्मण सिंह और अशोक लाहोटी को सदस्य बनाया गया है।

क्या मेरे बच्चे को कोविड-19 टीका लेना चाहिए ?

(वर्जीनिया विश्वविद्यालय में बाल चिकित्सा की एसोसिएट प्रोफेसर डेबी-एनन शर्लो ने दिए सवालों के जवाब)

एजेंसी। शार्लोट्सविले (अमेरिका)

(द कन्वर्सेशन) खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने फाइजर-बायोएनटेक द्वारा बनाए गए कोविड-19 टीके का इस्तेमाल 12-15 साल के किशोरों पर करने के लिए इसके आपातकालीन प्रयोग का दायरा बढ़ा दिया है।

रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने 12 मई को उनकी सलाहकार समूह की बैठक के बाद इस आयु समूह पर इस्तेमाल करने की सिफारिश का अनुसरण किया है। द अमेरिकिन एकेडमी ऑफ पेडियर्टिक्स इस फैसला का समर्थन करती है। डॉ डेबी-एन शर्लो वर्जीनिया विश्वविद्यालय में बाल चिकित्सा की एसोसिएट प्रोफेसर हैं और बाल संक्रमण रोग में विशेषज्ञ हैं। यहां वह बच्चों को कोविड-19 का टीका लगवाने को लेकर अभिभावकों की चिंताओं का जवाब दे रही हैं।

1.क्या किशोरों में ये टीका काम करता है ?

बिल्कुल काम करता है। फाइजर-बायोएनटेक की ओर से हाल में जारी आंकड़ें दिखाते हैं कि कोविड-19 टीका इस आयु समूह में वाकई में अच्छी तरह से काम करता हुआ दिखता है। कोविड-19 टीका अमेरिका में 12-15 साल के किशोरों पर चल रहे क्लीनिकल ट्रायल में कोविड-19 लक्षणों को रोकने में 100 फीसदी कारगर पाया गया है। किशोरों ने टीके की प्रतिक्रिया में बड़ी संख्या एंटी बॉडी बनाई और उनका रोग प्रतिरोधक उतना ही मजबूत था जिनता 16-25 साल के नौजवानों में देखा गया है।

2.मुझे कैसे पता चलेगा कि टीका मेरे बच्चे के लिए सुरक्षित है या नहीं ?

अबतक कोविड-19 टीका किशोरों में सुरक्षित प्रतीत हुआ है। अमेरिका में जितने टीकों को इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है, उनपर सब पर गहन अध्ययन किया गया है लेकिन हम यह मान लेना नहीं चाहते हैं कि बच्चे छोटे वयस्क होते हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा उपयोग की सिफारिश करने से पहले बच्चों में इन टीकों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अध्ययन बच्चों पर टीकाकरण को लेकर बारीक नजर रखना जारी रखेंगे और मजबूत सुरक्षा निगरानी से दुर्लभ या अप्रत्याशित चिंताओं को उभरने पर उन्हें तेजी से पहचानने में मदद मिलेगी।

3.मुझे लगा था कि बच्चों को कम खतरा है- क्या उन्हें अब भी टीका लगवाने की जरूरत है ?

फिलहाल, अमेरिका में सामने आ रहे साप्ताहिक कोविड-19 मामलों में बच्चों की संख्या करीब एक चौथाई है। बच्चों में कोविड-19 के कारण गंभीर बीमारी होना दुलर्भ है पर यह होती है और हजारों बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है और अमेरिका में कम से कम 351 बच्चों की मौत हुई है। टीकाकरण बच्चों में संक्रमण को गंभीर रूप लेने से रोकेगा।

4.मेरे बच्चे को क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं ?

टीकाकरण के बाद मामूली दुष्प्रभाव हो सकते हैं। सबसे सामान्य दुष्प्रभाव इंजेक्शन लगने वाली जगह पर दर्द और सूजन हो सकती है। अन्य सामान्य दुष्प्रभाव में थकान और सिर में दर्द शामिल है। युवाओं की तरह ही, कुछ किशोरों को बुखार, सर्दी लगना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है और ए टीके की दूसरी खुराक के बाद बहुत सामान्य है। ए दुष्प्रभाव कम समय के लिए होते हैं और ज्यादातर लोगों में एक-दो दिन में चले जाते हैं।

5. क्या बच्चों में गंभीर प्रतिक्रिया हुई है ?

फाइजर-बायोएनटेक के क्लीनिकल ट्रायल में टीके से संबंधित कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव रिपोर्ट नहीं हुए हैं। बुजुर्गों में गंभीर एर्लेजिक प्रतिक्रिया दुलर्भ रूप से रिपोर्ट हुई है। अगर किसी को टीके से या टीके में शामिल किसी तत्व से एलर्जी के बारे में जानकारी है तो उसे टीका नहीं लेना चाहिए। अगर आपके बच्चे को ऐसा कुछ है तो आप टीका देने वाले शख्स को इस बारे में बताएं ताकि टीकाकरण के बाद आपके बच्चे को 30 मिनट तक निगरानी में रखा जा सके।

6. कोविड-19 टीका 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कब उपलब्ध होगा ?

कोविड-19 टीका निर्माताओं ने बच्चों पर टीके का परीक्षण शुरू कर दिया है या शुरू करने की योजना बना रहे हैं। जब और सूचना उपलब्ध होगी तो टीका उपयोग करने की सिफारिशें बदल सकती हैं। 2-11 साल उम्र के बच्चों को इस साल के अंत तक टीका लगवाने की इजाजत मिल सकती है।

7. अगर मैंने टीका लगवा लिया है और मेरे बच्चे का टीकाकरण नहीं हुआ है तो क्या उन्हें मुझसे वायरस लग सकता है ?

कोविड-19 टीके में कोविड-19 का जीवित वायरस नहीं होता है, लिहाजा इससे कोविड-19 नहीं हो सकता है। टीकाकरण आपको और आपके बच्चे, दोनों को कोविड-19 से बचाएगा। अध्ययन से पता चला है कि टीका लगवा चुकी गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली मांएं अपने नवजात को सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा दे सकती है। यह टीकाकरण का एक और फायदा है।

राज्यों के पास टीकों की दो करोड़ से ज्यादा खुराक उपलब्ध : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास इस समय कोविड-19 टीकों की दो करोड़ से अधिक खुराक उपलब्ध हैं, वहीं उन्हें करीब तीन लाख खुराक अगले तीन दिन में मिल जाएंगी। मंत्रालय ने कहा कि अभी तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीकों की 20 करोड़ से ज्यादा (20,76,10,230) खुराक नि:शुल्क मुहैया कराई हैं। इनमें से 16 मई तक के औसत आंकड़ों के आधार पर कुल खपत 18,71,13,705 खुराकों की हुई है जिनमें बेकार जाने वाले टीके भी शामिल हैं। यह संख्या सोमवार सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास लोगों को लगाने के लिए कोविड-19 टीकों की अभी दो करोड़ से अधिक (2,04,96,525) खुराक उपलब्ध हैं।

सीएम के दौरे के बाद हरकत में आए अधिकारी

टीकाकरण, सेनिटाइजेशन और लॉकडाउन के पालन पर जोर

डीएम ने निगम, स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कलैक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले में दौरे के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सोमवार को नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कोरोना प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन कराएं। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकरण कराकर और स्लॉट बुक कराकर जनपद में अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण कराना सुनिश्चित कराएं।

डीएम कोरोना की तीसरी लहर को लेकर भी गंभीर हैं। उन्होंने जनपद में फॉगिंग और सेनिटाइजेशन का कार्य व्यापक स्तर पर किए जाने और आईएलआई (इनफ्लूएंजा लाइक इलनेस) और सारी (सीवियर एक्यूट रेसपिरेटरी इनफेक्शन) के लक्षण युक्त अधिक से अधिक व्यक्तियों को मेडिसिन किट के वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने के लिए 21 मई से वर्ल्ड स्क्वायर मॉल में लोगों को ड्राइव थ्रू प्रक्रिया के द्वारा टीके लगाए जाएंगे। लाभार्थी को उसकी गाड़ी में ही टीका लगाया जाएगा और आधे घंटे तक गाडी में ही चिकित्सक की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि अधिक लोगों के संपर्क में रहने के कारण पत्रकारों और उनके परिवारजनों को जल्द वैक्सीन लगवाई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद भ्रमण के अगले दिन सोमवार को कोरोना संक्रमण को रोकने एवं संक्रमित मरीजों का प्रोटोकॉल के अनुरूप इलाज संभव कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने अहम बैठक बुलाकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोरोना प्रोटोकॉल का शत- प्रतिशत पालन कराना सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने निर्देशित किया कि टीकाकरण के संबंध में प्रॉपर रजिस्ट्रेशन करा कर स्लॉट बुक कर अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण करवाना सुनिश्चित कराएं। इसके लिए उन्होंने संबंधित क्षेत्र के उप जिलाधिकारियों तथा इंसीडेंट कमांडर को संपूर्ण व्यवस्थाएं एवं वैक्सीन की उपलब्धता रखने के निर्देश दिए।

डीएम द्वारा संक्रमण की तीसरी लहर की संभावना को लेकर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह पीएचसी, सीएचसी एवं हेल्थ वैलनेस सेंटर पर संपूर्ण तैयारियां कराना सुनिश्चित कराएं। जिसमें अधिक से अधिक टेस्टिंग, आईएलआई-सारी लक्षण युक्त लोगों को शीघ्र दवा किट वितरण कराया जाए।

उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि संक्रमण की रोकथाम के लिए दवाइयों की उपलब्धता निरंतर बनी रहे एवं किसी भी प्रकार से कालाबाजारी होने न पाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। यदि कोई ऐसा प्रकरण संज्ञान में आता है तो उसके विरुद्ध महामारी अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रक्रिया अपनाई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष कुमार वैश्य, सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता, कोविड नोडल डॉ. आरके गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एक कॉल पर मिलेगा ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर

सुबह 8 से शाम 8 बजे तक भेजनी होगी फोन पर रिक्वेस्ट, दो घंटे में घर पहुंचाएगा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

संबंधित नाम	नंबर
एके जैन	9205691612
प्रदीप कुमार	9205691763
रोहित सिंह	9205691601
राजेश कुमार	9582793787

होम आइसोलेशन में कोरोना का इलाज करा रहे मरीजों को राहत देने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने रविवार से ऑक्सीजन मोबाइल बैंक की शुरुआत की। इसके तहत मरीज और परिजन घर बैठे ही ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर मंगा सकते हैं। उन्हें दिए हुए नंबरों पर कॉल कर अपनी जानकारी देनी होगी। इन नंबरों पर सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक संपर्क कर अपनी रिक्वेस्ट दी जा सकती है। इसके बाद दो घंटे में मरीज की जरूरत का उपकरण प्राधिकरण पहुंचाएगा।

नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु महेश्वरी ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में अथॉरिटी शहर के निवासियों के साथ है। उनकी मुश्किल कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में प्राधिकरण ने 5 लीटर का ऑक्सिजन सिलेंडर और 5 लीटर प्रति मिनट क्षमता के ऑक्सिजन कंसंट्रेटर कॉल पर उपलब्ध कराने की शुरुआत की है। निवासी प्राधिकरण के दिए हुए मोबाइल नंबर पर अधिकारियों से संपर्क कर इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बताए गए पते पर 2 घंटे में पहुचाया जाएगा।

हालांकि सुविधा लेने से पहले निवासियों को भुगतान करना होगा। छोटे ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए 2500 रुपए देना होगा। इसके अलावा 200 रुपए गैस की जमानत राशि के तौर पर जमा करना होगा। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के लिए 7500 रुपए जमानत राशि रखी गई है। सेवा के लिए एक आईडी प्रुफ भी देना होगा। ऑक्सीजन सिलेंडर इस्तेमाल करने के 1 दिन बाद और कंसंट्रेटर एक हफ्ते के अंदर वापस करना होगा।

होम आइसोलेशन में मरीजों को घर पर मिलेगा खाना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा शहर में होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे कोरोना मरीजों के लिए अच्छी खबर है। यदि उनके घर में खाना बनाने के लिए कोई नहीं है। किसी कारण से खाना नहीं बनाया जा रहा है। ऐसे लोगों के लिए सेक्टर बीटा-1 में रहने वाले लालचंद भगत परिवार ने निशुल्क सुबह-शाम घर का खाना बनाकर पहुंचाने की सेवा शुरू की है। लालचंद भगत परिवार के सदस्य केएम चौधरी ने बताया कि कोरोना पीड़ित को नाम, पता, टेलीफोन नंबर, होम आसोलेशन में रहने की डेट, कोरोना पॉजिटिव की रिपोर्ट, इलाज हॉस्पिटल, कितने लोगों के लिए कितने दिनों तक खाना पहुंचाना है यह बताना होगा। इसके लिए मोबाइल नंबर 9580509207 पर आर्डर बुक कराना होगा।

तीमारदारों को दवा लाने के लिए नहीं किया जा सकता बाध्य

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● दवा प्रबंध करने की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की : डीएम

जिला प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसके तहत अब अस्पताल में भर्ती कोरोना रोगी के किसी भी तीमारदार को दवा लाने के लिए नहीं कहा जाएगा। दवा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी अस्पताल की तय कर दी गई है। इसके अलावा यदि कोई दवा मार्केट में नहीं मिलती है तो अस्पताल प्रशासन इसके लिए जिला प्रशासन से संपर्क कर दवाई खुद उपलब्ध कराएगा। इस आशय के आदेश जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने सोमवार शाम जारी कर दिए हैं।

डीएम ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से जिले के सभी निजी चिकित्सालय को ताकीद कर दिया है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ तो कड़ी कार्रवाई होगी। इसके अलावा जिले के सभी चिकित्सालयों को यह भी निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिदिन जिला मुख्यालय स्थित कोविड नियंत्रण कक्ष को अपने यहां बेड की स्थिति से भी अवगत कराएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि निजी चिकित्सालय ज्यादातर दवाओं की पर्ची लिखकर रोगियों के तीमारदारों को थमा देते हैं और वह मार्केट में दवा ढूंढते रहते हैं और उन्हें दवा नहीं मिलती है, यह दायित्व अस्पताल प्रबंधन का है।

खास बात यह है कि ताजा निर्देशों के तहत अब कोई भी मरीज यदि अस्पताल में भर्ती होता है और वह अपना बिल चुकाने में असमर्थ है तो उसका इलाज नहीं रोका जाएगा।

गाजियाबाद के अस्पतालों में 819 बेड खाली

गाजियाबाद। कोविड अस्पतालों में खाली बेड के लिए मारामारी थम गई है। इसका अंदाजा प्रदेश सरकार की कोविड अस्पतालों में बेड की उपलब्धता से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध डाटा से साफ पता चल रहा है। प्रशासन ने जो डाटा उक्त वेबसाइट पर डाला है, उसके हिसाब से जिले के विभिन्न अस्पतालों में वर्तमान में 819 बैड खाली हैं।

यह सभी अलग-अलग श्रेणी के बेड हैं, यानि इसमें ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और सामान्य तरह के बेड शामिल हैं। इस वेबसाइट पर प्रशासन ने करीब 2 दर्जन अस्पतालों का डाटा जारी किया है। इनमें कोविड केयर सेंटर, संतोष और रामा मेडिकल कॉलेज में चल रहे सेंटर और अस्पताल भी शामिल हैं। इससे अब शहर के लोगों को यह पता चलेगा कि किस अस्पताल और कोविड केयर सेंटर में कितने बैड खाली हैं।

नोएडा में कोरोना के 457 नए मामले मिले, 7 लोगों की मौत

● पिछले 24 घंटे में 856 मरीज हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

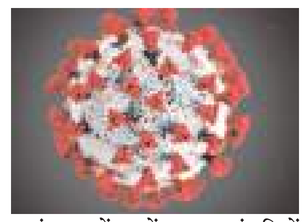

कोरोना का दंश झेल रहे गौतमबुद्धनगर में हालात दिनों दिन सुधर रहे हैं। सोमवार शाम को जारी रिपोर्ट के मुताबिक जनपद में वायरस संक्रमण के 457 नए मामले सामने आए हैं। जबकि पिछले 24 घंटे में करीब इससे दोगुने 856 मरीज ठीक होने के बाद अस्पतालों से डिस्चार्ज होकर घर लौट गए हैं। लंबे वक्त के बाद कोरोना की वजह से होने वाली मौतों की संख्या भी कमी आई है।

सोमवार को नोएडा में महामारी की वजह से 7 लोगों की जान गई है। गौतमबुद्धनगर के जिला निगरानी अधिकारी ने बताया कि इस वक्त जनपद के विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटाइन सेंटर में 6008 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। सोमवार को जनपद में कुल 457 नए कोविड मरीजों की पुष्टि हुई है। जबकि महामारी ने 7 लोगों की जान ली है। अधिकारी ने बताया कि पिछले 24 घंटे में विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटर से ठीक होने के बाद 856 लोगों को घर भेज दिया गया है। हालांकि सोमवार को हुई मौतों के साथ जनपद में कोरोना की वजह से कुल 392 मरीजों की जान जा चुकी है। जिले में अब तक कुल 53544 लोग महामारी को मात दे चुके हैं और घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रात्रिकालीन सफाई कर्मचारियों से बातचीत कर उनका हाल लेते नगर आयुक्त।

नगर आयुक्त ने सफाईकर्मियों का जाना हाल

गाजियाबाद। कोरोना काल मे नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर रविवार रात शहर की सड़कों पर उतरे तथा रात्रि कालीन सफाई व्यवस्था देख रहे कर्मचारियों का उनके पास जाकर उनका व उनके परिवार वालों का हाल चाल जाना। तंवर ने राजनगर, कविनगर, गोविंदपुरम, घंटाघर, सेक्टर 23 संजय नगर अन्य स्थलों समेत कवि नगर तथा सिटी जोन का जायजा लिया गया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा कोविड-19 काल में कार्य करने में परेशानी के बारे में पूछा गया तथा उनके उत्साह को बढ़ाया गया। साथ ही वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया साथ ही किसी भी प्रकार की वैक्सीन लगवाने में हर संभव सहायता देने के लिए भी कहा।

जनरल सॉलिसिटर संजय जैन को हॉस्पिटल में केक खिलाते डॉक्टर डॉ. अनुज।

कोरोना संक्रमित का अस्पताल में मनाया जन्मदिन

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल कौशांबी के डॉक्टरों ने देश के जनरल सॉलिसिटर संजय जैन को बड़ा सरप्राइज दिया। काफी दिन से कोरोना संक्रमण और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे जैन उस समय हैरान रह गए जब हॉस्पिटल स्टॉफ अचानक उनके जन्मदिन का सरप्राइज केक लेकर कोविड वार्ड में पहुंच गए और उन्हें बर्थडे और जल्द स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाएं दीं। जैन ने अस्पताल में ही केक काटकर अपना 59वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान उनकी कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुकी उनकी पत्नी अंजू जैन भी वहां मौजूद रहीं।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार ने बताया कि ग्राम जलपुरा के रहने वाले राजू, उनकी पत्नी मीनू तथा भाभी रूबी 16 मई को मोटरसाइकिल पर सवार होकर थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र की कच्ची सड़क के पास से गुजर रहे थे तभी अज्ञात कार चालक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। उन्होंने बताया टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल और कार में आग लग गई। इसमें मोटरसाइकिल सवार राजू, मीनू गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि रूबी की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सोमवार को दोनों की मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

कोरोना संकट से बिजली बिल के भुगतान में कमी आई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में कोरोना की वजह से जिंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। इसका असर सभी विभागों पर भी पड़ा है। खासकर विद्युत निगम को कोरोना की वजह से दोहरी मार पड़ी है। पहले निगम के ज्यादातर कर्मी संक्रमण की चपेट में आ गए।

अब लॉकडाउन और महामारी के खौफ से लोग काउंटर पर जाकर बिल जमा करने में हिचक रहे हैं। मगर विद्युत विभाग भी सक्रिय हो गया है। विद्युत निगम ने लोगों से घर बैठे ऑनलाइन बिल जमा करने की अपील की है।

विभाग ने ऑनलाइन प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही उपभोक्ताओं को भुगतान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए पोस्टर जारी कर बिल जमा करने के प्रक्रिया को समझाया गया है। उपभोक्ता ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इसके बाद अपने बिल पर दिए नम्बर से सीधे भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं को वेबसाइट पर किसी तरह के लॉगिन या रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं है।

शासनादेश के बावजूद तहसीलों में शुरू नहीं हुआ कामकाज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शासन के निर्देशों के बावजूद जनपद की तीनों तहसीलों में सोमवार से कामकाज शुरू नहीं हो सका है। तीनों तहसील में काम करने वाले अधिवक्ताओं ने साफ कर दिया है कि जब तक कोरोना संक्रमण बेअसर नहीं होगा, तब तक कोई भी कामकाज तीनों तहसीलों में नहीं होगा।

खास बात यह है कि गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में प्रतिदिन करोड़ों का कामकाज होता है और सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व मिलता है। उत्तर प्रदेश शासन ने जनपद की तीनों तहसीलों सदर गाजियाबाद, मोदीनगर, लोनी में सोमवार से घोषित गाइडलाइन के तहत कामकाज शुरू करने का निर्देश दिया था।

सहायक महानिरीक्षक निबंधन कृष्ण कुमार मिश्र ने इस संबंध में सभी तहसीलों को लिखित में निर्देश जारी किए थे और यह भी ताकीद किया था कि गाइडलाइन के तहत लॉकडाउन नियमावली का अनुपालन किया जाए और सोशल डिस्टेंस के तहत तीनों तहसीलों में सोमवार से कामकाज शुरू करने की बात कही गई थी।

उधर, सदर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने साफ कर दिया है कि जब तक कोरोना संक्रमण का प्रभाव बेअसर नहीं हो जाता है तब तक कोई भी कामकाज तहसील परिसर में नहीं होगा। उन्होंने बताया कि अब तक तहसील परिसर में कार्य करने वाले

● बार ने कहा-लोगों की जिंदगी बचाना जरूरी

लगभग नौ अधिवक्ता व उनके सहयोगी कोरोना संक्रमण के कारण मारे जा चुके हैं। इसी क्रम में बार के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद गोयल ने कहा कि सरकार राजस्व देने वाली संस्थाओं को खतरे में झोकना चाहती है। जब पूरे प्रदेश में लॉकडाउन लगा हुआ है तो तहसीलों को खोलने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनपद के पूरे बाजार बंद है और कोई भी व्यापार नहीं हो रहा है तो तहसीलों को खोलने का कोई भी तर्क नहीं बनता है।

कॉकटेल पार्टी कर रहे 10 पर मुकदमा दर्ज

कोविड नियमों को ताक पर रखकर बीजेपी नेता ने दी थी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

नगर स्थित एक प्लाजा में कोविड-19 के चलते कॉकटेल पार्टी कर रहे लोगों पर सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए होटल मालिक सहित 10 पत्रकार व कुछ अन्य अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित आर.के. प्लाजा में रविवार रात एक बीजेपी नेता ने कोविड नियमों को ताक पर रखकर

● वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में पुलिस

पत्रकारों को कॉकटेल पार्टी में निमन्त्रण दिया था। जिसकी वीडियो दिनभर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। पुलिस ने बताया कि यह आयोजन सुयांश वाशिष्ठ ने किया था।

हालांकि पुलिस ने होटल मालिक अजय कंसल व 10 पत्रकार तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। मामले में बीजेपी नेता सुयांश वशिष्ठ ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें षडयंत्र के तहत फंसाने का आरोप लगाया है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अध्यक्ष शक्ति ठाकुर ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है कोरोना महामारी में पार्टी करना व कोविड 19 के नियमों का उलंघन करना गलत है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों कार्यवाही न कर कार्यक्रम का आयोजन करने वाले व होटल मालिक पर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

कमला नेहरू नगर स्थित एनडीआरएफ आठवीं बटालियन के जवान चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए तैयारी करते हुए।

चक्रवाती तूफान से निपटने को एनडीआरएफ अलर्ट

गाजियाबाद। दक्षिण भारत के कई राज्यों में चक्रवाती तूफान की भयावह स्थिति को देखते हुए गाजियाबाद के कमला नेहरू नगर स्थित एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन की 5 टीमों को अति सतर्क कर दिया गया है और पांचों टीमों को विशेष तैयारी के साथ ऑपरेशन के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है।

एनडीआरएफ प्रवक्ता नरेश चौहान ने बताया कि तूफान प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव के लिए इन टीमों को तैनात किया जाएगा। संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 5 टीमों में तैनात जवानों को विशेष फेस शिल्ड से लैस किया जाएगा। इसके अलावा इन टीमों को विशेष तौर पर तूफान में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों से भी लैस किया गया है।

जावली में दस बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरू

गाजियाबाद। लोनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जावली में डॉ आंबेडकर सामुदायिक भवन में दस बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन पूर्व विधायक मदन भैया ने किया। इस सेंटर में डॉक्टर भी उपलब्ध होंगे और यहां सभी प्रकार की दवाइयां भी आइसोलेशन सेंटर में उपलब्ध होंगी। आइसोलेशन वॉर्ड में ऑक्सिजन की भी व्यवस्था सभी बेड के साथ की गई है। ग्राम प्रधान ने बताया कि आने वाले दो दिन में वैक्सीन टीकाकरण शुरू हो जाएगा। आसपास के ग्रामवासियों ने इस कार्य की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्य को हर गांव में होना चाहिए जिससे कि इस बीमारी से लोगों को बचाया जा सके। इस अवसर पर नरेंद्र हवलदार, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कसाना, सुखबीर कसाना, गौरव प्रधान एडवोकेट, मोहित कसाना, पूर्व प्रधान ओम प्रकाश (पप्पू),सोराज कसाना, वीरेंद्र मास्टर,देवेंद्र कसाना, अमित,राजपाल आदि मौजूद रहे।

नोएडा और ग्रेनो के लोग ड्राइव इन में लगवाएं वैक्सीन

सोमवार को दो केंद्रों पर टीका लगवाने के लिए छह मिनट में ही बुक हो गए सारे स्लॉट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के निवासियों के लिए बड़ी खबर है। कोरोनावायरस के संक्रमण से पार पाने के लिए वैक्सीनेशन को रफ्तार दी जाएगी। जिला प्रशासन ने 45 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए ड्राइव-इन वैक्सीनेशन सेंटर शुरू किए हैं। मतलब, अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोग कार में बैठे-बैठे वैक्सीन लगवा सकते हैं।

खास बात यह है कि रविवार को स्लॉट बुकिंग शुरू की गई है। बुकिंग शुरू होने के महज 16 मिनट में सोमवार का पूरा स्लॉट खत्म हो गया। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने के लिए ड्राइव इन सेंटर शुरू किए गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अभी एक-एक ड्राइव इन सेंटर बनाया गया है। इन दोनों सेंटर पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग वैक्सीनेशन करवा सकते हैं।

डीएम ने बताया कि यह वैक्सीनेशन पूरी तरह से निशुल्क किया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर का स्वास्थ्य विभाग प्रदेश शासन की ओर से फ्री वैक्सीनेशन कर रहा है, लेकिन इस सुविधा का लाभ लेने के लिए लोगों को अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य होगा। अपॉइंटमेंट कोविन ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके स्लॉट बुकिंग होगी। जब वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचेंगे तो मोबाइल पर वेरिफिकेशन के लिए एक वन टाइम पासवर्ड आएगा। कर्मचारी को यह ओटीपी बताना होगा।

डीएम ने बताया कि वैक्सीनेशन कार में बैठे-बैठे कर दिया जाएगा, लेकिन वैक्सीन लगवाने के बाद 30 मिनट अंडर ऑब्जर्वेशन के लिए वहीं रुकना होगा। इसके लिए ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर पर पार्किंग का इंतजाम किया गया है।

निर्धारित पार्किंग में कार खड़ी करके 30 मिनट बाद घर जा सकते हैं। अगर वैक्सीनेशन के बाद किसी व्यक्ति को परेशानी हो तो तुरंत अपनी कार की हैजर्ड लाइट जलाएं या हॉर्न बजाकर मेडिकल स्टाफ को अलर्ट कर दें। मेडिकल स्टाफ ऐसी कार में सवार व्यक्ति के पास तत्काल स्वत: पहुंच जाएंगे। ड्राइव इन वैक्सीनेशन करवाने के लिए जब जाएं तो कोई फोटो युक्त पहचान पत्र और मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है।

यह है वैक्सीनेशन सेंटर और समय

- नोएडा में सेक्टर-18 डीएलएफ मॉल का ईस्ट गेट
- ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कंपलेक्स

रोजाना सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक वैक्सीनेशन होगा

इन बातों का ख्याल रखें

- सेंटर पर जाकर अपने वाहन से बाहर नहीं निकलें
- सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पूरी तरह पालन करें
- डबल मास्क लगाकर ही ड्राइव इन सेंटर पर जाएं
- वैक्सीनेशन पूरी तरह निशुल्क है, किसी को पैसा न दें
- ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट और स्लॉट लिए बिना नहीं पहुंचे

पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलेगा भारत

टेस्ट दर्जा हासिल करने वाले 12 देशों में से केवल दो देश ही ऐसे हैं जिन्होंने अब तक तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच नहीं खेला

धर्मेन्द्र पंत। नई दिल्ली

भारत अगले महीने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए रोज बाउल में उतरेगा तो यह उसके लगभग 89 वर्ष के टेस्ट इतिहास में पहला अवसर होगा जबकि वह तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलेगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टेस्ट दर्जा हासिल करने वाले 12 देशों में से केवल दो देश ही ऐसे हैं जिन्होंने अब तक तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच नहीं खेला है। इनमें भारत के अलावा बांग्लादेश शामिल है। भारत अब जल्द ही इस सूची में शामिल हो जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से इंग्लैंड के साउथम्पटन में डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेला जाएगा जो दोनों देशों के लिए तटस्थ स्थल है। पाकिस्तान में सुरक्षा खतरे को देखते हुए एक दशक से भी अधिक समय तक विदेशी टीमों ने वहां का दौरा नहीं किया। पाकिस्तान ने इस बीच अपने घरेलू मैचों का आयोजन यूएई और श्रीलंका में किया। इस तरह से इस बीच अधिकतर देशों को तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल गया।

इनमें न्यूजीलैंड भी शामिल है जिसने 2014 से लेकर 2018 तक तटस्थ स्थलों पर छह मैच खेले हैं जिनमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली। भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद कोई टेस्ट मैच नहीं खेला गया है। भारत के पास इससे पहले 1999 में तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला था लेकिन तब भारतीय टीम एशियाई टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी जो कि ढाका में खेला गया था। पाकिस्तान और श्रीलंका उस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे थे और तब उन्होंने पहली बार तटस्थ स्थल पर टेस्ट मैच खेला था।

वैसे तटस्थ स्थल पर पहला टेस्ट मैच आज से 109 साल पहले आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2728 मई 1912 को मैनचेस्टर में खेला गया था। यह मैच त्रिकोणीय टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा था जिसमें इन दोनों टीमों के अलावा मेजबान इंग्लैंड ने भाग लिया था। आस्ट्रेलिया ने यह मैच दो दिन में पारी और 88 रन से जीता था। इसके बाद 1999 में ही कोई मैच तटस्थ स्थल पर खेला गया। पाकिस्तान ने पिछले 20 वर्षों में अपने अधिकतर घरेलू मैच मुख्य रूप से यूएई में खेले हैं। यही कारण है कि तटस्थ स्थल पर सर्वाधिक मैच खेलने का रिकार्ड उसी के नाम पर दर्ज है। पाकिस्तान ने अब तक 39 मैच तटस्थ स्थल पर खेले हैं। इनमें से उसे 19 में जीत और 12 में हार मिली है। बाकी आठ मैच ड्रा रहे।

आस्ट्रेलिया ने भी 12 मैच तटस्थ स्थलों पर खेले हैं। उसके बाद श्रीलंका (नौ), दक्षिण अफ्रीका (सात) तथा न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड (तीनों छह छह) का नंबर आता है। अफगानिस्तान ने भी अपने चार मैच तटस्थ स्थलों (भारत और यूएई) में खेले हैं। जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने दोनों मैच अबुधाबी में खेले थे। आयरलैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपना एक मैच देहरादून में खेला है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए लंदन पहुंचे न्यूजीलैंड के खिलाड़ी

लंदन। न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिए यहां पहुंच गए हैं। खिलाड़ी आकलैंड से सिंगापुर होते हुए रविवार की शाम को यहां पहुंचे और इसके बाद साउथम्पटन में एजिस बाउल चले गए। इस दौरे के पहले दो सप्ताह वे साउथम्पटन में ही रहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच दो जून को लंदन में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 10 जून से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून से साउथम्पटन में शुरू होगा। टीम के बीच आपस में ही 26 मई से 28 मई के बीच तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा जिसमें छह स्थानीय गेंदबाज उनकी मदद करेंगे। ये छह गेंदबाज पहले ही पृथकवास पर रहेंगे। टिम साउदी, बी जे वाटलिंग, रोस टेलर और नील वैगनर सोमवार को आकलैंड से रवाना होकर साउथम्पटन में टीम से जुड़ेंगे।

हम अभ्यास सत्रों का महत्व समझने लग गए हैं : मोनिका

एजेंसी। बेंगलुरू

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर मोनिका ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अब अपने अभ्यास सत्रों के उद्देश्य को समझने लग गई है जबकि पहले वह केवल कोच के निर्देशों का अनुसरण करती थी।

रियो ओलंपिक 2016 में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही मोनिका ने कहा कि शनिवार को सुबह का सत्र सबसे कड़ा होता है। मोनिका ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, यह बेहद कड़ा सत्र होता है जिसमें मैच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कड़ा अभ्यास किया जाता है। उन्होंने कहा, प्रत्येक सत्र में तेजी या दमखम पर ध्यान दिया जाता है। हमारे सप्ताह में ऐसे दो या तीन सत्र होते हैं। इन दिनों में वास्तव में हमारे फिटनेस स्तर की परीक्षा होती है। मोनिका ने कहा कि टीम अब प्रत्येक सत्र के महत्व को समझती है।

उन्होंने कहा, हमारी प्रत्येक सत्र और उससे मिलने वाली मदद को लेकर जागरुकता पहले से बेहतर है।

पहले हम आंख मूंदकर वही करते थे जो कोच कहता था। चंडीगढ़ की रहने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि कोचिंग स्टाफ प्रत्येक सप्ताह के अभ्यास के लिए इस तरह से योजना तैयार करता है ताकि टीम सही समय पर अपने चरम पर रहे। मोनिका ने कहा, हमारा ध्यान अब अपने मजबूत पक्षों में सुधार करने और कमजोर पक्षों पर काम करने पर है। हमारा लक्ष्य सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना है। प्रत्येक खिलाड़ी के कार्यभार पर गौर किया जाता है और उसी हिसाब से सुधार का आकलन किया जाता है।

त्वेसा मलिक संयुक्त 23वें स्थान पर, ली आन ने महिला दक्षिण अफ्रीका ओपन का खिताब जीता

केपटाउन। भारत की त्वेसा मलिक ने अंतिम दिन अंतिम चार होल में तीन बोगी की जिससे यहां इनवेस्टेक दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 23वें स्थान पर रही। त्वेसा ने अंतिम दिन 76 का स्कोर बनाया जिससे वह शीर्ष 20 में जगह बनाने में नाकाम रहीं। उन्होंने तेज हवाओं और बारिश के खलल के बीच टूर्नामेंट में 72, 79, 78 और 76 का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका की 40 साल की ली आन पेस ने अंतिम दौर में 72 के स्कोर से चौथी बार दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन का खिताब जीता। ली आन ने जर्मनी की लियोनी हार्म को एक शॉट से पछाड़ा। ली आन का कुल स्कोर दो ओवर 290 रहा। वह इस टूर्नामेंट का खिताब चार बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

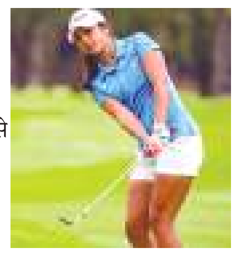

संक्षिप्त समाचार

स्वदेश पहुंचे आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

मेलबर्न। पैट कमिन्स और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद सोमवार को सिडनी पहुंच गए। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने वहां से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग दो सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाए। आस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे। आईपीएल को विभिन्न टीमों में कोविड-19 के मामले पाए जाने के बाद चार मई को स्थगित कर दिया गया था। आस्ट्रेलिया ने कोविड की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण उसके क्रिकेटर सीधे स्वदेश नहीं लौट पाए थे। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अब सिडनी में दो सप्ताह के अनिवार्य पृथकवास पर रहना होगा। राष्ट्रीय प्रसारक एबीसी के अनुसार एयर सेसेल्स की उड़ान से यहां पहुंचने वालों में स्मिथ, कमिन्स, बल्लेबाज डेविड वार्नर, दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग आदि शामिल थे। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी भी शुक्रवार को कोविड-19 की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद रविवार को दोहा के रास्ते सिडनी पहुंच गए थे।

डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने चैंपियंस लीग में जगह बनाई

बर्लिन। बोरुसिया डोर्टमंड और वोल्फ्सबर्ग ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा से यूरोप के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट चैंपियन्स लीग में जगह बनाई। डोर्टमंड ने मेंज को 3-1 से हराकर जबकि वोल्फ्सबर्ग ने लीपजिग के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर बुंदेसलीगा में अपना शीर्ष चार में स्थान सुनिश्चित किया। इन दोनों टीमों के समान 61-61 अंक हैं जो पांचवें स्थान की टीम से चार अंक अधिक हैं। लीपजिग दूसरे स्थान पर है और उसने लीग के चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियन्स लीग में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। प्रत्येक लीग से शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें अगले सत्र में चैंपियन्स लीग में खेलेंगी।

रैली में चौथे और पांचवें स्थान पर रहे हीरो टीम के चालक

विलामार्टिन। भारत की हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली शीर्ष तीन में जगह बनाने से चूक गई लेकिन उसके चालक जोकिम रोड्रिग्स और फ्रेंको कैमी एंडालुसिया रैली में क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। जोकिम रोड्रिग्स और कैमी के पास अंतिम चरण में टीम के लिए पोडियम (शीर्ष तीन स्थान) हासिल करने का सर्वश्रेष्ठ मौका था। रोड्रिग्स ने दमदार शुरुआत की लेकिन दो बार दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण सातवें स्थान पर रहे। इससे रोड्रिग्स संपूर्ण तालिका (तीनों रेस के परिणाम पर आधारित सूची) में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कैमी रैली के आखिरी चरण में पांचवें स्थान पर रहे और इससे वह संपूर्ण तालिका में भी पांचवें स्थान पर पहुंच गए। टीम के एक अन्य चालक सेबेस्टियन बुहलर पर इंजिन बदलने के कारण कल 15 मिनट का जुर्माना लगा था। इससे वह संपूर्ण तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाने से चूक गए। वह तीसरे चरण में चौथे स्थान पर रहे लेकिन संपूर्ण सूची में उन्हें आठवां स्थान मिला।

अजहरुद्दीन ने टीम इंडिया के पूर्व साथी रमन का समर्थन किया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने डब्ल्यूवी रमन का समर्थन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महिला टीम के कोच के पद से हटाए गए इस पूर्व खिलाड़ी से अधिक चतुर लोग क्रिकेट में बेहद कम हैं। पिछले हफ्ते हैरानी भरे कदम में रमन की जगह पूर्व आफ स्पिनर रमेश पोवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। इस कदम से काफी लोग हैरान हैं और ऐसे में अजहरुद्दीन ने टीम इंडिया के अपने पूर्व साथी रमन का पूरा तरह से समर्थन किया है जिन्होंने उनके नेतृत्व में देश का प्रतिनिधित्व किया। अजहरुद्दीन ने ट्वीट किया, खेल को लेकर डब्ल्यूवी रमन की समझ और कोचिंग कौशल कई लोगों के लिए काफी उपयोगी हो सकता है। उसने अधिक चतुर लोग बेहद कम हैं और उसके पास कई साल का अनुभव है।

कोहनी की चोट उबरने से आर्चर न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर होने के बाद हाल में वापसी करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट फिर से उबरने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी काउंटी टीम ससेक्स की तरफ से केंट के खिलाफ वापसी की थी लेकिन केवल पांच ओवर कर पाए थे। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह में के खिलाफ दूसरी श्रेणी की टीमों के मैच में 29.2 ओवर किए थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान में कहा, इंग्लैंड और ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इसमें कहा गया है, गेंदबाजी करते समय उनकी दाहिनी कोहनी में दर्द हो रहा था और वह मैच के आखिरी दो दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए। आर्चर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जून से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्वयं को फिट घोषित किया था, लेकिन कोहनी की चोट उबरने के कारण उनकी और ईसीबी की योजना खटाई में पड़ गई। क्रिकेट बोर्ड अब इस पर विचार कर रहा है कि आर्चर को अपनी दाहिनी कोहनी के उपचार के लिए आपरेशन की जरूरत है या नहीं। उन्होंने कोहनी की चोट के कारण ही आईपीएल से हटने का फैसला किया था और बाद में अपने दाएं हाथ की अंगुली से कांच का टुकड़ा निकालने के लिए आपरेशन कराया था।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में बैनक्राफ्ट के खुलासे में कुछ भी चौंकाने वाला नहीं : क्लार्क

एजेंसी। मेलबर्न

पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी नहीं होगी कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की साजिश के बारे में गेंदबाजों को पता था।

इस विवाद के कारण आस्ट्रेलिया की हर हाल में जीत दर्ज करने की संस्कृति की समीक्षा की गई थी। इसके बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक साल का जबकि कैमरन बैनक्राफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगा था। बैनक्राफ्ट ने गेंद की शक्ल बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई थी। यह मसला पिछले सप्ताह फिर से चर्चा में आया जब बैनक्राफ्ट ने खुलासा किया कि आस्ट्रेलिया के तब के गेंदबाजों को इस साजिश की जानकारी थी।

क्लार्क ने सोमवार को स्काई स्पोर्ट्स रेडियो से कहा, यदि आप उच्चस्तर पर क्रिकेट खेल रहे हो तो आप अपनी रणनीति के बारे में जानते हो। क्या आप ऐसी कल्पना कर सकते हो कि गेंद वापस गेंदबाज को सौंपी जा रही हो और गेंदबाज को इस बारे में पता नहीं हो। कैमरन बैनक्राफ्ट का खुलासा चौंकाने वाला नहीं है। बैनक्राफ्ट के साक्षात्कार के बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भी बयान जारी करके कहा कि वह घटना की फिर से जांच करने के लिए तैयार है। क्लार्क ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी को इस पर हैरानी होगी कि इसके बारे में तीन लोगों से अधिक को जानकारी थी।

बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

गोटेनबर्ग। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकेंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और चेल्सी को 4-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार महिला चैंपियन्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का खिताब जीता। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-1 से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई।

पीएसजी जीता, लिली ने ड्रॉ खेला, फ्रांसीसी लीग में खिताब के लिए कड़ा संघर्ष जारी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने रीम्स को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में खिताबी दौड़ को आखिरी दिन तक खींच दिया क्योंकि लिली ने सेंट एटिनी के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे।

लिली के 37 मैचों में 80 अंक हैं जबकि पीएसजी के 79 अंक हो गए हैं। पीएसजी का सामना अब ब्रेस्ट से जबकि लिली का एंजर्स से होगा। रीम्स के डिफेंडर यूनिस अब्दुलहामिद को 11वें मिनट में बाहर भेजे जाने का पीएसजी से पूरा फायदा उठाया। उसे पेनल्टी मिली जिसे नेमार ने गोल में बदला। काइल एमबापे ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी जबकि मारक्विनहोस और मोइज कीन ने दूसरे हाफ में गोल किए।

एसी मिलान, नैपोली और युवेंटस का चैंपियन्स लीग का इंतजार बढ़ा

मिलान। एसी मिलान, नैपोली और युवेंटस में से कोई दो टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाएंगी लेकिन इसके लिए उन्हें इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए के अंतिम दौर के मैचों तक इंतजार करना होगा। यूरोप के शीर्ष लीग में आठ साल बाद जगह बनाने की कवायद में लगे एसी मिलान ने कैगलियारी के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला जिससे उसके और नैपोली के समान 76 अंक हो गए हैं। नैपोली ने एक अन्य मैच में फ्लोरेंटिना को 2-0 से हराया। युवेंटस अभी पांचवें स्थान पर है लेकिन वह एसी मिलान और नैपोली से केवल एक अंक पीछे है। युवेंटस ने शनिवार को सेरी ए चैंपियन इंटर मिलान को 3-2 से हराया था। एसी मिलान का अगला मैच अटलांटा से होगा जो इंटर मिलान के साथ पहले ही चैंपियन्स लीग में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका है। नैपोली का सामना हेल्लास वेरोना और युवेंटस का बोलोग्ना से होगा। सेरी ए में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाती हैं।

एटलेटिको खिताब से एक जीत दूर, बार्सिलोना बाहर

मैड्रिड। लुई सुआरेज के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर दी।

एटलेटिको की स्पेनिश खिताब जीतने की उम्मीदों पर एक समय पानी फिरता नजर आ रहा था, लेकिन सुआरेज ने 88वें मिनट में निर्णायक गोल दाग दिया। इससे पहले रीनन लोडी ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया था। ओसासुना की तरफ से एंटे बुडमीर ने 75वें मिनट में गोल दागा था। इस जीत से एटलेटिको अंतिम दौर से पहले अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड से दो अंक आगे हो गया है। रीयाल ने नाचो के 68वें मिनट में किए गए गोल की मदद से एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराकर स्वयं को खिताब की दौड़ में बनाए रखा। सेल्टा विगो से 2-1 से हारने के कारण बार्सिलोना खिताब की दौड़ से बाहर हो गया है। एटलेटिको को खिताब हासिल करने के लिए अंतिम दौर में जीत की जरूरत है जबकि रीयाल मैड्रिड को जीत दर्ज करने के अलावा एटलेटिको की हार की दुआ करनी होगी। एटलेटिको का सामना 23 मई को वेल्लाडोलिड जबकि रीयाल का इसी दिन विल्लारियाल से होगा।

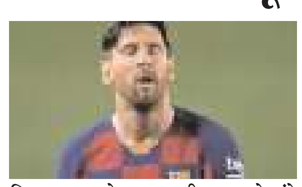

श्रीलंका की टीम तीन वनडे खेलने के लिए बांग्लादेश पहुंची

ढाका। नव नियुक्त कप्तान कुसाल परेरा की अगुवाई में श्रीलंका की क्रिकेट टीम तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए यहां पहुंच गई है। श्रीलंकाई टीम होटल में तीन दिन तक कड़े पृथकवास पर रहेगी और इस बीच उसके कोविड-19 के तीन दो परीक्षण किए जाएंगे। इसके बाद वे चौथे दिन से आपस में ही अभ्यास कर सकते हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला वनडे 23 मई को खेला जाएगा। इसके बाद 25 और 28 मई को दूसरा और तीसरा वनडे होगा। तीनों मैच शेरे बांग्ला स्टेडियम मीरपुर में खेले जाएंगे। पिछले सप्ताह श्रीलंका ने अपनी टीम में कई बदलाव करते हुए दिमुथ करुणारत्ने की जगह उनके सलामी जोड़ीदार कुसाल परेरा को कप्तान नियुक्त किया तथा एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चंडीमल जैसे खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर कर दिया। कुसाल मेंडिस को उप कप्तान बनाया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ मैचों को डब्ल्यूटीसी फाइनल के अभ्यास के तौर नहीं लेंगे : वैगनर

एजेंसी। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला को भारत के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के अभ्यास के तौर पर नहीं लेगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 से 22 जून के बीच साउथम्पटन में डब्ल्यूटीसी फाइनल खेला जाएगा। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला खेलेगी। वैगनर ने रवाना होने से पहले ऑकलैंड हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, हम इंग्लैंड के खिलाफ इन दो टेस्ट मैचों को केवल (डब्ल्यूटीसी फाइनल के) अभ्यास के तौर पर नहीं लेंगे।

उन्होंने कहा, हम जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं उस पर मुझे गर्व है और हम इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं। न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी सोमवार को इंग्लैंड पहुंच गए लेकिन वैगनर ब्रिटेन रवाना होने वाले दूसरे दल का हिस्सा हैं।

दबाव से निपटने में मदद को क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने पहल की

मुंबई। शहर के क्रिकेटर्स फाउंडेशन ने मुंबई के युवा खिलाड़ियों के क्रिकेट जैसे प्रतिस्पर्धी खेलों में दबाव और चिंता से निपटने में मदद करने के लिए एक पहल शुरू की है। फाउंडेशन के चेयरमैन मकरंद वेंगाकर ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि यह पहल अप्रैल में माइंडस्पोर्ट्स के साथ मिलकर शुरू की गई और इसमें मानसिक प्रशिक्षण सत्र भी शामिल हैं। शहर के 12 लड़कों के पहले बैच ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े छह अभ्यास सत्र पूरे कर लिए हैं। ये अभ्यास सत्र मुग्धा बावरे और खेल मनोचिकित्सकों को उनकी टीम ने संचालित किए थे।

बेकर जैसा हेडर जमाना सीख रहे हैं गुरप्रीत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ब्राजील के दिग्गज एलिसन बेकर जैसा हेडर लगाना सीखना चाहते हैं लेकिन जब तक वह इसमें पारंगत होते हैं तब तक वह इसकी जिम्मेदारी अपने कप्तान सुनील छेत्री पर छोड़ना चाहते हैं।

लिवरपूल के ब्राजीली गोलकीपर एलिसन के दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में लगाए गए खूबसूरत हेडर से उनकी टीम ने वेस्ट ब्रोमविच को 2-1 से हराया। गोलकीपरों को मैच के अंतिम क्षणों में इस तरह से गोल करते हुए बहुत कम देखा जाता है। इस मामले में पराग्वे के गोलकीपर जोस लुईस चिलावर्ट का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने करियर में आठ अंतरराष्ट्रीय गोल किए। गुरप्रीत ने एआईएफएफ.कॉम से कहा, मैं उनका (बेकर) हेडर बार बार देख रहा हूं। गेंद सही जगह पर पहुंची और उन्होंने बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में भेजा। क्या शानदार हेडर था। लेकिन यदि वह नियमित तौर पर इसका अभ्यास कर रहा है तो हमें स्वीकार करना होगा कि यह विशेष है। गुरप्रीत भी कई अवसरों पर अपनी टीम के आक्रमण में मदद करने के लिए आगे बढ़ जाते हैं और भले ही वह बेताब नहीं है लेकिन मौका मिलने पर इसका पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसा करने के लिए बेताब नहीं हूं। मैं अपने क्लब बेंगलुरू एफसी से कुछ अवसरों पर आक्रमण के लिए आगे बढ़ा था।

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

कुछ अलग करने का है मन तो बनाएं लेक्सोग्राफी के क्षेत्र में कॅरियर

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर।

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी

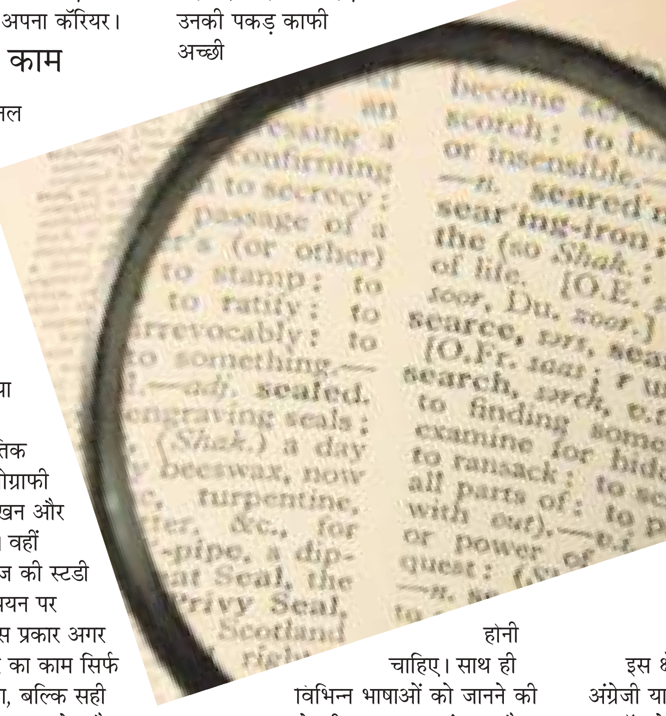

होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है।

वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं

लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी

यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रुपये प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

डेक्कन संस्थान, पुणे
पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
मद्रास विश्वविद्यालय
केरल विश्वविद्यालय, केरल
भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

रेज्युमे में न करें ये 5 गलतियां पड़ता हैं गलत इम्प्रेशन

किसी भी प्राइवेट नौकरी का सबसे पहला चरण होता हैं आपका रेज्युमे जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता हैं। रेज्युमे शॉर्टलिस्ट होने के बाद ही आगे के चरण को संपन्न कराया जाता हैं। उन कैंडिडेट्स को शॉर्टलिस्ट किए जाने का ज्यादा चांस होता है, जिनका रेज्युमे ज्यादा असरदार होता है। ऐसे में आपको नौकरी मिलने में रेज्युमे का बड़ा महत्व बनता हैं। इसमें की गई कोई भी गलती आपके हाथ से जॉब पाने का मौका छीन सकती हैं। इसलिए आज हम आपको रेज्युमे में की जाने वाली सामान्य गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लंबी-चौड़ी पर्सनल डीटेल्स

ध्यान रखें रेज्युमे आपके बारे में होता, उसमें अपने से संबंधित जानकारी दें। कुछ लोग पिता की जानकारी भी दे देते हैं, जो गलत है। रेज्युमे में सिर्फ पिता का नाम लिख सकते हैं। बाकी उनसे जुड़ी कुछ ज्यादा जानकारी मत दें। रेज्युमे में आपका प्रोफेशनल एक्सपीरियंस होना चाहिए, पर्सनल एक्सपीरियंस नहीं। अड्रेस, कॉन्टैक्ट नंबर और ईमेल आईडी तक ही पर्सनल जानकारी काफी है।

गलत शब्द

रेज्युमे में जो कुछ भी शब्द लिखते हैं, उसे नापतौल कर लिखें। शब्दों का चयन अच्छा होना चाहिए। साथ ही यह ध्यान रखना चाहिए आपको कि रेज्युमे में स्पेलिंग वगैरा की किसी तरह की गलती न हो। इन गलतियों से गलत इंप्रेशन पड़ा है। रेज्युमे कहीं भेजने से पहले बेहतर है कि उसे एक बार अच्छी तरह से पढ़ लें। स्पेलिंग और ग्रैमेटिकल मिस्टेक को अच्छी तरह से चेक कर लें।

"रेज्युमे में आपका प्रोफेशनल एक्सपीरियंस होना चाहिए, पर्सनल एक्सपीरियंस नहीं। अड्रेस, कॉन्टैक्ट नंबर और ईमेल आईडी तक ही पर्सनल जानकारी काफी है।"

सही ईमेल अड्रेस इस्तेमाल नहीं करना

कुछ लोग ईमेल आईडी सही नहीं बनाते हैं। जैसे किसी ने stillcoolboyXYZ@email.com ईमेल आईडी बना दी। इस तरह की ईमेल आईडी को देखकर ऐसा लगता है कि जैसे कोई फर्जी ईमेल आईडी है। एचआर भी इस तरह की बातें सोच सकता है। इसलिए बेहतर यह है कि ईमेल आईडी में अपने नाम का इस्तेमाल करें। अपने नाम के साथ कुछ नंबर का इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे sohanv|}~@gmail.com

झूठा इंप्रेशन जमाने की कोशिश

आपके रेज्युमे से साफ तस्वीर नजर आनी चाहिए। कुछ लोग इंप्रेशन जमाने की कोशिश में अपनी वे खूबियां भी लिख देते हैं, जो उनके अंदर नहीं है या जो काम नहीं किया है, उसका भी अनुभव लिख देते हैं। रेज्युमे में हमेशा आपको सही लिखना चाहिए। अगर आप अपनी खूबियां लिख रहे हैं तो आपको अपनी खामियां भी लिखनी चाहिए। इसका सही असर पड़ता है।

लंबा-चौड़ा रेज्युमे

पहले ही जिक्र कर चुके हैं कि एचआर के पास सैकड़ों रेज्युमे आते हैं। ऐसे में उन रेज्युमे को चुनना बहुत आसान होता है, जिनमें कम शब्दों में ज्यादा बातें कही गई हो। अकसर लोग स्मार्ट बनने के चक्कर में फिजूल की डीटेल्स डाल देते हैं कि एचआर पर इंप्रेशन जमेगा, लेकिन होता इसके विपरित है। लंबा-चौड़ा रेज्युमे होने पर एचआर के लिए उसको पूरा पढ़ना मुश्किल हो जाता है। रेज्युमे ज्यादा से ज्यादा 2 पेज का होना चाहिए। उससे ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए।

क्या है डिजिटल मार्केटिंग

"कभी अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए चाहे वह छोटा हो चाहे बड़ा हो, खुद की प्रमोशन के लिए, किसी प्रोडक्ट प्रमोशन के लिए, अपने कार्य के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए डिजिटल मार्केटिंग का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है।"

आज के तकनीकी युग में सर्वाधिक इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों में से एक शब्द है डिजिटल! अगर आप तकनीक के मामले में बिल्कुल ही शून्य हैं, तो भी पूरी उम्मीद है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया कैंपेन के बारे में आपने अवश्य ही सुना होगा। जिस प्रकार से भारतीय परिदृश्य में तकनीक पर जोर दिया जा रहा है, उसमें शायद ही डिजिटल शब्द से कोई अनजान होगा। ऐसे में डिजिटल मार्केटिंग भी एक जाना-पहचाना शब्द बन गया है।

तात्पर्य है कि कभी अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए, चाहे वह छोटा हो, चाहे बड़ा हो, खुद की प्रमोशन के लिए, किसी प्रोडक्ट प्रमोशन के लिए, अपने कार्य के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए डिजिटल मार्केटिंग का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। इसी के बारे में यहां हम आपको संक्षिप्त, मगर पर्याप्त जानकारी देने का प्रयास करते हैं। इस जानकारी में डिजिटल मार्केटिंग के बारे में तो हम आपको बताएंगे ही, साथ ही साथ सर्च मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, मोबाइल मार्केटिंग जैसे डिजिटल मार्केटिंग के मुख्य टर्म्स को भी कवर करने का प्रयत्न करेंगे।

आप कुछ यूं समझ लीजिए कि दुनिया में करोड़ों लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। पहले के जमाने में जहां आप की पहुंच बहुत ही सीमित लोगों तक होती थी, आज डिजिटल तकनीक के माध्यम से, इंटरनेट के माध्यम से, आप करोड़ों लोगों तक बड़ी आसानी से पहुंच सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर ऑनलाइन प्रचार-प्रसार आदि आप पहले से ही कर रहे होंगे, और यही डिजिटल मार्केटिंग है। तात्पर्य यह है कि इंटरनेट का अपने व्यापार के प्रचार-प्रसार के लिए कितने बेहतरीन तरीके से आप इस्तेमाल कर पाते हैं, यही डिजिटल मार्केटिंग है। हम सभी जानते ही हैं कि भारत में ही करोड़ों लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं, और दिनों-दिन इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। कोरोना वायरस जैसी महामारी के दौर में तो वर्क फ्रॉम होम और इंटरनेट का इतना अधिक चलन बढ़ गया है कि इंटरनेट पर पहले जो लोग नहीं थे, अब वह भी आ गए हैं। या फिर जो थोड़ा बहुत ही इन्टरनेट

यूज करते थे, वह अधिक से अधिक यूज करने लगे हैं और अपने प्रोफेशनल कार्यों को संपादित करने लगे हैं। चूंकि प्रचार-प्रसार के लिए, लोगों तक पहुंच बनाने के लिए ऑफलाइन मॉडल बहुत ही खर्चीला हो गया है, तो ऑनलाइन मॉडल अपेक्षाकृत आसान बन गया है, और अगर आपके प्रोडक्ट में दम है, तो निश्चित तौर पर आप अधिक से अधिक लोगों तक आप आसानी से पहुंच बना सकते हैं।

पेड सर्च और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन भी डिजिटल मार्केटिंग की एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुआ है। आपको कोई भी जानकारी सर्च करनी होती है, कुछ भी खरीदना होता है, तो अक्सर आप गूगल का सहारा लेते हैं। गूगल एक विशालकाय सर्च इंजन है। हालांकि ऐसे ही दूसरे सर्च इंजन भी मार्केट में हैं, लेकिन गूगल एक तरह से इस फील्ड में मोनोपोली की हैसियत रखता है। आप कल्पना कीजिए कि जब आप कोई कीवर्ड सर्च करते हैं, कोई जानकारी सर्च करते हैं, तो कुछ जानकारियां ऊपर आती हैं, कुछ पहले पेज पर नीचे आती हैं, तो कुछ बाद के पृष्ठों पर पीछे की ओर नजर आती हैं।

अब जो जानकारी पहले आती है, निश्चित तौर पर लोग उस पर जाते हैं, और उस पर अपेक्षाकृत ज्यादा लोग आते हैं। यही सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन है। अगर आप बेहतरीन तरीके से अपना कंटेंट लिखते हैं, बेहतरीन तरीके से की वर्ड्स का इस्तेमाल करते हैं, तो आप की जानकारी ऊपर आती है, परंतु अगर आपके पास यह सारी चीजें करने का समय नहीं है, चूंकि यह लॉन्ग टर्म स्ट्रेटेजी होती है, तो आप शॉर्ट टर्म स्ट्रेटेजी अपनाकर पेड सर्च से रिजल्ट ला सकते हैं। यह गूगल की ऐड सर्विस है, जिसको एडवर्ड बोलते हैं, और गूगल ऐड की सर्विस का इस्तेमाल करके आप अपनी जानकारी गूगल सर्च में ऊपर रख सकते हैं। ऐसे में किसी कीवर्ड सर्च में सबसे ऊपर ऐड के माध्यम से आप लोगों का ध्यान अट्रैक्ट कर सकते हैं।

चाहे आप कोई सामान बेचना चाहते हैं, कोई प्रचार करना चाहते हैं, या अपनी सर्विसेज किसी खास ऑडियंस तक पहुंचाना चाहते हैं, तो इन दोनों माध्यमों, पेड सर्च और एससीओ से आप लोगों को अट्रैक्ट कर सकते हैं। इसी क्रम में बात करें तो सोशल मीडिया मार्केटिंग पिछले दशक में तेजी से उभरता हुआ डिजिटल टर्म बन गया है।

फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन, इंस्टाग्राम आदि तमाम प्लेटफार्म ऑनलाइन दुनिया में भरे पड़े हैं, जहां लोग घंटों अपना समय व्यतीत करते हैं। यह प्लेटफार्म निश्चित तौर पर यूजर की तमाम जानकारियों को सहेज कर रखते हैं और उसी के अनुसार अपने विज्ञापन दाताओं को सर्विस भी देते हैं। कई लोग इस पर नेचुरल तरीके से भी ग्रो कर जाते हैं, जैसे कि सेलिब्रिटीज आदि, जिनका कोई पोस्ट वायरल हो जाता है, ढेर सारे लाइक, व्यूज आते हैं और लोग अपनी वॉल पर उसे शेयर करते हैं। यूं इसमें भी पेड सर्विस मिलती है। तात्पर्य है कि पैसे देकर यहां भी आप अपने कंटेंट को, अपने पेज को, या अपनी पोस्ट को बढ़ावा दे सकते हैं। फिर अधिक से अधिक टारगेट ऑडियंस तक आप इसे आसानी से पहुंचा सकते हैं। ऐसे में यह डिपेंड करता है कि आप एक्चुअल में किधर जाना चाहते हैं, और कितना खर्च करना चाहते हैं?

ईमेल मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग भी इस दुनिया का महत्वपूर्ण टूल है

ईमेल मार्केटिंग पहले के समय में खूब चलन में था, जब आप अपने सर्विस या प्रोडक्ट की जानकारी एक ईमेल में दर्ज करके उसे अट्रैक्टिव बनाकर लोगों तक भेजते थे। इसे न्यूज लेटर कहा जाता था। हालांकि अब वह काफी हद तक आउट डेटेड सा हो गया है, और स्पैम मेल बड़ी समस्या बन चुके हैं, किंतु फिर भी कई कंपनियां और लोग इसे आज भी अपनाते हैं। इसी प्रकार से मोबाइल मार्केटिंग में बात करें तो आपके मोबाइल पर तमाम मैसेज आते हैं, लोग व्हाट्सएप आदि के माध्यम से आपसे संपर्क करते हैं। ऐसे में यह डिजिटल मार्केटिंग का बेहद महत्वपूर्ण भाग बन गया है। चूंकि तमाम यूजर अब मोबाइल पर शिफ्ट हो चुके हैं, और अपने कुल समय का अधिकांश भाग मोबाइल पर ही व्यतीत करते हैं। उम्मीद है बेसिक तौर पर आप यह समझ चुके होंगे के डिजिटल मार्केटिंग क्या है, और किस तरीके से यह आपको फायदा पहुंचा सकता है। बाकी प्रत्येक बिंदु अपने आप में एक सब्जेक्ट है, और डिजिटल मार्केटिंग के तमाम कोर्सेज में यह सब डिटेल में ऑनलाइन व ऑफलाइन अवेलेबल है। अगर आप सच में इस फील्ड से फायदा लेना चाहते हैं तो आपको इन कोर्सेज पर ध्यान देना चाहिए और न केवल इन्हें करना चाहिए, बल्कि निरंतर इनकी प्रैक्टिस भी जारी रखनी चाहिए। क्योंकि हर तरह से यह आपको फायदा देने में सक्षम है।